THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 231 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.12 2081 बुधवार, 13 नवंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मुडा घोटाले में बढ़ सकती है सीएम सिद्धारमैया की मुश्किलें

बेंगलूरू, 12 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दरअसल इस मामले में शिकायतकर्ता और आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने सीएम सिद्धारमैया पर नए आरोप लगाए हैं।

आरटीआई कार्यकर्ता ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री ने प्लॉट आवंटन के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया और इन प्लॉट्स की खरीद पर लगने वाली स्टांप ड्यूटी का भुगतान भी नहीं किया। स्नेहमयी कृष्णा ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि सीएम सिद्धारमैया की मुडा घोटाले में संलिप्तता के और सबूत चाहिए? उन्होंने लिखा कि सीएम को इस मुद्दे पर लोगों को जवाब देना चाहिए।

'देश कमजोर करने का मौका नहीं छोड़ती कांग्रेस'

> ये कश्मीर में 370 की वापसी के लिए प्रस्ताव लाए

> पाकिस्तान भी यही चाहता है

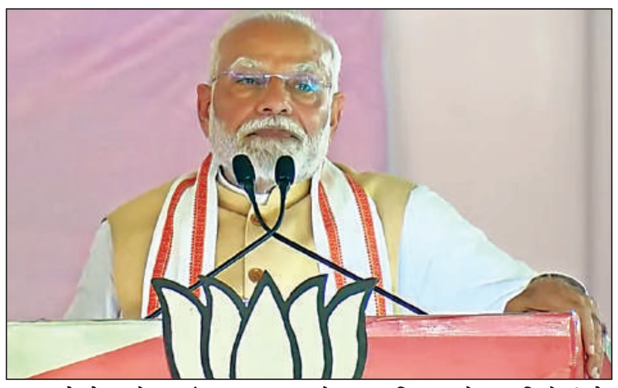

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को महाराष्ट्र के चंद्रपुर पहुंचे। यहां उन्होंने चिमूर में कहा, कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी वाले देश को पीछे करने का और कमजोर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। कांग्रेस और उसके साथियों ने आपको सिर्फ खूनी खेल दिए हैं। ये हमारी सरकार है जिसने नक्सलवाद पर लगाम लगाई।

पीएम बोले-हमने जम्मू-कश्मीर से 370 को खत्म किया। कश्मीर को भारत और भारत के संविधान से पूरी तरह जोड़ा। लेकिन कांग्रेस और उसके साथी कश्मीर में फिर से 370 लागू करने के लिए प्रस्ताव पास कर रहे हैं। ये लोग वो काम कर रहे हैं जो पाकिस्तान चाहता है।

पीएम की स्पीच 4 पॉइंट में...

> नक्सलवाद पर : प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे चंद्रपुर के इस क्षेत्र ने भी दशकों तक नक्सलवाद की आग को झेला है। यहां नक्सलवाद के कुचक्र में कितने ही युवाओं का जीवन बर्बाद हो गया। हिंसा का खूनी खेल चलता रहा, औधोगिक संभावनाओं ने यहां दम तोड़ दिया।

कांग्रेस और उसके साथियों ने आपको सिर्फ और सिर्फ खूनी खेल दिए हैं। हमारी सरकार ने नक्सलवाद पर लगाम लगाई। आज ये पूरा क्षेत्र खुलकर सांस ले पा रहा है। अब चिमूर और गढ़चिरौली के क्षेत्र में नए अवसर बन रहे हैं। इस क्षेत्र में नक्सलवाद फिर से हावी न हो जाए, इसके लिए आपको कांग्रेस और उसके साथियों को यहां फटकने भी नहीं देना है।

> कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर : पीएम ने कहा, कांग्रेस और अघाड़ी वाले देश को कमजोर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। जम्मू-कश्मीर दशकों तक अलगाववाद-आतंकवाद में जलता रहा। महाराष्ट्र के कितने ही वीर जवान मातृभूमि की रक्षा करते करते जम्मू-कश्मीर की धरती पर शहीद हो गए। जिस कानून की आड़ में, जिस धारा की आड़ में ये सब हुआ, वो धारा थी 370। ये कांग्रेस की देन थी। उन्होंने कहा- हमने 370 को खत्म किया। कश्मीर को भारत और भारत के संविधान से पूरी तरह जोड़ा। लेकिन कांग्रेस और उसके साथी कश्मीर में फिर से 370 लागू करने के लिए प्रस्ताव पास कर रहे हैं। ये लोग वो काम कर रहे हैं, जो पाकिस्तान चाहता है।

> विकास की रफ्तार पर : मोदी बोले- महायुति की सरकार किस रफ्तार से काम करती है और ये अघाड़ी वालों की जमात कैसे कामों को रोकते हैं, चंद्रपुर के लोगों से बेहतर ये बात और कौन जानेगा। यहां के लोग दशकों से रेल कनेक्टिविटी की मांग कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस और अघाड़ी वालों ने कभी भी ये काम होने नहीं दिया। उन्होंने कहा, 2.5 साल में कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने मेट्रो से लेकर, वधावन पोर्ट और समृद्धि महामार्ग तक हर विकास परियोजना को रोकने का काम किया। इसलिए याद रखिए अघाड़ी यानी भ्रष्टाचार के सबसे बड़े खिलाड़ी हैं।

> हम एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे : आज मैं आपको कांग्रेस और उसके साथियों की एक बड़ी साजिश से भी सावधान कर रहा हूं। हमारे देश में आदिवासी समाज की जनसंख्या करीब 10 प्रतिशत के आसपास है। कांग्रेस अब आदिवासी समाज को जातियों में बांटकर कमजोर करना चाहती है। कांग्रेस चाहती है कि हमारे आदिवासी भाई एसटी के रूप में अपनी पहचान खो दें, उनकी ताकत-पहचान बिखर जाए।

सीजेआई खन्ना बोले

तत्काल लिस्टिंग-सुनवाई मौखिक नहीं होगी

वकीलों को ऐसे मामलों में लेटर भेजना होगा, अर्जेंट हियरिंग की आवश्यकता बतानी होगी

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में वकील अब किसी मामले की तत्काल लिस्टिंग और सुनवाई ओरली (मौखिक) नहीं करा सकेंगे। नए सीजेआई संजीव खन्ना ने मंगलवार को कहा कि वकीलों से इसके लिए ईमेल या रिटन लेटर भेजा होगा। दरअसल, सीजेआई ने ज्यूडिशियल रिफोर्म के लिए सिटिजन सेंट्रिक एजेंडे की रूपरेखा तैयार की है।

सीजेआई खन्ना ने कहा, तत्काल सुनवाई के लिए अब तक वकील सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच के सामने मौखिक अपील कर रहे हैं, यह अब नहीं होगा। वकीलों को ईमेल भेजकर या पत्र देकर यह बताना होगा कि केस की अर्जेंट लिस्टिंग और हियरिंग क्यों जरूरी है। जस्टिस संजीव खन्ना ने 11 नवंबर को देश के 51वें चीफ जस्टिस की शपथ ली थी। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई थी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर्ड हो चुके हैं।

6 महीने का होगा जस्टिस खन्ना का कार्यकाल

जस्टिस खन्ना का सीजेआई के रूप में कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं। जस्टिस संजीव के चाचा जस्टिस हंसराज खन्ना भी सुप्रीम कोर्ट में जज थे। हालांकि, इंदिरा सरकार के इमरजेंसी का विरोध करने पर उन्हें सीनियर होने के बावजूद चीफ जस्टिस नहीं बनाया गया। उनकी जगह जस्टिस एमएच बेग को सीजेआई बना दिया गया। जस्टिस हंसराज ने इसका विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट जज से इस्तीफा दे दिया था।

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव के हेलीकॉप्टर की फिर हुई तलाशी, कार्रवाई पर शिवसेना भड़की

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर की एक बार फिर तलाशी ली गई है। उद्धव की पार्टी-शिवसेना यूबीटी इस कार्रवाई को लेकर आक्रामक तेवर दिखा रही है। खबरों के मुताबिक चुनाव प्रचार के सिलसिले में हेलीकॉप्टर से लातूर गए उद्धव के हेलीकॉप्टर के साथ-साथ उनके बैग की भी तलाशी ली गई। शिवसेना के आधिकारिक एक्स हैंडल पर कार्रवाई की वीडियो भी शेयर की गई है। शिवसेना यूबीटी का आरोप है कि शिवसेना पर प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई हो रही है, जबकि सत्ताधारी महायुति में शामिल दल-(भाजपा-शिवसेना-एनसीपी) की तरफ से पैसे बांटने की घटना पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। चुनाव आयोग पर संविधान की अवहेलना करने का आरोप लगाते हुए शिवसेना ने कहा, डॉ. बाबा साहब द्वारा लिखे गए संविधान में हम सभी के लिए समान न्याय की बात कही गई है।

'क्या संविधान में लिखा है कि सरकार गिराने के लिए विधायक खरीदे जाएं?'

गोंदिया, 12 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर संविधान के मुद्दे को लेकर भाजपा और प्रधानमंत्री पर हमला बोला। उन्होंने भाजपा से सवाल पूछा कि क्या संविधान में लिखा है कि सरकार को गिराने के लिए विधायकों को खरीदना चाहिए? महाराष्ट्र के गोंदिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैं गारंटी दे सकता हूं कि पीएम मोदी ने कभी भी भारत के संविधान को नहीं पढ़ा है। अगर उन्होंने इसे पढ़ा होता तो वे इसका सम्मान करते। हाथ में संविधान पकड़कर दिखाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर देश में लोकतंत्र बचा है तो इस किताब की वजह से। इस किताब को तैयार करने में डॉ. बीआर आंबेडकर, महात्मा गांधी की बड़ी भूमिका रही। जबकि नरेंद्र मोदी और आरएसएस 24 घंटे किताब पर हमला करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि क्या इस संविधान में लिखा है कि महाराष्ट्र सरकार को गिराने के लिए किसी को भी विधायकों को खरीदना चाहिए? सोमवार को भाजपा ने संविधान को लेकर दिए जा रहे भाषण को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुनाव आयोग से शिकायत की थी। भाजपा ने कहा था कि राहुल गांधी लगातार संविधान को लेकर भाजपा पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने संविधान की धज्जियां उड़ाईं और झूठ बोला कि भाजपा संविधान को नष्ट करने वाली है। राहुल गांधी ऐसा करने के आदी हैं और चेतावनी और नोटिस के बाद भी वे ऐसा करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

आईएएस अधिकारी सस्पेंड

तिरुवनंतपुरम, 12 नवंबर (एजेंसियां)। केरल में आईएएस अधिकारी के मोबाइल नंबर से बनाए गए हिंदू और मुस्लिम अफसरों के वाट्सएप ग्रुपों पर बवाल के बाद अब विजयन सरकार ने अनुशासन उल्लंघन के आरोप में सोमवार को आईएएस के. गोपालकृष्णन को सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा एक और आईएएस अधिकारी पर दूसरे मामले में एक्शन हुआ है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सीनियर आईएएस के. गोपालकृष्णन को सरकारी अधिकारियों का एक धर्म आधारित वाट्सएप ग्रुप बनाने के लिए सस्पेंड किया गया है, जबकि दूसरे अधिकारी प्रशांत को सोशल मीडिया पर एक सीनियर आईएएस अधिकारी की आलोचना करने पर कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मुख्य सचिव से मिली रिपोर्ट के आधार पर अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया। आईएएस गोपालकृष्णन उद्योग और वाणिज्य विभाग के डायरेक्टर थे, जबकि प्रशांत ने कृषि विकास और किसान कल्याण विभाग में विशेष सचिव की जिम्मेदारी संभाली थी।

नापाक इरादों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान

चीनी एजेंसियों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ रच रहा ये साजिश

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान अपने नापाक इरादों से कभी बाज नहीं आता। ताजा खबर पाकिस्तान की नीयत पर साफ सवाल खड़ा करती है। दरअसल जानकारी मिली है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी, चीनी खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है और जम्मू-कश्मीर में रणनीतिक और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, विशेष रूप से महत्वपूर्ण सुरंगों के साथ महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और पुलों से संबंधित परियोजना के बारे में जानकारी जमा करने की कोशिश कर रही है।

क्या है पूरा मामला?

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के हजीरा और काली घाटी में प्रशिक्षण देने के बाद लगभग 20 आतंकवादियों को पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के कोटली बाग मुजफ्फराबाद भिम्बर इलाके में भेजा गया है और उन्हें हथियार चलाने का नक्शा, पढ़ने की तकनीक, जीपीएस डेटा विश्लेषण, प्राथमिक चिकित्सा और जंगल युद्ध का प्रशिक्षण भी दिया गया है। ये सब पाकिस्तानी सेना एसएसजी कमांडो और आईएसआई की उपस्थिति में हुआ है। इस बार, पाकिस्तान आतंकियों को लॉन्चिंग कमांडर की दिशा में भेजने के लिए बेताब है। मिली जानकारी के मुताबिक, 4 से 5 लश्कर आतंकियों को लॉन्चिंग कमांडर मुश्ताक अहमद के डायरेक्शन में पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के डोडिया में भेजा गया है। इसके अलावा और भी आतंकियों को अबु हमजा, अबू मोसैब, कारी सैफुल्लाह के साथ चकोटी क्षेत्र में भेजा गया है। इस बार मौसम परिवर्तन के कारण पाकिस्तान, आईएसआई और पाकिस्तानी सेना का मुख्य फोकस जम्मू क्षेत्र है। इसलिए वे मौसम बदलने से पहले घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं, हालांकि बर्फबारी शुरू हो गई है, लेकिन पाकिस्तान को लगता है कि यही वह खिड़की है जब वह और अधिक आतंकी घुसपैठ करा सकते हैं।

कौन है लश्कर आतंकी अबु हमजा?

लश्कर आतंकी अबू हमजा, लश्कर का कमांडर है और पाकिस्तानी सेना के एसएसजी और अन्य गुर्गों के साथ लॉन्चिंग कमांडर है। वह एलओसी पर ढेरी इलाके से लेकर पीओजेके के लंजोत इलाके तक लगातार रेकी कर रहा है। एक अन्य पाकिस्तानी हैंडलर जिसका कोड नाम अबू मोहम्मद है, वह नौ आतंकवादियों का लॉन्चिंग कमांडर भी है। उसे पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के नाली इलाके के पास देखा जा सकता है। वे घुसपैठ की भी कोशिश कर रहे हैं और बैट एक्शन के लिए पाकिस्तानी सेना के साथ सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। पाकिस्तानी हमेशा ड्रोन से पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों की मौजूदगी में रेकी करने की कोशिश करते रहते हैं ताकि वे भारत के जम्मू क्षेत्र में घुसपैठ कर सकें। मिली जानकारी के मुताबिक, उल्लू पोस्ट एरिया से लेकर निकियाल कोटली मुजफ्फराबाद रावलकोट तक पाकिस्तानी सेना के साथ आतंकियों की भारी तैनाती की गई है,

'कांग्रेस सदा से ही ओबीसी विरोधी' महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान बोले सीएम नायब सिंह सैनी

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चुनाव प्रचार को लेकर महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। इसी बीच मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम सैनी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जितना बड़ा सम्मान पीएम मोदी ने ओबीसी को दिया है कांग्रेस ने उसका विरोध किया है। कांग्रेस ने तो ओबीसी को वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार ओबीसी का आयोग बनने के लिए गया। जब मंडल कमीशन की रिपोर्ट आई राजीव गांधी ने इसका विरोध किया। सीएम सैनी ने आगे कहा कि 2018 में जब पीएम मोदी बिल लेकर आए तो कांग्रेस ने इसका विरोध किया, जिसकी वजह से राज्यसभा में बिल गिर गया। 2019 के चुनाव में फिर दोबारा बिला आया, फिर वो पास हुआ। जो पीएम मोदी ने ओबीसी के लिए किया है, कांग्रेस ने ओबीसी का विरोध किया है। ओबीसी आज पीएम नरेंद्र मोदी के साथ है।

जो लोग दाउद इब्राहिम से मेरे नाम को जोड़ रहे हैं

मैं उन सबके ऊपर मानहानि का मुकदमा करूंगा, एनसीपी प्रत्याशी नवाब मलिक ने दी बीजेपी के बड़े नेताओं को चेतावनी

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले वोटिंग से पहले चुनावी माहौल शबाब पर है। इसी बीच एनसीपी (अजित पवार) नेता नवाब मलिक का बड़ा बयान सामने आया है। एक इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या आप पीएम मोदी के साथ हैं या नहीं हैं? इसपर उन्होंने कहा कि मैं अजित पवार के साथ हूं और भारतीय जनता पार्टी मेरे खिलाफ है। फिर मलिक से पूछा गया कि क्या आप बीजेपी के साथ हैं? इसपर उन्होंने कहा, मैं अजित पवार के साथ हूं। बीजेपी का प्रेम देखिए छलक रहा है। लगातार वो मुझे दाउद इब्राहिम का आदमी बता रहे हैं। मेरे आतंकियों से संबंध बता रहे हैं, जबकि मैंने साफ तौर पर कह दिया है कि मुझपर मनी लॉनड्रिंग का मामला है, वो न्यायालय में है। उन्होंने कहा कि न्यायालय की जमानत की कंडीशन है कि मैं उस केस के बारे में कुछ नहीं कहूं, लेकिन जिस दिन भी मामला आएगा, उसमें मैंने अपनी कंपनी को लेकर डिस्चार्ज एप्लीकेशन डाली है। जिस दिन फैसला आएगा, दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। इंटरव्यू के दौरान कहा, जो लोग दाउद और आतंकवाद से मेरे नाम को जोड़ रहे हैं, मैं उन सबके ऊपर मानहानि का मुकदमा करूंगा। चाहे वो कोई भी और कितना भी बड़ा नेता हो।₹ उनसे पूछा गया देवेंद्र फडणवीस तो आपको बोल चुके हैं तो क्या उनपर भी केस करेंगे? इसपर मलिक ने कहा कि वकील नोटिस भेंजेगे, अगर उन्होंने गलती मान ली तो ठीक है, वरना उनके खिलाफ भी केस चलेगा।

'मेरे नेता सिर्फ अजित पवार हैं और कोई नहीं'

मलिक से पूछा गया कि क्या देवेंद्र फडणवीस आपके नेता नही हैं? इसपर उन्होंने कहा, मेरे नेता सिर्फ अजित पवार हैं, उसके अलावा मेरे कोई नेता नहीं। सारे दल एक तरफ और नवाब मलिक एक तरफ। मुझे जनता चुनाव लड़ा रही है, मैं चुनाव नहीं चलना चाहता था, जब मैं जेल में था, तब मेरी बेटी मेरे विधानसभा क्षेत्र को देख रही थी। लेकिन, जब मैं जेल से छूटने और अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद अपने दफ्तर में गया तो लोगों की भीड़ रहती है, अपनी समस्याओं को लेकर मेरे कैबिन अलग है, बेटी का कैबिन अलग है।

अगर देश को कोई खतरा है तो वह कांग्रेस से है खरगे के बयान पर गिरिराज सिंह का पलटवार

पटना, 12 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत को आरएसएस-बीजेपी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह से खतरा है। गिरिराज सिंह ने कहा कि अगर देश को कोई खतरा है तो वह कांग्रेस पार्टी से है जो भारत में गृह युद्ध कराना चाहती है। 'देश के अंदर अशांति फैलाना चाहते है ये लोग' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये लोग देश के अंदर अशांति फैलाना चाहते हैं। अशांति पैदा करके वे भारत में गृहयुद्ध कराकर भारत को नष्ट भी करना चाहते हैं। लेकिन खरगे साहब, आपके इरादे पूरे नहीं होंगे क्योंकि युवा जाग चुका है और आपकी नीतियों को समझ चुका है। बता दें कि कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक हैं तो 'सेफ' हैं' और 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया था कि भारत को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से खतरा है। खरगे ने रविवार को मुंबई में 'संविधान बचाओ' सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि संसद में चर्चा और बहस की अनुमति नहीं है। खरगे ने कहा था, ''प्रधानमंत्री कहते हैं 'एक हैं तो 'सेफ' हैं' जबकि (भाजपा के) अन्य नेता 'बंटेंगे तो कटेंगे' की बात करते हैं। किसे खतरा है? क्या कोई समस्या है? वास्तव में, देश को आरएसएस, भाजपा, मोदी और शाह से खतरा है।''

पीएम नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे से पहले कांग्रेस का बड़ा बयान

तारीख में छुपे राज को किया डिकोड!

दरभंगा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा में एम्स के शिलान्यास को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार दौरे पर आ रहे हैं। उनके दौरे से पहले बिहार कांग्रेस के नेता और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौर ने मंगलवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे दौरे के पीछे 13 नवंबर की तारीख को लेकर हमला बोला है। कांग्रेस नेता ने इसका मकसद कुछ और बताया है। राजेश राठौर ने मंगलवार को एक्स पर अपना वीडियो पोस्ट करते हुए कहा, (बुधवार) प्रधानमंत्री एम्स का शिलान्यास करने के लिए दरभंगा आ रहे हैं। वे उस एम्स का शिलान्यास करने जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री खुद कर चुके हैं। ये मैं नहीं कह रहा हूं बल्कि प्रधानमंत्री जी ने खुद असम में हजारों की संख्या में जो लोग थे उस भरी सभा में उन्होंने कहा था कि उनके कार्यकाल में कहां-कहां एम्स खुल गया है। उसमें प्रधानमंत्री ने बताया था कि दरभंगा में भी एम्स खुल गया है।

'शिलान्यास नहीं उपचुनाव के प्रचार में आ रहे'

आगे कहा, उन्होंने (पीएम मोदी) तारीख चुनी है 13 नवंबर की, जिस दिन बिहार में चार विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव है।

प्रधानमंत्री एम्स का शिलान्यास करने के लिए नहीं वे उपचुनाव के प्रचार में आ रहे हैं। प्रधानमंत्री जी आप कितनी बार भी बिहार आ जाएं, आप प्रधानमंत्री हैं आपका स्वागत है, लेकिन कम से कम झूठ तंत्र को तो बंद कीजिए। प्रचार तंत्र को तो बंद कीजिए। जिस एम्स के बारे में आप स्वयं कह चुके हैं कि दरभंगा में चल रहा है यानी उद्घाटन हो चुका है फिर आप उसका कल शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री जी आप धन्य हैं। आपको नमस्कार। बता दें कि बिहार की चार विधानसभा सीट तरारी, बेलागंज, इमागंज और रामगढ़ के लिए बुधवार को उपचुनाव होने वाला है। बीते सोमवार को ही चुनाव को लेकर प्रचार प्रसार थम गया। अब पीएम मोदी जब इसी दिन बिहार आ रहे हैं तो सियासी बवाल शुरू हो गया है।

बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राव साहेब दानवे पाटिल ने कार्यकर्ता को मारी लात

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता राव साहेब दानवे पाटिल से जुड़ी हैरान करने वाली बात सामने आई है। पाटिल ने पार्टी के एक कार्यकर्ता को लात मारी है। इसका वीडियो भी सामने आ गया है। पाटिल ने एक कार्यकर्ता को फोटो फ्रेम से दूर रखने के लिए लात मारी। वीडियो में पूर्व केंद्रीय मंत्री को लात मारते हुए देखा जा सकता है। घटना सोमवार की बताई जा रही है। दरअसल दानवे पाटिल जालना विधानसभा सीट से महायुति के उम्मीदवार अर्जुन खोतकर से मिलने गए थे। इसी दौरान ये घटना घटी। कार्यकर्ता का नाम शेख हमद बताया जा रहा है। रावसाहेब का जन्म 18 मार्च 1955 को महाराष्ट्र के जालना में हुआ था। उन्होंने जेईएस। कॉलेज, जालना, महाराष्ट्र से बीए की डिग्री हासिल की है। वह अपने राजनीतिक जीवन में सरपंच, सांसद और बाद में एक राज्यमंत्री रहे। बीजेपी संगठन में भी उन्होंने अहम जिम्मेदारियां निभाईं। वह महाराष्ट्र भाजपा के महासचिव और दो बार उपाध्यक्ष रहे हैं। उन्हें ग्रामीण जड़ों वाले नेता के रूप में जाना जाता है। राव साहेब वर्तमान में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 बीजेपी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हैं।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष के बिगड़े बोल

बीजेपी को दी गंदी गाली, किरीट सोमैया ने किया पलटवार

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने एक जनसभा के दौरान बीजेपी को लेकर विवादित बयान दिया है। उनके बोल बिगड़े हैं, जिस पर बीजेपी ने पलटवार भी किया है। दरअसल नाना पटोले अकोला जिले में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा, 'बीजेपी को कुत्ता बनाने का समय आ गया है।'

कांग्रेस नेता नाना पटोले ने और क्या कहा?

नाना पटोले ने कहा, 'ओबीसी के लोग भी यहां पर बैठे हैं। नहीं तो तुम हैदराबाद वाले की बात करोगे। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या अकोला जिले के ओबीसी के लोग बीजेपी के लिए वोट करेंगे जो तुमको कुत्ता बोलते हैं। अब बीजेपी को कुत्ता बनाने का समय आ गया है।'

यह इतनी मस्ती में आ गए हैं, यह तो भगवान है ना। पहले देवेंद्र जी थे। मुझे तो सभी लोग नाना भाऊ ही बोलते हैं। पहले से बोलते हैं, मेरे घर पर भी बोलते हैं, आप लोग भी बोलते हैं। पहले इसको देवेंद्र जी बोलते थे लेकिन अब उसने अपना नाम बदल दिया। देव भाऊ हो गया है। कुछ दिन के बाद भाऊ हटा देगा तो क्या हो जाएगा (जनता देवा)। एक स्वयं विश्व गुरु तो दिल्ली में बैठे ही हैं।'

बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने किया पलटवार

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले की विवादित टिप्पणी पर बीजेपी नेता किरीट सोमैया का बयान सामने आया है। सोमैया ने कहा, 'वे निराशा से हताशा की ओर जा रहे हैं। शरद पवार कुछ कह रहे हैं, उद्धव ठाकरे मौखिक रूप से चुनाव आयोग को गाली दे रहे हैं। अब, राहुल गांधी की कांग्रेस बीजेपी को कुत्ता बुला रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जनमत सर्वेक्षणों में महायुति को स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है, इसलिए मैं उनकी निराशा को समझ सकता हूं।'

देहरादून में इनोवा के उड़े परखच्चे, 6 की मौत

देहरादून, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पर्वतीय राज्य उत्तराखंड से एक बार फिर से दिल दहला देने वाले हादसे की खबर सामने आ रही है। राज्य की राजधानी देहरादून में भीषण सड़क हादसा हुआ है। देहरादून में देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, एक घायल को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, एक इनोवा को कंटेनर ने टक्कर मार दी जिसके बाद कार के परखच्चे उड़ गए हैं। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, जिस इनोवा कार की कंटेनर से टक्कर हुई उसमें 7 लोग सवार थे। इनमें से 6 लोगों की मौत हो गई है और 1 अस्पताल में भर्ती है। जानकारी के मुताबिक, हादसे की शिकार कार बल्लूपुर की तरफ से कैंट की ओर जा रही थी। ओएनजीसी चौक पर कंटेनर के साथ कार का एक्सीडेंट हो गया जिसके बाद कार दूर तक पहुंच गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर कैंट कोतवाली पुलिस पहुंची और सभी को अस्पताल पहुंचाया।

उन्होंने मेरा घर खोला और मेरी पतलून देखी भिखारी के घर क्यों पहुंची एनआईए?

अहमदाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। सुबह एनआईए की टीम ने हल्दीबाड़ी में एक भिखारी राखी बर्मन के घर पर छापेमारी की। एनआईए की टीम के साथ हल्दीबाड़ी थाने के पुलिस अधिकारी भी राखी बर्मन के घर पहुंचे। उसके बेटे विश्वजीत बर्मन का नाम गैर कानूनी गतिविधि में सामने आया। विश्वजीत के पिता का निधन हो गया है और विश्वजीत की मां यानी राखी बर्मन एक भिखारी है। हालांकि स्थानीय लोगों ने कहा कि विश्वजीत बहुत सीधा-साधा लड़का है। वह एक कैटरिंग वर्कर है लेकिन वह अभी घर पर नहीं हैं। विश्वजीत बर्मन की मां राखी बर्मन ने कहा कि वह काम के सिलसिले में बाहर हैं। छापेमारी के बाद राखी ने दावा किया कि अधिकारियों ने राखी से कुछ कागजात पर हस्ताक्षर कराए थे। राखी ने कहा, "उन्होंने मेरा घर खोला और मेरी पतलून देखी। पति की बैंक बुक देखी। लड़का काम करने बाहर गया है।" पड़ोसी मलय दास ने कहा कि मैं आशुराम को काका कहता था। वह एक भिखारी था। आज मैंने देखा कि इस घर में बीएसएफ और बड़े-बड़े अधिकारी आए थे।

6 लोगों को किया था गिरफ्तार

एनआईए सूत्रों के मुताबिक पिछले साल एटीएस ने अहमदाबाद में जांच शुरू की थी। एटीएस ने उस वक्त छह लोगों को गिरफ्तार किया था। ये सभी बांग्लादेश के नागरिक हैं। आरोप है कि देश में फर्जी भारतीय दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जा रहा था। उनसे पूछताछ के बाद एटीएस को सनसनीखेज जानकारी मिली। वैध बांग्लादेशी पासपोर्ट के साथ या उसके बिना भारत में प्रवेश किया। वो कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े हुए थे।

'अल कायदा के हैंडलर'

जांच में पता चला कि आरोपी असम और उत्तरी बंगाल के रास्ते भारत में दाखिल हुआ। तलाशी के दौरान एक महिला समेत दो नाम सामने आए, जो उपमहाद्वीप में 'अल कायदा के हैंडलर' हैं। वह लगातार उनके संपर्क में थे। एआईए उनके खिलाफ आरोप पत्र देती है। उसी आधार पर कूचबिहार में विश्वजीत बर्मन के घर की तलाशी ली गई।

बहाना बनाकर ले ली जमाकर्ताओं की पासबुक, 50 लाख के हेरफेर के बाद फरार हुआ पोस्टमास्टर

भुवनेश्वर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के जाजपुर में एक पोस्टमास्टर जमाकर्ताओं के साथ 50 लाख रुपये का हेरफेर करने के बाद फरार हो गया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। आरोपी की पहचान कुआनालो पोस्ट ऑफिस के पोस्टमास्टर कोडनाधारा बोइताई के तौर पर की गई है। उसने पोस्ट ऑफिस में जमा करने वाले 50 से अधिक जमाकर्ताओं के बचत खाते से लगभग 50 लाख रुपये निकाल लिए। वह पिछले महीने 23 अक्तूबर से ही फरार है। सोमवार को जमाकर्ताओं ने अपने पैसे वापस मांगने के लिए पोस्ट ऑफिस के सहायक अधीक्षक का घेराव किया। इस घटना का खुलासा तब हुआ जब एक महिला जमाकर्ता पोस्ट ऑफिस में अपने पैसे निकालने आई। इस जालसाजी पर प्रतिक्रिया देते हुए जमाकर्ता सबितारानी दास ने कहा, पोस्टमास्टर ने सितंबर में पासबुक में क्वाटर्ली व्याज दर्ज करने के नाम पर कई जमाकर्ताओं की पासबुक जमा कर ली थी, जिसमें मेरा पासबुक भी शामिल था। पासबुक तब से उसके पास ही है। जब मैं अपने अकाउंट से पैसे निकालने आई, तब उसने मुझसे दो दिन बाद आने के लिए कहा। उसने बताया कि व्याज कैलकुलेशन के लिए सभी पासबुक को जाजपुर हेड पोस्ट ऑफिस में भेजा गया है। जाजपुर डाक मंडल के सहायक अधीक्षक हरिशंकर सुबुद्धि ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में जमा किया गया पैसा पोस्टमास्टर ने निकाल लिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पिछले महीने इस घटना की जानकारी मिली। विभाग इस मामले की विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में फल और सब्जी वाले लगाने लगे नेम प्लेट और भगवा झंडा

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के दौरान फल और सब्जी बेचने वालों के नेम प्लेट लगाने के आदेश के बाद विवाद खड़ा हो गया था, वहीं अब ऐसा ही कुछ राजधानी दिल्ली में देखने को मिल रहा है। वेस्ट दिल्ली के नजफगढ़ और ईस्ट दिल्ली के विनोदनगर इलाके में फल और सब्जी बेचने वाले दुकानदार नेम प्लेट और भगवा झंडा लगाने लगे है। जिसकी खूब चर्चाएं हो रही है। दरअसल, नजफगढ़ में फल और सब्जी वालों ने जो नेम प्लेट लगाई है उसपर व्यापार मंडल एसोशिएशन की तरफ से दुकानदार का नाम, मोबाइल नंबर और ठेले का नंबर भी लिखा गया है। जिसको लेकर ठेलों वालों का कहना है कि जब कुछ लोग खराब काम करते हैं तो उनकी वजह से सबका नाम खराब होता है। मामले को लेकर बीजेपी पार्षद अमित खड़खड़ी का कहना है कि नेम प्लेट किसी पर थोपी नहीं गई है। इसमें मंडियों की सहमति है। इसकी रिपोर्ट इलाके के एसडीएम के अलावा एमसीडी और दिल्ली पुलिस को जाएगी। सुरक्षा के लिहाज से ये कदम उठाया गया है। वहीं दूसरी तरफ विनोद नगर इलाके में फल और सब्जी बेचने वालों ने अपनी धार्मिक पहचान के लिए भगवा झंडे लगाए हुए हैं।

वायनाड लोकसभा उपचुनाव में 14 लाख वोटरों के हाथ में 16 उम्मीदवारों की किस्मत

वायनाड, 12 नवंबर (एजेंसियां)। देशभर के कई राज्यों में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज है। वहीं, केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव होना है। इस सीट पर सबकी निगाहें इसलिए भी हैं, क्योंकि यहां कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी वाड्रा चुनावी मैदान में हैं। राहुल गांधी की बहन वाड्रा, भाकपा के सत्यन मोकेरी और भाजपा की नव्या हरिदास समेत कुल 16 उम्मीदवारों की किस्मत करीब 14 लाख मतदाताओं के हाथ में है।

कैसे सीट हुई खाली?

बता दें, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस साल 3.15 लाख से अधिक मतों के अंतर से वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल की थी। हालांकि वह रायबरेली लोकसभा सीट पर भी जीते थे, जिसके बाद वायनाड की सीट खाली हो गई थी। इसलिए अब यहां उपचुनाव हो रहे हैं। कांग्रेस की योजना जहां राहुल की बहन प्रियंका गांधी को मैदान में उतारकर यूडीएफ का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट को बरकरार रखने की है। वहीं भाकपा और भाजपा इस पहाड़ी सीट को कांग्रेस से छीनने की उम्मीद कर रही हैं।

प्रियंका गांधी पहली बार चुनावी मैदान में

पहाड़ी निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव प्रचार के आखिरी दिन सोमवार को तीनों प्रमुख राजनीतिक मोर्चों द्वारा रोड शो देखा गया, जिसमें राहुल अपनी बहन के लिए समर्थन जुटाने के लिए व्यक्तिगत रूप से दिखाई दिए। बता दें, प्रियंका गांधी पहली बार चुनावी मैदान में उतरी हैं। कांग्रेस वायनाड से सांसद के रूप में राहुल के 2019 से 2024 तक के कार्यकाल और वायनाड के लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता पर भरोसा कर रही है।

एलडीएफ और भाजपा के निशाने पर कांग्रेस

दूसरी ओर, एलडीएफ और भाजपा दोनों ही आरोप लगा रहे हैं कि कांग्रेस नेता ने जीत के बाद जनता की राय को अपने पक्ष में करने के लिए निर्वाचन क्षेत्र छोड़ दिया। वहीं, प्रियंका गांधी वाड्रा ने दावा किया था कि वह नियमित रूप से वायनाड आएंगी जब तक कि लोग उन्हें दूर रहने के लिए नहीं कहते। इसी दावे को खारिज करते हुए एलडीएफ और भाजपा ने यह भी तर्क दिया कि अगर वह जीतती हैं तो अपने भाई की तरह शायद ही कभी निर्वाचन क्षेत्र में दिखाई देंगी।

13 नवंबर को होना है उपचुनाव

इस बीच, निर्वाचन क्षेत्र में बढ़-चढ़कर तैयारी की गई है। यहां 13 नवंबर को उपचुनाव होना है। वायनाड लोकसभा सीट के अंतर्गत सात विधानसभा सीटें आती हैं, जिनमें वायनाड जिले की मनंथवाडी (सुलथन बाथेरी), कलपेट्टा और मनंथवाडी (सुलथवडी) शामिल हैं। कोझिकोड जिले में तिरुवंबाडी और मलप्पुरम जिले में इरनाड, नीलांबुर और वंडूर हैं। जिला प्रशासनों के अनुसार, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और सशस्त्र पुलिस बटालियन की कई कंपनियों को सात विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव ड्यूटी के लिए तैनात किया गया है। समूचे निर्वाचन क्षेत्र में 1,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर मतदान कराया जाएगा। उन स्थानों पर विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं, जहां माओवादी मौजूद हैं।

पुलिस प्रशासन सख्त

मलप्पुरम जिला प्रशासन ने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से पुलिस ने जिले से 13.1729 किलोग्राम गांजा, 76.25 ग्राम एमडीएमए, 30 लीटर भारत निर्मित विदेशी शराब, 50,98,300 रुपये नकद और 719.8 ग्राम सोना जब्त किया है। इसके अलावा, नीलांबुर पुलिस थाना सीमा से एक देसी बंदूक और 12 गोलियां जब्त की गईं। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 13 नवंबर, 2024 3

सुविचार: ऐसी कोई इच्छा ही न की जाय, जिसकी पूर्ति न होने पर क्रोध आने की संभावना हो।

सरकार किसी भी तरह की गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेगी : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिला कलेक्टर हमले पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, आईटी और उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार लोक सेवकों को डराने के उद्देश्य से किसी भी तरह की "गुंडागर्दी" या गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेगी। मंगलवार को यहां सीएलपी कॉन्फ्रेंस हॉल में मीडिया को संबोधित करते हुए, मंत्री ने सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कथित राजनीतिक धमकी और धमकाने की हाल की घटनाओं के बारे में एक कड़ा बयान दिया। हम इस हमले की योजना बनाने वालों और पिछले दस दिनों में उन्होंने कैसे इसकी साजिश रची, इसका विवरण उजागर करेंगे, उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार इस घटना को अत्यंत गंभीरता से ले रही है। श्रीधर बाबू ने बताया कि कलेक्टर ने स्थानीय मुद्दों को समझने और उनका समाधान करने के लिए पहल की थी, लेकिन कुछ व्यक्तियों ने पूर्व नियोजित योजना के तहत निर्दोष किसानों को हमला करने के लिए उकसाया। अपनी टिप्पणी जारी रखते हुए, मंत्री ने बीआरएस पार्टी की आलोचना की और आरोप लगाया कि इसके नेता जन कल्याण के उद्देश्य से सरकार की पहल में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, हम जांच कर रहे हैं कि इन साजिशों और धमकाने के कृत्यों के पीछे कौन है। सरकार लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है, फिर भी सत्ता खो चुके लोग हमारे अच्छे काम में बाधा डाल रहे हैं। औद्योगिक व्यवधानों की हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा, जब हम उद्योग स्थापित करने का लक्ष्य रखते हैं, तो बीआरएस नेता हमें रोकने की कोशिश करते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों पर हमलों के पीछे राजनीतिक प्रेरणा होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि इस घटना में विफलताओं के लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

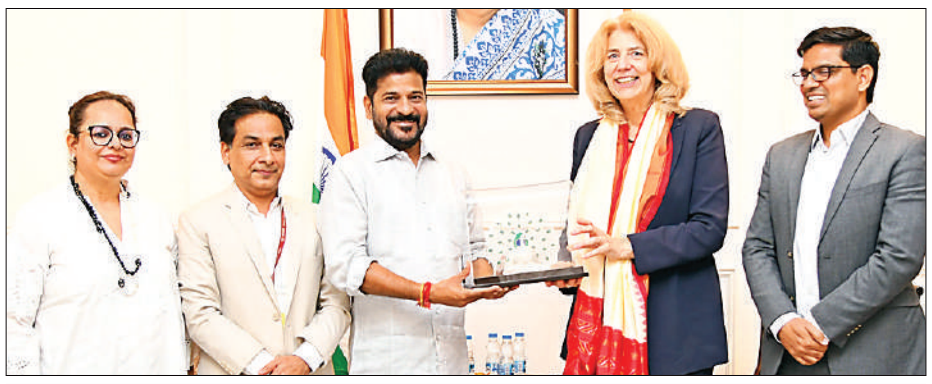

नीदरलैंड की राजदूत मारिसा गेराड्र्स ने आज नई दिल्ली में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से उनके कैंप कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस बैठक में टीएसआईआईसी के प्रबंध निदेशक विष्णु वर्धन रेड्डी और रेजिडेंट कमिश्नर डॉ. गौरव उप्पल भी शामिल हुए।

नारायण ने प्रधानमंत्री पर हैदराबाद की राजनीति में खराब संस्कृति लाने का आरोप

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव नारायण ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हैदराबाद की राजनीति में खराब संस्कृति लाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, उन्होंने महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों को प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लिया है। अगर हम उन दो राज्यों में जीतते हैं, तो मोदी देश में एक साथ चुनाव कराने की अपनी योजना को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ये चुनाव संघीय व्यवस्था के खिलाफ हैं। शहर के मकदूम भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सीपीआई नेता ने कहा कि वे गठबंधन के हिस्से के रूप में महाराष्ट्र राज्य में एक विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं और उन्होंने कहा कि वे झारखंड राज्य में अकेले चुनाव लड़ रहे हैं। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम पर निशाना साधते हुए, नारायण ने कहा कि वाईएसआरसीपी के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी पिछले 12 वर्षों से जमानत पर बाहर हैं और उन्होंने मजाक उड़ाया कि जगन अपने मामलों के लिए अदालतों में भी नहीं जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जगन मोदी और अमित शाह की मदद से जमानत पर बाहर हैं। तेलंगाना में जाति जनगणना पर प्रतिक्रिया देते हुए नारायण ने कहा, इसके ज़रिए राजनीतिक और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। लेकिन क्या इसके लिए 75 सवालों की ज़रूरत है, उन्होंने पूछा अगर ऐप बन जाता है, तो उनका फ़ॉर्म उनके द्वारा पूरा किया जाएगा। सरकार को व्यक्तिगत संपत्ति, देनदारियों और बैंक लेनदेन के विवरण की क्या जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि जाति गणना को विवादास्पद बनाने के बजाय आसान बनाया जाना चाहिए। विकाराबाद जिले में जिला कलेक्टर और अधिकारियों पर किसानों के हमले का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारियों पर ग्रामीणों ने हमला किया क्योंकि किसानों को डर था कि उनकी ज़मीन चली जाएगी।

परीक्षा को लेकर जिला अपर कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस महीने की 17 और 18 तारीख को होने वाली ग्रुप-III परीक्षाओं के आयोजन की तैयारी में व्यवस्था बनाने के लिए जिला अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह मंगलवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर भवन के सभाकक्ष में पुलिस, नोडल अधिकारियों, विभागीय अधिकारियों के साथ समूह-III परीक्षा आयोजित करने पर एक समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर अपर समाहर्ता ने कहा कि 17 तारीख को सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक दो पेपर होंगे। पहला पेपर दोपहर 3 बजे से शाम 5.30 बजे तक होगा। तीसरा पेपर होगा 18 तारीख को सुबह दूसरा पेपर आयोजित किया जाएगा। परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के लिए सुबह 8.30 बजे से 9.30 बजे तक आ सकेंगे। 9.30 बजे के बाद गेट बंद कर दिए जाएंगे। यह सूचित किया जाएगा कि देर से आने पर उम्मीदवारों को अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस, नोडल अधिकारी, प्रमुख अधीक्षक, विभाग अधिकारियों को कर्तव्यों का निर्वहन ठीक से करना होगा। उन्होंने बताया कि जिले में 56,394 अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं। बैठक में नोडल अधिकारी रामाराव, जिप सीईओ कृष्णा रेड्डी, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी, अन्य नोडल अधिकारी, विभाग अधिकारी, संबंधित अधिकारियों एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

किसानों के हमले के बाद विकाराबाद जिले में पुलिस अलर्ट पर

विकाराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिला कलेक्टर की मौजूदगी में जिला राजस्व विभाग के अधिकारियों पर हमला राज्य में सनसनी बन गया है। हिंसा भड़कने वाले गांवों में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने कड़े इंतजाम किए हैं। दुद्याला, कोडंगल और बोमरसपेट मंडलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। जिले में बड़ी संख्या में लोगों के आने-जाने के कारण पुलिस ने वाहनों की जांच की। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। किसी को भी मंडलों में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। दूसरी ओर, मंगलवार को जिला कलेक्टर पर हुए हमले के विरोध में जिले भर के तहसीलदारों और राजस्व अधिकारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। एक तरफ विरोध प्रदर्शन और दूसरी तरफ कई नेताओं के मंडलों में आने के मद्देनजर पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। विकाराबाद जिले के कई मंडलों में किसी को भी प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। जिला पुलिस अधीक्षक नारायण रेड्डी ने कहा कि घटना के सिलसिले में 52 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा, हम अधिकारियों पर हमले में साजिश के पहलू की जांच कर रहे हैं। उनके अनुसार, सुरेश अधिकारियों पर हमले के मुख्य आरोपियों में से एक है। उन्होंने कहा, हम राजनीतिक पहलू से भी जांच कर रहे हैं और जांच के दौरान सब कुछ पता चल जाएगा। आधी रात से ही पुलिस बल बड़ी संख्या में लागाचर्ला की घेराबंदी कर रहे हैं। गांव में बिजली बंद कर दी गई और हर घर को बंद कर दिया गया। ज्ञात हो कि ग्रामीण लंबे समय से विकाराबाद जिले के दुद्याला मंडल के लागाचर्ला में फार्मा कंपनी की स्थापना का विरोध कर रहे हैं।

अधिकारियों को मुफ्त चारा बीज वितरण के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन विभाग के विशेष मुख्य सचिव सब्यसाची घोष ने अधिकारियों को तेलंगाना राज्य में पशुपालकों को मुफ्त चारा बीज वितरण के लिए अगले 5 वर्षों के लिए एक कार्ययोजना, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने मंगलवार को पशुपालन निदेशालय में जिला पशु चिकित्सा अधिकारियों, विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एनएलएम (राष्ट्रीय पशुधन मिशन) योजना की राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति की बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए, सब्यसाची घोष ने तेलंगाना राज्य बीज विकास निगम और अन्य निजी संगठनों को परियोजनाओं की जांच करने और तदनुसार रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए उनका ठीक से अध्ययन करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा, इस बैठक के लिए 67 भेड़-बकरी परियोजनाओं और तीन मुर्गीपालन परियोजनाओं के लिए बैंक ऋण देने के लिए आगे आए हैं। अब एनएलएम-ईडीपी (राष्ट्रीय पशुधन मिशन- उद्यमिता विकास कार्यक्रम) के तहत पशुपालन विभाग द्वारा कुल 412 परियोजनाओं को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दी गई है। विशेष मुख्य सचिव को बताया गया कि फील्ड स्तर के अधिकारियों से विवरण एकत्र कर सभी उपयुक्त परियोजनाओं को केंद्रीय स्तर पर मंजूरी के लिए अनुशंसित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय समिति की सिफारिश पर परियोजनाओं को केंद्रीय स्तरीय समिति द्वारा जांचने और उचित मंजूरी मिलने के बाद ही शुरू किया जाना है। जिला अधिकारियों को सुझाव दिया गया है कि लाभार्थियों को जागरूक किया जाना चाहिए कि केवल ऐसी परियोजनाओं को ही सब्सिडी मिलेगी। एनएलएम योजना में आवेदन करने वाले सभी लोगों के दस्तावेजों की गहन जांच की गई है और पशुपालकों को निर्देश दिया गया है कि वे उन्हें योजना के बारे में पूरी तरह से जागरूक करें और पशुधन के विकास में सहयोग करें। बैठक के दौरान, तेलंगाना पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. गोपी, तेलंगाना पशुधन विकास निगम की मुख्य कार्यकारी अधिकारी मल्लिश्वरी, भेड़ एवं बकरी प्रजनक संघ के एमडी डॉ.बी. सुब्बारायडू और अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

इटेला ने लागीचेरला गांव में हुई गिरफ्तारियों की निंदा की

तेलंगाना के लोगों के विद्रोह की चेतावनी दी

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र ने आज आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा किसानों की जमीन फार्मा कंपनियों को सौंपने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने लागीचेरला गांव के किसानों की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा, हम लागीचेरला की गिरफ़्तारी की कड़ी निंदा करते हैं। हम चेतावनी दे रहे हैं कि किसानों के ख़िलाफ़ अवैध मामले दर्ज करना ठीक नहीं है। अगर उनके ख़िलाफ़ मामले दर्ज किए गए तो पूरा तेलंगाना समुदाय विद्रोह कर देगा। अगर फार्मा कंपनियों को इसकी जरूरत है तो वे खुद जमीन अधिग्रहण कर लेंगी लेकिन सरकार को बीच में दलाल की तरह काम करने की जरूरत नहीं है। लोगों ने कांग्रेस सरकार को फार्मा कंपनियों के साथ सौदे करने के लिए वोट नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि सरकार लागीचेरला गांव में फार्मा सिटी के लिए जमीन अधिग्रहण करने की कोशिश कर रही है और कहा कि गांव के किसान इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। भाजपा इंटरनेट और बिजली सेवाओं को बंद करने और गांवों में तैनात सैकड़ों पुलिसकर्मियों की गिरफ़्तारी की कड़ी निंदा करती है। हमने चेतावनी दी है कि अवैध मामले दर्ज करना ठीक नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि भूमि अधिग्रहण किसानों की इच्छा पर किया जाना चाहिए और कहा कि राज्य सरकार को इसे जबरदस्ती लेने का अधिकार नहीं दिया गया है। इससे पहले मुचरला में फार्मा सिटी के लिए 8 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से जमीन अधिग्रहित कर उसे फार्मा कंपनियों को 1.2 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से सौंपने का प्रयास किया गया था। इसका कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया और हम, भाजपा के रूप में, भी इसका विरोध कर रहे थे। सीएम रेवंत रेड्डी, जो उस समय इसका विरोध कर रहे थे, अब जमीन हड़पने और किसानों के मुंह में कीचड़ डालने की कोशिश कर रहे हैं। मैं मांग करता हूं कि सरकारी जमीन दी जानी चाहिए, लेकिन फार्मा कंपनियों को निजी जमीन नहीं दी जानी चाहिए। रेवंत रेड्डी कह रहे हैं कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र में रोजगार पैदा करेंगे, लेकिन जिन किसानों के परिवारों की जमीनें अब तक चली गई हैं, उन्हें पूरा मुआवजा नहीं दिया गया है। किए गए वादों को पूरा नहीं किया गया है। गरीबों की जमीन हड़पकर बुजुर्गों को देने और उस जमीन से पैसा कमाने का किसी को अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, मैं फार्मा सिटी के नाम पर इलाके के लोगों के खिलाफ सरकार के कुकृत्यों की कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अवैध गिरफ्तारियां की गईं और किसानों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए, तो पूरा तेलंगाना समुदाय विद्रोह कर देगा।

महबूबनगर और जोगुलम्बा गदवाल में भरोसा केंद्र खोले गए

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सभी जिलों में भरोसा केंद्रों का विस्तार करने की अपनी प्रतिबद्धता पर आगे बढ़ते हुए, तेलंगाना राज्य पुलिस की महिला सुरक्षा शाखा के दो नए भरोसा केंद्र खोल रही है। जिला महबूबनगर एक नया भरोसा केंद्र खोल रहा है जबकि जिला जोगुलम्बा गदवाल मौजूदा भरोसा केंद्र के लिए एक नया भवन खोल रहा है।

यह महत्वपूर्ण विस्तार राज्य भर में महिलाओं और बच्चों को लक्षित करने वाले अपराधों के पीड़ितों की सहायता करने की राज्य की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। तेलंगाना राज्य पुलिस की महिला सुरक्षा शाखा की डीजीपी शिखा गोयल के मार्गदर्शन में महबूब नगर और जोगुलम्बा गदवाल जिलों ने उद्घाटन समारोह आयोजित किए, जिसकी अध्यक्षता जी चिन्ना रेड्डी उपाध्यक्ष राज्य योजना बोर्ड ने की तथा डीके अरुणा संसद सदस्य महबूब नगर, के दामोदर रेड्डी एमएलसी, एवीएन रेड्डी एमएलसी, सुरभि वाणी देवी एमएलसी, विजयेंद्र बोई आईएएस, कलेक्टर महबूब नगर, डी जानकी, पुलिस अधीक्षक महबूबनगर, अशोक कुमार एसपी महिला सुरक्षा विंग, अतिरिक्त एसपी कानून और व्यवस्था, अतिरिक्त एसपी एआर ने पुलिस अधिकारियों, भरोसा केंद्र कर्मचारियों, एसएचई टीम अधिकारियों और अन्य गणमान्य लोगों के साथ महबूब नगर में उद्घाटन समारोह में भाग लिया। जबकि एमबी संतोष कलेक्टर जोगुलम्बा गडवाल, टी श्रीनिवास राव, पुलिस अधीक्षक और नागा राजू, सहायक महाप्रबंधक, एमईआईएल अन्य गणमान्य लोगों, भरोसा कर्मचारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ जोगुलम्बा गदवाल में उद्घाटन समारोह में भाग लिया। उद्घाटन संदेशों में स्पष्ट रूप से तेलंगाना पुलिस का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया गया जो महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के पीड़ितों को व्यापक सहायता सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर प्रतिध्वनित हुआ। तेलंगाना पुलिस की महिला सुरक्षा विंग की अगुवाई में भरोसा केंद्र, समर्पित एकल-खिड़की सहायता केंद्रों के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के पीड़ितों को सहायता प्रदान करने की दिशा में राज्य की अभिनव रणनीति का प्रतीक है।

पीड़ितों को दी जाने वाली सेवाओं में परामर्श, कानूनी सहायता, चिकित्सा सहायता, पुनर्वास और अन्य आवश्यक सेवाएं शामिल हैं। अतिरिक्त जिलों को शामिल करने के लिए भरोसा केंद्रों का विस्तार पीड़ित केंद्रित सेवाओं में सुधार और महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करने की दिशा में तेलंगाना राज्य पुलिस के दृढ़ समर्पण को रेखांकित करता है।

कला उत्सव समारोह में युवा गायक संगीतकारों का शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय एकता पर्व के अंतर्गत कला उत्सव समारोह 2024 के द्वितीय दिवस का आयोजन पीएम केंद्रीय विद्यालय पिकेट में किया गया। पी अनुराधा (सहायक आयुक्त) के वि सं, हैदराबाद संभाग ने इस समारोह में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्य रुपिंदर सिंह सहित कई अन्य केंद्रीय विद्यालयों के प्राचार्य, कार्यक्रम प्रभारी, समन्वयक और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल ने अपना बहुमूल्य निर्णय दिया। 12 नवंबर 2024 की सुबह देश भर के केंद्रीय विद्यालय के युवा गायक संगीतकारों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। जिसमें केंद्रीय विद्यालय संगठन के 25 क्षेत्रीय कार्यालयों के छात्र प्रतिभागियों ने संगीतकार के रूप में प्रतियोगिता में भाग लिया तथा शास्त्रीय और समकालीन शैली के मिश्रण द्वारा अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

दोपहर में पूरे भारत से आए केंद्रीय विद्यालय संगठन के 25 क्षेत्रीय कार्यालयों के कलाकारों ने वाद्य संगीत का अद्भुत प्रदर्शन किया। श्री भक्त रामदास सरकारी कॉलेज सहित अन्य संगीत और नृत्य के प्रोफेसर ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई और निष्पक्ष निर्णय दिया। इन वाद्यों के माध्यम से हमारे कलाकारों ने आज सदियों पुरानी संगीत परंपरा को जीवंत कर दिया, जिसका प्रत्येक स्वर भारतीय संस्कृति की आत्मा से गूंज रहा था।

आईडीए बोलाराम में सफ़ाई कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

संगारेड्डी, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारी काम के बोझ का हवाला देते हुए सफाई कर्मचारियों ने आईडीए बोल्लाराम नगरपालिका में विरोध प्रदर्शन किया। एक दिन पहले नगरपालिका में सफाई कर्मचारी नरसिम्हा की मौत हो गई थी। सोमवार को नगरपालिका के एक मेनहोल में फंसने से 35 वर्षीय नरसिंह की मौत हो गई। बाकी मजदूरों ने मंगलवार को नरसिंह के परिवार के लिए 20 लाख रुपये के मुआवजे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। मजदूरों ने यह भी आरोप लगाया कि नगरपालिका में 150 मजदूरों की जरूरत के मुकाबले सिर्फ 50 मजदूर ही काम पर रखे गए हैं। उन्होंने कमिश्नर के खिलाफ नारेबाजी की।

बाघ की आवाजाही से ग्रामीण इलाकों में दहशत

निर्मल, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सारंगपुर मंडल के चिंचोली (बी) गांव के बाहरी इलाके में रविवार देर रात एनएच-44 पार करते समय मोटर चालकों द्वारा देखा गया एक बाघ मंगलवार को ममदा रेंज के जंगलों में घुस गया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 6 से 8 साल की उम्र का एक नर बाघ राष्ट्रीय राजमार्ग पार करके ममदा के जंगलों में घूम रहा था। उन्होंने बताया कि उसने तंद्रा-ममदा रेंज के बुर्करेगाडी गांव के जंगलों में मवेशियों को मारा है। उन्होंने अनुमान लगाया कि एक-दो दिन में वह नेराडिगोंडा या खानपुर रेंज के जंगलों में भटक सकता है।

अधिकारियों ने आगे बताया कि बाघ की गतिविधि पर नजर रखने के लिए 16 सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं और एनिमल ट्रैकर भी तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बाघ की गतिविधि के बारे में ग्रामीण लोगों में जागरूकता पैदा की जा रही है। उन्होंने जंगल के किनारे के गांवों के निवासियों से आग्रह किया कि वे जंगली जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने से रोकने के लिए बिजली की बाड़ न लगाएं।

अधिकारियों को संदेह है कि बाघ मादा साथी की तलाश कर रहा था क्योंकि यह मांसाहारी जानवरों के लिए प्रजनन का मौसम था। उन्होंने बताया कि पड़ोसी महाराष्ट्र के किनवट के जंगलों में रहने वाला बाघ शुरू में आदिलाबाद जिले के बोथ की ओर चला गया और बाद में कुंतला और सारंगपुर के जंगलों में घुस गया।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.eT-North-WAT-33-2024, दिनांक : 07.11.2024

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/लक्ष्मीपुर रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरापुट-रायगड़ा-कोरापुट लाइन में टनल नं.01 से 36 तक मरम्मत एवं रख-रखाव, टनल के अंदर साइड ड्रेन की सफाई, जल कैच वाटर ड्रेन की सफाई एवं टनल के उपर जंगल की कटाई।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 1,66,10,523.30, EMD(रुपये में): 2,33,100/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 03.12.2024 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग)/ वाल्टियर

PR-720/P/24-25

जेडीयू - बीजेपी में चल रहा शह-मात का खेल?

आरजेडी ने बताया बेमेल गठबंधन, दे दिया सबूत!

पटना, 12 नवंबर (एजेंसियां)। क्या बिहार एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं है? इस तरह के सवाल को लेकर आरजेडी ने जेडीयू और बीजेपी दोनों पर हमला बोला है। विपक्षी दल का कहना है कि जेडीयू-बीजेपी के बीच शह-मात का खेल चल रहा है। ये बेमेल गठबंधन है। मंगलवार (12 नवंबर) को आरजेडी के प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि बस सत्ता की मलाई के लिए ये साथ हैं। सत्ता की मलाई के लिए बीजेपी हर अपमान बर्दाश्त कर रही है।

शक्ति सिंह यादव ने किस बात को लेकर दिया बयान?

दरअसल सीएम नीतीश कुमार ने बीते सोमवार को एशियाई महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का राजगीर में शुभारंभ किया था। इस मौके पर बीजेपी से खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा इस कार्यक्रम में

मौजूद नहीं थे। इसी को लेकर आरजेडी ने सवाल उठाया है। आरजेडी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि बीजेपी नीतीश कुमार पर दबाव बना रही है। सत्ता अपने हाथ में लेना चाहती है। आहत होकर नीतीश कुमार ने दोनों उप मुख्यमंत्रियों को राजनीतिक लात मारी है। खेल मंत्री और उप मुख्यमंत्रियों को नीतीश कुमार ने नहीं बुलाया। बीजेपी चुप्पी साधी हुई है। सीएम नीतीश बीजेपी को औकात दिखा रहे हैं।

शक्ति यादव के बयान पर बीजेपी ने किया पलटवार

शक्ति सिंह यादव के इस बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार एनडीए और बिहार सरकार के मुखिया हैं। नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए चट्टानी एकता की तरह खड़ा है। तेजस्वी यादव घपले-घोटाले के उपज हैं। न क्रिकेटर न नेता ही नहीं बन सके। बिहार का विकास नीतीश कुमार की देन है। बता दें कि सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को राजगीर में एशियाई महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का शुभारंभ किया। इसमें छह देश भारत, मलेशिया, जापान, कोरिया, चीन और थाईलैंड की महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी भाग ले रही हैं। हॉकी इंडिया और बिहार सरकार के जरिए संयुक्त रूप से आयोजित यह टूर्नामेंट 20 नवंबर तक चलेगा। बीते सोमवार को पहले दिन भारत का मुकाबला मलेशिया की टीम से था। भारतीय टीम ने मलेशिया को 4-0 से हरा दिया।

मायावती ने किया यूपीपीएससी अभ्यार्थियों की मांग का समर्थन

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में यूपीपीएससी के अभ्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन को लेकर सियासत में बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की भी एंट्री हो गई है। बसपा सुप्रीमो ने छात्रों की मांगों का समर्थन किया और कहा कि पेपर लीक पर रोक और परीक्षाओं की विश्वसनीयता एक अहम मुद्दा है। सरकार को एक बार में ही परीक्षा व्यवस्था करनी चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने एक्स पर लिखा- उत्तर प्रदेश संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पीसीएस तथा आरओ-एआरओ की भी प्रारंभिक परीक्षा-2024 एक समय में कराने में विफलता को लेकर आक्रोशित छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से उत्पन्न स्थिति की खबर का व्यापक चर्चा में रहना स्वाभाविक

अभ्यार्थियों के विरोध पर बोलीं मायावती

क्या यूपी के पास एक समय में परीक्षा कराने की बुनियादी सुविधाओं का इतना अभाव है कि पीसीएस आदि जैसी विशिष्ट परीक्षा दो दिन में करानी पड़ रही है। पेपर लीक पर रोक व परीक्षाओं की विश्वसनीयता अहम मुद्दा, जिसके लिए एक बार में ही परीक्षा व्यवस्था जरूरी। सरकार इस ओर ध्यान दे। साथ ही, गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि की जबरदस्त मार झेल रहे छात्रों के प्रति सरकार का रवैया क्रूर नहीं बल्कि सहयोग एवं सहानुभूति का होना चाहिए। इसको लेकर सरकार खाली पड़े सभी बैकलाग पर जितनी जल्दी भर्ती की प्रक्रिया पूरी करे उतना बेहतर। लोगों को रोज़ी-रोजगार की सख्त जरूरत है।

'क्या राजनीति गुंडों को करनी चाहिए', भगवा रंग पर खड़गे के बयान से भड़के जगदगुरू रामभद्राचार्य

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सीएम योगी आदित्यनाथ को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर सियासत गरमाई हुई है। इस पूरे विवाद पर जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य का बयान आया है। उन्होंने कहा कि ये कहां लिखा है? कि राजनीति भगवाधारियों को नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवाधारी को ही राजनीति करनी चाहिए। ये रंग भगवान का रंग है। रामभद्राचार्य ने कहा कि कहां लिखा है कि राजनीति गुंडों को करनी चाहिए, राजनीति लफंगों को करनी चाहिए। राजनीति भगवाधारी को ही करनी चाहिए। ये भगवा रंग भगवान का रंग है। इस भगवा को रंग का ध्वज फहराकर शिवाजी ने पूरे महाराष्ट्र को एकजुट किया था। भगवाधारी को ही राजनीति करनी चाहिए। सूट-बूट वाले को राजनीति नहीं करनी चाहिए।

पूर्व मंत्री नारायण यादव का निधन

तेजस्वी यादव ने दुख जताते हुए किया इमोशनल पोस्ट

पटना, 12 नवंबर (एजेंसियां)। आरजेडी के पूर्व मंत्री नारायण यादव के निधन पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार को शोक संवेदना व्यक्त की है। नारायण यादव के निधन की सूचना के बाद आरजेडी के कई नेताओं ने शोक जताया है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर दुख जताते हुए नारायण यादव को कर्मठ, कुशल एक उत्कृष्ट राजनेता बताया है। तेजस्वी यादव ने 'एक्स' लिखा कि 'बिहार सरकार के पूर्व मंत्री, 9 बार के विधायक वरिष्ठ आरजेडी नेता श्रीनारायण यादव के निधन पर संवेदना व्यक्त करता हूं। वे एक कर्मठ, कुशल, प्रतिबद्ध, सामाजिक न्याय व समाजवाद के मूल्यों पर अड़िग उत्कृष्ट राजनेता थे। दुःख की इस घड़ी में पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से उनके समर्थकों, शुभचिंतकों व परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। साथ ही ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं उनका निधन पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। विनम्रता तथा दयाभाव के साथ वे हमेशा समाज की सेवा करते रहे। उनके अच्छे कार्यों के लिए उन्हें सदैव याद रखा जाएगा।' बता दें कि नारायण यादव 9 बार लगातार विधायक रहे। वो बेगूसराय से आरजेडी का नेतृत्व करते रहे। लालू यादव के शासनकाल में वे पहली बार मंत्री बने। राबड़ी देवी के शासनकाल में भी वे मंत्री रहे। नारायण यादव कांग्रेस, बीजेपी, जेडीयू, लोजपा के कैंडिडेट को हराया। एक समय ऐसा था कि कोई भी पार्टी उनके सामने अपना कैंडिडेट नहीं दिया। वहीं, इस घटना से बेगूसराय के साथ-साथ आरजेडी समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई है।

जरा संभलकर! टैटू का शौक कहीं पड़ ना जाए महंगा, गाजियाबाद में 68 महिलाओं को हुआ एड्स

गाजियाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। जिला महिला अस्पताल में डिलिवरी से पहले जांच के दौरान चार सालों में 68 महिलाएं एचआईवी संक्रमित पाई गई हैं। काउंसलिंग के दौरान इनमें से 20 महिलाओं ने बताया कि उन्हें संदेह है कि शरीर में टैटू बनवाने की वजह से उनको संक्रमण हुआ है। इन सभी महिलाओं ने सड़क किनारे टैटू बनाने वालों से टैटू बनवाया था। इसके बाद उनकी तबीयत खराब हुई। जिला अस्पताल की काउंसलर उमा सिंह ने बताया कि हर साल 15 से 20 महिलाएं संक्रमित मिल रही हैं। हालांकि संक्रमित पाई गईं सभी महिलाओं का सुरक्षित प्रसव करवाया गया। टैटू बनवाने से संक्रमण नहीं होता है। एक ही सूई से कई लोगों को टैटू बनाने से एचआईवी होता है।

अगर एक टैटू बनाने के बाद उस सूई का इस्तेमाल दोबारा ना किया जाए तो एचआईवी के संक्रमण से बचा जा सकता है। जिला अस्पताल की पैथालॉजिस्ट डॉ शेफाली अग्रवाल ने बताया कि टैटू बनाने वाले को अलग सूई का इस्तेमाल करना चाहिए। टैटू बनाने में 0.3 प्रतिशत संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। यदि सूई किसी संक्रमित के खून के संपर्क में आई है

खालिस्तानी आतंकी ने राममंदिर को उड़ाने की दी धमकी, अयोध्या में हाई अलर्ट

अयोध्या, 12 नवंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी की राममंदिर को बम से उड़ाने की धमकी के बाद पूरी अयोध्या को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। राममंदिर की सुरक्षा व्यवस्था आम दिनों में भी सख्त रहती है। हर दिन श्रद्धालुओं को सुरक्षा घेरे से होकर ही राममंदिर में प्रवेश दिया जाता है ।अयोध्या जिला प्रशासन ने धमकी के बाद श्रीराम जन्मभूमि परिसर सहित पूरी अयोध्या में हाई अलर्ट कर दिया है। मंगलवार को राममंदिर की सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने पूरे परिसर का बारीकी से निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। आईजी पुलिस प्रवीण कुमार ने कहा कि आतंकी पन्नू ने वीडियो के माध्यम से धमकी दी है। इस तरह के वीडियो बयान पहले भी जारी किए गए हैं। हम सुरक्षा व्यवस्था की एक बार फिर से समीक्षा कर रहे हैं। रामजन्भूमि की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधीक्षक सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने सुरक्षा में लगे अधिकारियों के साथ श्रीराम जन्मभूमि परिसर, मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने राममंदिर दर्शन मार्ग समेत प्रमुख स्थलों की जांच की। बाद में उन्होंने दावा किया कि रामजन्भूमि परिसर की सुरक्षा पहले से ही अभेद्य है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का अयोध्या के राममंदिर को बम से उड़ाने की धमकी देने का एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में आतंकी पन्नू ने 16 और 17 नवंबर को राममंदिर में हिंसा की योजना बनाई है और इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी की प्रार्थना करते हुए तस्वीरें भी दिखाई है। पन्नू ने यह धमकी कनाडा के ब्रैम्पटन से रिकॉर्ड की थी। वीडियो के जारिए मिली धमकी के बाद पूरी अयोध्या को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

घर के लिए मिट्टी लेने पहुंची थीं महिलाएं, अचानक ढह गया टीला, दब गईं एक दर्जन महिलाएं 4 की मौत

कासगंज, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में मिट्टी खोदते समय मिट्टी के टीले के नीचे एक दर्जन महिलाएं दबी। वहीं, इस पूरे हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और जिला प्रशासन की टीम ने राहत बचाव का काम शुरू किया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूरी घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहनपुरा की है। मोहनपुरा के नजदीक नेशनल हाईवे 530 का निर्माण हो रहा है। निर्माण के दौरान खुदाई करके मिट्टी निकाली जा रही थी। इसी मिट्टी को लेने के लिए मंगलवार की सुबह महिलाएं हाईवे किनारे पहुंची थी। महिलाएं मिट्टी भर ही रही थी कि अचानक से एक मिट्टी का टीला उन पर खिसक गया और करीब एक दर्जन से अधिक महिलाएं उसके नीचे दब गई। घटना की जानकारी होते ही मौके पर भारी पुलिस बल पहुंची। वहीं बाद में मौके पर जिला के कई वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचे।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने जेसीबी की मदद से राहत बचाव का काम पूरा किया। इस पूरे हादसे में एक बच्ची समेत 4 लोगों की मौत हुई है, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। घटना को लेकर सीएम योगी ने दुख जताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। सीएम योगी ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

सर्राफ ने पत्नी और 3 बच्चों को जहर देकर उतारा मौत के घाट, आखिर क्यों?

रेखा वर्मा, मृतक पत्नी

भव्या, मृतक बड़ी बेटी

काव्या, मृतक छोटी बेटी

अभिष्ट, मृतक बेटा

इटावा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के कोतवाली क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। इटावा के लालपुरा इलाके में एक सर्राफा कारीगर ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों को जहर देकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद वह खुद आत्महत्या करने के इरादे से रेलवे ट्रैक पर पहुंच गया। हालांकि, समय रहते पुलिस ने उसे पकड़ लिया, जिससे उसकी जान बच गई। इस घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है और स्थानीय लोग इस घटना से सदमे में हैं।

घटना का विवरण: चार लोगों की मौत से मचा हड़कंप

मृतकों की पहचान मुकेश वर्मा की पत्नी रेखा (उम्र 45 वर्ष), बड़ी बेटी भाव्या (उम्र 18 वर्ष), छोटी बेटी काव्या (उम्र 16 वर्ष), और बेटे 11 वर्षीय के रूप में हुई है। घटना के बाद मुकेश वर्मा ने अपने घर के दरवाजे बंद कर दिए और खुद आत्महत्या करने के लिए रेलवे स्टेशन की ओर निकल पड़ा। मगर पुलिस ने उसे रेलवे स्टेशन से पकड़ लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, मृतकों के गले पर निशान पाए गए हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि मौत से पहले किसी तरह की हिंसा हो सकती है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं और जांच जारी है।

पारिवारिक विवाद या जमीन जायदाद की समस्या?

मृतक महिला के बड़े भाई सत्येंद्र सोनी ने बताया कि इस पूरे मामले का सही खुलासा केवल मुकेश वर्मा ही कर सकता है। उनका कहना है कि परिवार में किसी तरह का कोई बड़ा विवाद नहीं था। मुकेश वर्मा की पहली पत्नी की मृत्यु के बाद उसने दूसरी शादी की थी और इस परिवार में एक बच्चा उसकी पहली शादी का भी था। सत्येंद्र सोनी ने संदेह जताया कि हो सकता है कि यह घटना ज़मीन-जायदाद के विवाद का नतीजा हो।

एसएसपी का बयान- आत्महत्या के पीछे घरेलू विवाद

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार वर्मा ने मीडिया को बताया कि प्राथमिक जांच के अनुसार, मुकेश वर्मा घरेलू समस्याओं से परेशान था। उसने अपने परिवार के साथ मिलकर यह खतरनाक कदम उठाने का निर्णय लिया। पूछताछ के दौरान मुकेश ने खुलासा किया कि उसने मानसिक तनाव के कारण यह कदम उठाया। एसएसपी ने आगे बताया कि फॉरेंसिक टीम और वैज्ञानिक विशेषज्ञों द्वारा घटनास्थल का मुआयना किया जा रहा है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह मामला केवल आत्महत्या का है या इसके पीछे कोई और गहरी साजिश छिपी हुई है।

कैमरे में कैद हुई बयानबाजी

मृतक बच्चों के मामा सत्येंद्र सोनी ने बयान देते हुए कहा, इस घटना का खुलासा हमारा बहनोई मुकेश वर्मा ही कर सकता है। उसने ऐसा क्यों किया, यह वही जानता है। परिवार में कोई बड़ा विवाद नहीं था, लेकिन जमीन-जायदाद का मसला हो सकता है। वहीं, एसएसपी संजय कुमार का कहना है, मुकेश वर्मा घरेलू विवादों से परेशान था। परिवार के साथ मिलकर उसने यह घातक कदम उठाया। पूछताछ और जांच के बाद ही असली वजह का पता चलेगा।

फॉरेंसिक टीम जुटी जांच में, मामले की होगी गहन पड़ताल

फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत एकत्र किए हैं, जिससे यह पता लगाया जा सके कि आखिरकार इस घटना के पीछे की असली वजह क्या है। पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है और जल्द ही पूरी सच्चाई सामने लाने का दावा कर रही है।

कुंदरकी में पुलिसवालों से भिड़ गए चंद्रशेखर आजाद, बहस का वीडियो वायरल

नगीना, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश उपचुनाव को लेकर घमासान तेज हैं। इस बीच नगीना लोकसभा सीट से सांसद और आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वो कुछ पुलिस वालों के साथ बहस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये वीडियो मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट का है। जिसमें नगीना सांसद पुलिसवालों के हाथ में वोटरलिस्ट देखकर भड़कते हुए दिखाई देते है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि चंद्रशेखर आजाद पुलिस की टीम को देखते ही उनके पास पहुंच गए। जिसके बाद उन्होंने कहा कि मेरे पास सूचना है कि आप कुछ लोगों के आधार कार्ड इकट्ठा कर रहे हैं, आप ऐसा क्यों कर रहे हैं। इस पर पुलिसवालों ने साफ इनकार किया और कहा कि आपके पास गलत सूचना है हम आधार कार्ड क्यों इकट्ठा करेंगे, हमें जरुरत ही नहीं है।

पुलिसवालों से भिड़े चंद्रशेखर

इस बीच चंद्रशेखर की नजर एक पुलिस वाले के हाथ में कुछ पेपरों पर पड़ती है जिसके बाद उन्होंने पूछा कि इन पेपरों में क्या है। आप ये वोटर लिस्ट क्यों लेकर घूम रहे हो। इसे लेकर यहां घूमने का क्या मतलब है। यहां कौन सी कानून व्यवस्था खराब हो रही है। इस पर पुलिसवालों ने सफाई दी कि ये हमारा क्षेत्र हैं। निगरानी तो रखनी है पड़ती है। हम यहां रूटीन काम के लिए आए हैं। चंद्रशेखर ने इसके बाद पुलिस से इलाके में निष्पक्ष चुनाव कराने की अपील की। पुलिस वाले भी उन्हें आश्वस्त करते नजर आए हैं कि यहां हर व्यक्ति सुरक्षित हैं जिसे जहां वोट करना है वो वहां वोट करे। बता दें कि कुंदरकी सीट से आज़ाद समाज पार्टी ने चांद बाबू को चुनाव मैदान में उतारा है।

इससे पहले चंद्रशेखर ने उनके समर्थन में एक चुनावी जनसभा को भी संबोधित किया था, जिसमें वो लोगों से ये कहते नज़र आए कि अगर वो चांदबाबू को चुनाव जिताकर भेजेंगे तो वो सरकार से उनके नाइंसाफी का जवाब लेंगे। कुंदरकी सीट पर सपा ने हाजी मोहम्मद रिजवान को अपना प्रत्याशी घोषित किया है जबकि बीजेपी की ओर से रामवीर सिंह ठाकुर मैदान में हैं।

'अखिलेश यादव ने अपनी दंगाई सोच पर लगाई मुहर,' मंत्री सोमेंद्र तोमर का एसपी पर बड़ा हमला

मीरापुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। विधानसभा उपचुनाव में सियासी रण कौन जीतेगा इसको लेकर भले ही तस्वीर साफ ना हो, लेकिन हां जुबानी जंग जरूर तेज हो गई। समाजवादी पार्टी बीजेपी के नेता और हमलावर हो गए हैं। यूपी के ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर ने पूर्व संसद कादिर राणा और सपा प्रत्याशी सुम्बुल राणा के टिकट को लेकर अखिलेश यादव को फिर घेरा और बड़ी बात कह डाली। यूपी के ऊर्जा राज्य मंत्री डॉक्टर सोमेंद्र तोमर के निशाने पर अखिलेश यादव और सपा आ गई। बोले, जिसने मुजफ्फरनगर दंगे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके घर हथियारों का जखीरा मिला, उसके परिवार के सदस्य को टिकट देकर अखिलेश यादव ने अपनी दंगाई सोच पर मुहर लगा दी। उनका इशारा पूर्व सांसद कादिर राणा और उनकी पुत्रवधु सुम्बुल राणा की तरफ था। क्योंकि सपा ने सुम्बुल राणा को मीरापुर की रणभूमि में उतारा है। हालांकि मंत्री सोमेंद्र तोमर ने दोनों का ही नाम लेने से गुरेज किया।

बहुजन समाज पार्टी से पूर्व राज्यसभा सांसद मुनकाद अली के बेटे के वलीमा में जाने पर पार्टी से तीन नेताओं को बाहर कर दिया। इनमें पूर्व मंडल प्रभारी प्रशांत गौतम, महावीर प्रधान और दिनेश काजीपुर शामिल हैं। हालांकि बसपा जिलाध्यक्ष मोहित कुमार ने अनुशासनहीनता पर तीनों के निष्कासन का पत्र जारी किया था। इस पर जब ऊर्जा राज्य मंत्री डॉक्टर सोमेंद्र तोमर से बात की गई तो कहने लगे ये कार्रवाई उचित नहीं है, राजनीतिक लोग और सामाजिक लोगों का दायरा बड़ा होता है, उन्हें एक दूसरे के यहां जाना होता है। इसे किसी दल से जोड़ना गलत हैं।

प्रॉपर्टी कारोबारी से माफिया और गैंग लीडर बने राजीव राना, आठ गैंगस्टरों के गैंग में 65 अपराधी रजिस्टर्ड

बरेली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पीलीभीत बाइपास पर फायरिंग मामले के मुख्य आरोपी राजीव राना प्रॉपर्टी कारोबारी से भू माफिया और अब गैंगस्टर हो गए हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने राजीव राणा को सरगना बनाते हुए 33 अपराधियों का गैंग रजिस्टर्ड कर दिया है। इसके अलावा सात अन्य गिरोहों को भी सूचीबद्ध किया है, जिनमें कुल 57 सदस्यों सहित 65 अपराधियों को रजिस्टर्ड किया गया है।

मुख्य आरोपी राजीव राना का भूमाफिया गैंग भी 33 सक्रिय सदस्यों सहित पंजीकृत किया गया है, जिनमें केपी यादव और ललित सक्सेना जैसे सदस्य शामिल हैं। एसएसपी ने फायरिंग प्रकरण और अन्य कई घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई करते हुए कुल आठ गिरोहों का पंजीकरण किया है। हथियार तस्करी के मामले में लालाराम, निवासी मुड़िया हाफिज थाना भोजीपुरा, और उसके दो सहयोगियों का गिरोह भी पंजीकृत किया गया है। मुख्य आरोपी राजीव राना के गिरोह को पंजीकृत करने के बाद पुलिस अब आदित्य उपाध्याय और उसके गुट पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। आदित्य के गैंग को भी अलग से पंजीकृत कर, उसके खिलाफ जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अन्य गिरोहों का पंजीकरण

शराब तस्करी से जुड़े सचिन उर्फ सज्जन, निवासी मोहल्ला कुंवरगंज थाना तिलहर, शाहजहांपुर का गिरोह भी सूचीबद्ध किया गया है। इसके अतिरिक्त पशु तस्करी और गोकशी करने वाले शाकिर कुरैशी, अफजाल उर्फ छोटे, इमरान उर्फ झम्मन, और अकरम के गिरोह भी पंजीकृत किए गए हैं, जिनमें क्रमशः 11, 4, 4, और 6 सदस्य शामिल हैं। लूटपाट से जुड़े रजत उर्फ गुलचम के गिरोह को भी 2 अन्य सदस्यों के साथ सूचीबद्ध किया गया है।

गिरोहों पर विशेष निगरानी और संपत्ति जब्तीकरण

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि गिरोहों का पंजीकरण होने के बाद सभी सरगनाओं और सदस्यों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। इनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी और अवैध तरीके से अर्जित की गई संपत्तियों का भी चिह्नांकन किया जाएगा। प्रशासन की मदद से इन संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। करोड़ों की काली कमाई को नीलाम किया जाएगा। धन को सरकारी खजाने में जमा कराया जाएगा।

पत्नी हो गई तीसरी बार प्रेग्नेंट, पति को भनक तक नहीं लगी, राज खुला तो पकड़ लिया माथा

महराजगंज, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के महराजगंज से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। जिले के पनियरा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक शख्स की पत्नी जब तीसरी बार प्रेग्नेंट हुई तो वो एकदम हैरान रह गया। हालांकि शख्स की पत्नी ने पहले जब दो बच्चों को जन्म दिया था तो वह बहुत खुश था, लेकिन इस बार वह एकदम हैरान रह गया। इसके बाद जब पति ने पत्नी से इस बात की सच्चाई पूछी तो उसके पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। रिपोर्ट के मुताबिक पनियरा थाना क्षेत्र के एक गांव में पति-पत्नी बहुत प्यार से रहते थे। दोनों के दो बच्चे भी थी, लेकिन जब युवक की पत्नी तीसरी बार प्रेग्नेंट हुई तो उसे शक हुआ और वो एकदम चौंक गया। इसके बाद जब पति ने पत्नी से इस बारे में पूछा तो उसने बताया कि उसका गांव में रहने वाले एक युवक के साथ अफेयर चल रहा है। पत्नी ने पति को बताया कि दोनों के बीच 5 सालों से अवैध संबंध चल रहा था। इसके अलावा पत्नी ने बताया कि जिन दो बच्चों को शख्स अपना बच्चा मान रहा था, वो बच्चे भी उसके नहीं बल्कि उसके प्रेमी के हैं। पत्नी ने पति को बताया कि वह दोनों चोरी-छिपे मिलते थे। महिला ने कहा कि इसी बीच वह दो बच्चों की मां भी बन गई और पति उसे अपना बच्चा समझकर अपनाता गया। हालांकि महिला जब तीसरी बार प्रेग्नेंट हुई तो युवक को शक हो गया। इसके बाद पूछताछ में उसे चौंकाने वाली जानकारी मिली तो उसने महिला के खिलाफ कदम उठाया। महिला की सच्चाई जानकर शख्स ने उसे और उसके बच्चों को घर से निकाल दिया। इसके बाद वह अपने प्रेमी के घर पहुंची, लेकिन प्रेमी ने उसे अपनाने से मना कर दिया। ऐसे में महिला गांव की पंचायत के पास गई, जहां ग्रामीणों ने दबाव बनाया तो प्रेमी को झुकना पड़ा और वह घर में रखने को मजबूर होना पड़ा।

बीजेपी के चुनाव प्रचार से साफ है कि वे बौखलाए और डरे हुए हैं

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों के साथ ही देश भर में 14 राज्यों की 48 विधानसभा सीटों और दो राज्यों की दो लोकसभा सीटों पर भी उपचुनाव को लेकर इस दिनों देश की सियासी सरगर्मी बढ़ी हुई है। ऐसे में एक बार फिर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार पर हमला बोला। सबसे पुरानी पार्टी का कहना है कि यह लोग बौखलाई और डरे हुए हैं। झारखंड और महाराष्ट्र चुनाव में हुए प्रचार को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रभारी संचार जयराम रमेश ने निशाना साधा। कहा, 'झारखंड में भाजपा में हमारे नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और अन्य लोगों का चुनाव प्रचार स्पष्ट रूप से दिखाता है कि वे बौखलाए और डरे हुए हैं। वे 2024 के चुनाव के नतीजों से उबर नहीं पाए हैं। पीएम मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ और असम के सीएम का एकमात्र एजेंडा सामाजिक ध्रुवीकरण है। बड़े पैमाने पर ध्रुवीकरण। शत्रुता फैलाओ, सांप्रदायिक तनाव फैलाओ और सांप्रदायिक जहर फैलाओ। उनके पास ध्रुवीकरण के अलावा कोई एजेंडा नहीं है।'

'भाजपा को सिर्फ ध्रुवीकरण करना आता'

उन्होंने आगे कहा, 'महाराष्ट्र में कांग्रेस, एनसीपी-एससीपी, शिवसेना (यूबीटी) के महा विकास अघाड़ी ने किसानों, महिलाओं, युवाओं, सामाजिक न्याय के मुद्दों पर प्रचार किया है। मगर वे महाराष्ट्र में ध्रुवीकरण करते हैं। झारखंड में जाइए हम, झामुमो और कांग्रेस किस बात के लिए प्रचार कर रहे हैं। पांच साल में हमारा काम, अगले पांच साल के लिए हमारा रोडमैप, आदिवासियों, एससी, एसटी, ओबीसी के लिए काम, समाज के हर तबके के लिए काम, जंगल और जंगल के मुद्दे। ये हमारे मुद्दे हैं। लेकिन झारखंड में भी भाजपा का एकमात्र एजेंडा ध्रुवीकरण है। इससे साफ पता चलता है कि भाजपा बौखलाई और डरी हुई है। मैं पीएम को बताना चाहूंगा कि जब आप जनगणना करेंगे, तभी आप आगे बढ़ पाएंगे। सामाजिक न्याय का आधार क्या है? जनगणना। वे जनगणना से पीछे क्यों हट रहे हैं?। यदि आप जाति सर्वेक्षण, जाति जनगणना नहीं करेंगे तो आप सामाजिक न्याय कैसे लाएंगे?।'

सांप्रदायिक जहर फैलाने की कोशिश करते हैं: रमेश

भाजपा के 'बटेंगे तो कटेंगे' और 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' नारों पर रमेश ने कहा, 'उनका सिर्फ एक एजेंडा है। 2024 के चुनावों में उन्होंने क्या किया? मंगलसूत्र, भैंस, उन्होंने क्या नहीं कहा। वे सिर्फ एक ही बात जानते हैं। जब चुनाव आते हैं और चुनाव प्रचार शुरू होता है, तो वे केवल ध्रुवीकरण करना जानते हैं। वे बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक जहर फैलाने की कोशिश करते हैं। कथा सामाजिक मुद्दों या किसानों, महिलाओं, युवाओं, एससी, एसटी और ओबीसी के मुद्दों के बारे में नहीं है, बल्कि केवल सामाजिक ध्रुवीकरण के बारे में है। इसलिए यही उनका एकमात्र एजेंडा है।'

बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर बोले कांग्रेस नेता

झारखंड में भाजपा द्वारा उठाए गए बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर कांग्रेस नेता ने कहा, 'इसे मुद्दा बनाया जा रहा है। वे 'जल, जमीन, जंगल' के बारे में क्यों नहीं बोलते? पांच साल में हमारी सरकार की उपलब्धि रही उसकी आलोचना करें। संख्याओं के बारे में बात करें। अगर आप सत्ता में आते हैं तो आप क्या करेंगे? उन्हें जनादेश नहीं मिलेगा, यह साफ है। महाराष्ट्र और झारखंड में लोग सांप्रदायिक जहर फैलने की राजनीति को खारिज कर देंगे।' उन्होंने कहा, 'हमें विश्वास है कि जनता हमारा समर्थन करेगी। सांप्रदायिक जहर फैलाने में व्यस्त भाजपा, खासकर पीएम, अमित शाह, यूपी के सीएम और असम के सीएम का नकारात्मक राजनीतिक प्रचार जनता द्वारा खारिज कर दिया जाएगा। हमें विश्वास है कि महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी और झारखंड में झामुमो-कांग्रेस के गठबंधन को स्पष्ट और निर्णायक जनादेश मिलेगा।'

सभी राज्यों में विकास लाएं

लोकसभा चुनाव में नेता राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग के रुख पर कांग्रेस महासचिव ने कहा, 'वे किस बारे में शिकायत कर रहे हैं? राहुल गांधी ने क्या कहा है? सभी ने यह कहा है। समाचार पत्रों में यह छपा है कि महाराष्ट्र आने वाली कई परियोजनाओं और निवेशों को प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात स्थानांतरित कर दिया गया है। हमने यही कहा है कि आपने महाराष्ट्र के साथ भेदभाव किया है। आप सबका साथ, सबका विकास की बात करते हैं। इसलिए सभी राज्यों में विकास लाएं।'

मोतीनगर डकैती मामले में किया बड़ा खुलासा आरोपी निकला पीड़ित का 'कुक'

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की पश्चिमी जिला टीम ने मोती नगर में हुई डकैती के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान पंकज कुमार, राकेश, राजेंद्र प्रसाद और श्याम बाबू के रूप में हुई है। ये सभी यूपी के गोंडा जिले के रहने वाले हैं। इनके पास से पुलिस ने सोने की दो चूड़ियां, दो अंगूठी और डकैती की रकम से 50 हजार रुपये कैश बरामद हुए हैं। पश्चिमी दिल्ली के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि 28 अक्टूबर 2024 को लगभग 7 बजकर 30 मिनट पर मोती नगर थाने में डकैती की शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि 7 से 8 लोग उनके घर में घुसकर 11 लाख रुपये और कुछ ज्वेलरी लूट ले गए। इस दौरान फायरिंग भी हुई थी। शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की गई। इस मामले की जां के लिए पश्चिमी जिला पुलिस की ऑपरेशन टीम और मोती नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीमों का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी निगरानी और मैनुअल इंटेलिजेंस के आधार पर आरोपियों की पहचान की और श्याम बाबू को सबसे पहले गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद अन्य आरोपियों की पहचान हुई। पूछताछ में पता चला कि सभी आरोपी उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले से हैं और दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर कुक और डॉमेस्टिक हेल्पर के रूप में काम करते हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक पंकज कुमार जो पहले शिकायतकर्ता के घर में कुक था, ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर इस वारदात की साजिश रची थी। उसने डेढ़ साल तक शिकायतकर्ता के घर में काम किया था। उसे पता था कि त्योहार के समय उनके घर में काफी कैश और ज्वेलरी होती है। खुले घर में काफी लोगों की आवाजाही भी रहती है, जिससे वे लोग आसानी से लूट की वारदात को अंजाम दिया जा सकता है।

'एक्ट्रेस के साथ मिलेगा अकेले में रात गुजारने का मौका' लोगों को लालच देकर ऐंठ रहा था पैसे, ऐसे खुली पोल

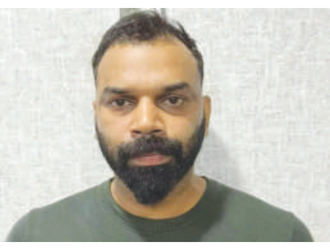

कोच्चि, 12 नवंबर (एजेंसियां)। केरल से एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। इलाके में पुलिस ने विदेशी मलयाली लोगों को 'एक्ट्रेस के साथ रात गुजारने का झांसा देकर पैसे ऐंठने वाले युवक का भंडाफोड़ किया है। कोच्चि साइबर पुलिस ने कोल्लम के मूल निवासी और एर्नाकुलम के एलमकारा निवासी और कदवंतरा में संचालित ला नेल फर्म के मालिक श्याम मोहन को गिरफ्तार किया है।। कोच्चि सिटी पुलिस कमिश्नर के पास दो अभिनेत्रियों ने इसकी शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने ये कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि श्याम मोहन मशहूर फिल्म अभिनेत्रियों की तस्वीरें दिखाकर पैसे ऐंठता था। पुलिस को जांच में पता चला कि आरोपी गल्फ मलयाली सोशल मीडिया ग्रुप्स में सक्रिय है। वह सोशल मीडिया के जरिए एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर विज्ञापन देकर ठगी करता था। पुलिस के मुताबिक, जिन लोगों की नजर इस विज्ञापन पर पड़ी, उन्होंने श्याम मोहन को फोन करके और अपनी रुचि भी जाहिर की। पुलिस ने बताया कि आरोपी सोशल मीडिया ग्रुप पर पहले एक्ट्रेस की फोटो और उनके विदेश में होने वाले कार्यक्रम की लिस्ट डालता था। इसके बाद वो विदेशी मलयाली लोगों को विश्वास दिलाया जाता था कि उन्हें उन दिनों अभिनेत्रियों के साथ रात में समय बिताने का मौका दिया जाएगा। ऐसे में लोग आसानी से उसकी बातों में आ जाते थे और वह उनसे पैसे ऐंठता था। इस बात की जानकारी जब एक्ट्रेस को मिली तो उन्होंने पुलिस में शिकायत करवाई, जिसके बाद जांच में आरोपी के बारे में पता चला। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने कई अभिनेत्रियों के नाम पर लोगों से लाखों की ठगी की है। इसके अलावा साइबर पुलिस ने इस घटना से मिलते-जुलते मामले में पलक्कड़ अट्टापडी से एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

उद्धव ठाकरे को लगा बड़ा झटका

40 साल पुराने साथी विजय ने छोड़ा साथ, कहा- पार्टी में चल रही गंदी राजनीति

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब आठ दिन बचे हैं। इसलिए प्रदेश भर में बड़े नेताओं की प्रचार सभाएं हो रही हैं। दिन-रात प्रचार किया जा रहा है। शिवसेना यूबीटी नेता उद्धव ठाकरे पूरे राज्य में दौरा कर रहे हैं, लेकिन कल्याण से उन्हें बहुत बड़ा धक्का लगा है। कल्याण पश्चिम विधानसभा में शिवसेना ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा है। कल्याण में ठाकरे गुट के उपनेता विजय उर्फ बंढ्या साल्वी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बंढ्या साल्वी ने शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव बालासाहेब ठाकरे को एक पत्र भेजा है। उस पत्र में उन्होंने इस्तीफा देने के फैसले की घोषणा की है। बंढ्या साल्वी ने कहा है कि वह पार्टी में चल रही गंदी राजनीति के कारण इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि कल्याण पश्चिम विधानसभा में सचिन बसरे को टिकट देते समय उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया। चुनाव की गहमागहमी के बीच विजय साल्वी के इस्तीफे से उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका लगा है।

पत्र से मचा बवाल

विजय साल्वी ने उद्धव ठाकरे को लिखे पत्र में कहा है कि वह पार्टी के प्रति वफादार रहे। इसके बाद अपने मुझे जिला प्रमुख और उप प्रमुख का पद भी दिया गया, लेकिन उन्होंने बिना किसी कारण अचानक उनसे जिला प्रमुख पद वापस ले लिया। साथ ही पार्टी संगठन में पद देते समय भी उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया। कल्याण पश्चिम से सचिन बसरे को उम्मीदवार बनाते समय शिवसेना नेता विनायक राऊत ने उनसे झूठ बोला। साल्वी ने पत्र में कहा है कि वह इन सभी अपमानों से दुखी हैं।

40 साल से शिवसेना का वफादार हूं

साल्वी ने कहा कि शिव सेना में विद्रोह के बाद उन्हें एकनाथ शिंदे से जुड़ने का लालच दिया गया। इसके बाद उन पर दबाव डाला गया और पुलिस बल का भी प्रयोग किया गया। उन्हें बर्खास्तगी का नोटिस तक दिया गया। इसके बाद भी उन्होंने उद्धव ठाकरे का साथ नहीं छोड़ा। वह पिछले 40 साल से शिवसेना में हैं। 40 साल की पार्टी सेवा के बाद, उन्होंने स्थानीय राजनीति के कारण पार्टी छोड़ने का फैसला किया। इससे हड़कंप मच गया है। उनके इस्तीफे को ठाकरे गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

फीस और फर्जी पुस्तकों के मामले में पेश करें स्टेटस रिपोर्ट, हाईकोर्ट का प्रशासन को आदेश

जबलपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। प्रशासन द्वारा मनमानी फीस वसूली और फर्जी पुस्तकों को पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने की जांच में सख्त कार्रवाई न किए जाने के मामले में आधा दर्जन निजी स्कूल प्रबंधनों ने जबलपुर हाईकोर्ट का रुख किया। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष शासन की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई। युगलपीठ ने रिपोर्ट को संतोषजनक नहीं पाया और एक नई स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता रॉयल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लिटिल किंगडम, स्मॉल वंडर्स, नचिकेता हायर सेकेंडरी स्कूल, स्टेम फील्ड इंटरनेशनल सहित अन्य निजी स्कूल प्रबंधनों की ओर से दायर अपील में कहा गया है कि मनमानी फीस वृद्धि और फर्जी पुस्तकों को पाठ्यक्रम में शामिल करने की जांच जबलपुर जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। पूर्व में कई स्कूल प्रबंधनों के खिलाफ मामले दर्ज कर प्राधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। स्कूल प्रबंधन जांच में सहयोग करने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें आशंका है कि दीवाली अवकाश के दौरान प्रशासन उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकता है। युगलपीठ ने याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के दौरान आरोपी स्कूल संचालकों और स्टाफ के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई न करने के आदेश दिए थे। युगलपीठ ने याचिकाकर्ता स्कूल प्रबंधन को निर्देशित किया है कि वे जिला समिति की जांच में पूरा सहयोग करें और अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत करें। साथ ही युगलपीठ ने जिला प्रशासन से कार्रवाई के संबंध में जवाब मांगा था। प्रशासन की रिपोर्ट को संतोषजनक न पाते हुए युगलपीठ ने उक्त आदेश जारी किए। याचिका पर अगली सुनवाई 13 नवंबर को होगी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अंशुमान सिंह ने पैरवी की।

शादी में खोया-पनीर का अइटम खाया बिगड़ने लगी लोगों की तबीयत; 100 से ज्यादा हुए बीमार

शिवपुरी, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में शादी की दावत खाने के बाद सैकड़ों लोग बीमार हो गए हैं। बीमार लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां सभी में एक जैसे लक्षण पाए गए हैं। बीमार हुए सभी लोग मुस्लिम परिवार के यहां शादी की दावत खाने के लिए आए थे। घटना के बाद लोगों ने खाने में मिलावटी पनीर या मिलावटी खोया होने की वजह से बीमार होने का शक जताया है। पूरे मामले को लेकर जिला चिकित्सा ने जांच के आदेश दिए है। पुरानी शिवपुरी के रहने वाले अतीक शिवानी की बेटी की शादी शनिवार को होटल उदय विलास में आयोजित हुई थी। इस शादी में पड़ोसी मेहमानों से लेकर रिश्तेदार भी शामिल हुए थे। इस शादी में शिवपुरी ही नहीं करैरा, झांसी सहित बाहर के मेहमानों ने भी शिरकत की थी। लेकिन रविवार की सुबह से जिन लोगों ने इस शादी में शनिवार को खाना खाया था, उसमें से 100 से ज्यादा लोग की तबियत बिगड़ना शुरू हो गई थी।

शादी का खाना खाने से बीमार हुए 100 से ज्यादा लोग

लोगों को पहले इस बात का पता नहीं चला, लेकिन धीरे-धीरे शादी में खाना खाने वाले लोगों के बीमार होने की जानकारी एक-दूसरे से होते ही सभी लोगों को पता चल गया कि सभी लोग शादी की खाना खाने से बीमार हुए हैं। बीमार हुए सभी लोगों में उल्टी, दस्त और बुखार के लक्षण पाए गए हैं। प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा रहे तबरेज कुरैशी ने बताया कि शादी समारोह में खाना खाने के बाद हमारे रिश्तेदारों का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ने लगा था।

मिलावटी खाने से बीमार हुए लोग

शिवपुरी ही नहीं झांसी, करैरा अन्य स्थानों से आकर शादी में शामिल हुए मेहमानों के भी बीमार होने की खबर मिली हैं। वह सभी भी अपना इलाज करा रहे हैं। करीब 100 से अधिक लोग बीमार हुए हैं। तबरेज कुरैशी का कहना है कि खाने में मिलावटी पनीर और मिलावटी खोया का इस्तेमाल किया है, जिससे हम सभी लोग बीमार हुए हैं। इस पूरे मामले में जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय ऋषेश्वर का कहना हैं कि मामले की जल्द ही जांच पड़ताल की जाएगी।

इंदौर में नाबालिग लड़की के साथ पड़ोसी ने किया रेप,डिलेवरी होने पर पता चला

इंदौर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर में एक नाबालिग लड़की के साथ उसके पड़ोसी ने रेप किया। नाबालिग गर्भवती हो गई और चार दिन पहले उसने एक शिशु को जन्म दिया। बेटी की मां की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी शादी का झांसा देकर रेप करता था। मां जब काम पर जाती थी, तब आरोपी अकेला पाकर किशोरी के साथ शारीरिक संबंध बनाता था। इसके बाद किशोरी गर्भवती हो गई, लेकिन उसे पता नहीं चला। पेट दर्द होने की शिकायत के बाद जब मां उसे डाक्टर के पास ले गई तो गर्भवती होने का पता चला। तब तक बच्चे का गर्भपात भी संभव नहीं था। इस कारण उसकी डिलेवरी करना पड़ी। नाबालिग ने एक बेटे को जन्म दिया है। इसके बाद किशोरी की मां ने लसूड़िया थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने किशोरी के बयान लिए तो उनसे बताया कि पड़ोस में रहने वाला युवक अक्सर उससे मिलने आता था। वह शादी करने का झांसा देकर बार-बार रेप करता था। डर के कारण किशोरी ने तब कुछ नहीं बताया, लेकिन गर्भवती होने के बाद परिजनों को उसने बात बताई।

गाजियाबाद के कोयो होटल में देह व्यापार का भंडाभोड़ चार लड़कियां बरामद; मौके से मिला आपत्तिजनक सामान

मोदीनगर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। निवाड़ी पुलिस ने दिल्ली-मेरठ मार्ग पर कोयो होटल में छापेमारी कर देह व्यापार बंद करा दिया। वहां से पुलिस ने एक युवक व होटल मैनेजर को गिरफ्तार किया है। चार महिलाओं से पूछताछ कर उन्हें स्वजन को सुपुर्द कर दिया गया। मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई है। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय की शिकायत पर निवाड़ी थाने में केस दर्ज कराया गया है। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर खिंदौड़ा गांव के कार्तिक चौधरी का कोयो होटल है। यहां मैनेजर खिंदौड़ा गांव का ही शिवम कुमार है। पुलिस को सूचना मिली थी यहां देह व्यापार चल रहा है। एसीपी मोदीनगर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां चार महिलाएं व एक युवक था। पुलिस ने उनसे पूछताछ की तो सारी स्थिति सामने आई। पिछले एक महीने से यहां देह व्यापार चल रहा था। बिना आधार कार्ड व अन्य आईडी के कमरे किराये पर दिये जा रहे थे। मोबाइल पर ही महिलाओं के फोटो भेजे जाते थे। एसीपी ने बताया कि आरोपित शिवम कुमार व एक युवक को हिरासत में ले लिया है। मालिक की तलाश की पुलिस दबिश दे रही है। उधर, एक कॉलोनी में मनचले के डर से किशोरी ने स्कूल और ट्यूशन जाना छोड़ दिया। आरोपित काफी समय से किशोरी को तंग कर रहा है। जबरन मोबाइल पर अश्लील मैसेज और फोटो भेजता है। दोस्ती करने का दबाव बनाता है। पिछले दिनों किशोरी ने अपना मोबाइल भी तोड़ दिया था। स्वजन को आरोपित की करतूत सुनाई। केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। एक कॉलोनी का एक व्यक्ति निजी कंपनी में नौकरी करता है। उनकी बेटी एक स्कूल में पढ़ाई करती है। एक आरोपित किशोरी को कई दिनों से तंग कर रहा है। आरोपित ने किशोरी से दोस्ती का दबाव भी बनाया। किशोरी ने परेशान होकर उसे ब्लॉक कर दिया। फिर भी आरोपित फर्जी आईडी बनाकर तंग करने लगा। रास्ते में पीछा करने लगा। काफी समय तक ऐसा ही चला तो किशोरी ने परेशान होकर स्वजन को सारी बातें बताईं। पिता ने शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

कॉलोनी से किशोरी लापता, केस दर्ज

मोदीनगर की एक कॉलोनी से किशोरी रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। स्वजन ने अनहोनी की आशंका जताते हुए मोदीनगर थाने में केस दर्ज कराया है। एक कालोनी के व्यक्ति निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। उनकी बेटी एक स्कूल की छात्रा हैं। वह रविवार को बाजार से सामान लेने गई थी, लेकिन घर नहीं लौटी। स्वजन ने आसपास में पता किया। रिश्तेदारी में भी पूछा। लेकिन कहीं से भी कोई सुराग नहीं लगा। परेशान आकर स्वजन ने थाने में शिकायत दी। पुलिस अपहरण की धारा में केस दर्ज कर किशोरी की तलाश में जुट गई है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी की सांसद कंगन रनौत की बढ़ी मुश्किलें, आगरा की कोर्ट ने जारी किया नोटिस

आगरा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी सीट से बीजेपी सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत की मुश्किलें बढ़ गई हैं. किसान आंदोलन और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर दिए गए बयान के मामले में आगरा की जिला एवं सत्र न्यायलय की तरफ से कंगना रनौत को नोटिस जारी करने का आदेश दिया गया है. कोर्ट ने नोटिस के माध्यम से कंगना रनौत जवाब मांगा है. अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने किसान आंदोलन और महात्मा गांधी को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में आगरा कोर्ट में कंगना रनौत के खिलाफ वाद दाखिल किया था. इस मामले में मंगलवार को सुनवाई हुई, जिसके बाद कोर्ट ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया. बता दें कि राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने 11 सितंबर 2024 को स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए कोर्ट में वाद दायर किया था. उन्होंने किसानों और राष्ट्रपिता का अपमान की बात करते हुए कंगना रनौत के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने के लिए वाद दाखिल किया है.

ये है पूरा मामला

गौरतलब है कि कंगना रनौत ने 2021 में किसान आंदोलन और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर बयानबाजी की थी. उन्होंने कहा था कि गाल पर चांटा खाने से भीख मिलती है आजादी नहीं। कंगना ने कहा था कि देश को असल मायने में आजादी 2014 के बाद मिली है. साथ ही किसान आंदोलन को लेकर कहा था कि कृषि कानून के खिलाफ प्रदर्शन में खालिस्तानी आतंकी शामिल है. इन दोनों ही बयानों के बाद कंगना का जबरदस्त विरोध भी हुआ था.

मेरठ निवासी एमबीए स्टूडेंट की अहमदाबाद में हत्या, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

अहमदाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ के व्यवसाई पंकज जैन का इकलौता बेटा प्रियांशु अहमदाबाद में एमबीए सेकंड ईयर का छात्र था। रविवार रात प्रियांशु अपने एक दोस्त के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे, सड़क पर एक कार चालक रफ ड्राइविंग कर रहा था, प्रियांशु ने चलते चलते कार सवार को टोक दिया, जिस पर बहस हुई, फिर कार चालक प्रियांशु को चाकू मार कर फरार हो गया। दोस्त ने उसे हॉस्पिटल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने प्रियांशु को मृत घोषित कर दिया। प्रियांशु का शव जब घर से उठा तो परिवार का रो रो कर बुरा हाल है। परिजन ही नहीं आसपास के रहने वाले लोग भी प्रियांशु की मौत पर दुखी है। पूरा माहौल गमगीन है। प्रियांशु की मां रेणु जैन का रो रो कर बुरा हाल है वो रो रो कर एक ही बात कह रही है कि आखिर कार में भी कोई चाकू लेकर चलता है क्या? सिर्फ तेज गाड़ी चलने से रोकने पर भी इस तरह से चाकू घोंप देता है क्या? छोटी सी बात पर उनके बेटे की जान लेने की क्या जरूरत थी? ज्यादा गुस्सा था तो एक डंडा ही मार देता कम से कम उनका बेटा जान से तो ना जाता।

परिवार वालों ने की आरोपी सख्त सजा दिलाने की मांग

वहीं प्रियांशु की बहन गीतिका ने बताया कि प्रियांशु ने सिर्फ तेज गाड़ी चलाने पर टोका था लेकिन यह टोकना ही गाड़ी चालक को इतना बुरा लगा कि भाई की हत्या कर दी। गीतिका ने बताया कि अहमदाबाद पुलिस सहयोग कर रही है और आरोपी हत्यारे का स्केच बना कर उसकी तलाश में जुटी है लेकिन घटना से दुखी बहन का यही कहना है कि उन्हें इंसाफ मिले। प्रियांशु की मां का कहना है कि बेटे के हत्यारे को जल्द से जल्द सजा मिले।

बता दें कि, मेरठ निवासी प्रियांशु जैन की अहमदाबाद में रोडरेज की घटना में चाकुओं से गोद कर निर्मम हत्या कर दी गई। मेरठ की तिरुपति गार्डन कॉलोनी निवासी प्रियांशु जैन के पिता पंकज जैन एक कारोबारी हैं। प्रियांशु 2 साल से अहमदाबाद में मुद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन में एमबीए का स्टूडेंट था।

ट्रायल कोर्ट में होगी शिवराज, वीडी, भूपेंद्र सिंह की पेशी

विवेक तन्खा मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं; पक्षकारों से 4 हफ्तों में मांगा जवाब

जबलपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा की मानहानि मामले में केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा और पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिल सकी है। शिवराज सहित तीनों नेताओं को मामले में ट्रायल कोर्ट में पेश होना होगा। तीनों नेताओं ने अपने खिलाफ दायर मानहानि का मामला खारिज करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने ज़िरह सुनने के बाद विवेक तन्खा सहित सभी पक्षकारों को नोटिस जारी कर 4 हफ्तों में जवाब तो मांगा, लेकिन शिवराज, वीडी शर्मा और भूपेन्द्र सिंह को चाही गई राहत नहीं दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तीनों के खिलाफ बेलेबल वारेंट की ज़रुरत नहीं है, लेकिन ये तीनों नेता अपने वकीलों के साथ ट्रायल कोर्ट में पेश हों। बता दें कि अपने खिलाफ मानहानि का मामला खारिज करने की शिवराज, वीडी और भूपेन्द्र सिंह की मांग हाल ही में जबलपुर हाईकोर्ट ने भी खारिज कर दी थी। जिसके बाद तीनों ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली है।

स्वतंत्र वार्ता
बुधवार, 13 नवंबर- 2024

चुनावी वादों की बरसात

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की रंगत चढ़ चुकी है। ऐसे में राजनीतिक दल फ्री की योजनाओं की घोषणाएं करने की भला क्यों पीछे रहते। पीएम नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा था कि सब मुफ्त की रेवड़ी बांटने की दौड़ में शामिल हैं। ऐसे घोषणावीर कर्नाटक के अनुभवों से भी लगता है कोई सबक नहीं ले पाए हैं। चुनावी वादों की होड़ में सत्ता पक्ष हो या फिर विपक्ष, दोनों ही ऐसे वादे कर रहे हैं जिससे राजकोष की लुटिया डूबने की पूरी संभावना है। यह सब तब हो रहा है जब कैग की रिपोर्ट ने भी बढ़ते कर्ज पर चिंता जताई है, क्योंकि राज्य पर पहले से ही भारी कर्ज है। दोनों ही प्रमुख गठबंधन सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महाविकास आघाडी ने चुनावी वादों में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। यह नसीहत बार-बार दी जा रही है कि राजनीतिक दल चुनाव के दौरान वादे करने में ऐसी उदारता न बरतें, जिससे सरकारी खजाना ही खाली हो जाए। कर्नाटक का ताजा उदाहरण सामने है, जहां अव्यावहारिक वादों के बल पर चुनाव जीतने के बाद राज्य सरकार के लिए उन्हें पूरा करना मुश्किल हो रहा है। इसीलिए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के वादे पर पुनर्विचार की बात कही है, जिस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें फटकार भी लगाई कि उनके बयान से महाराष्ट्र के चुनाव में मतदाताओं को गलत संदेश जा सकता है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुफ्त की घोषणाओं पर सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन महाराष्ट्र चुनाव अभियान में अपनी पूरी ताकत झोंक चुके राजनीतिक दलों पर इन बातों का कोई असर नहीं दिख रहा। सत्तारूढ़ महायुति (यानी बीजेपी, शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी) ने लाड़की बहिन योजना में दी जाने वाली राशि 1500 मासिक से बढ़ाकर 2100 मासिक करने के साथ ही नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना में किसानों को दी जाने वाली राशि भी 12000 रु मासिक से बढ़ाकर 15000 रुपये मासिक करने का वादा किया है। दूसरी ओर विपक्षी महाविकास आघाडी (यानी कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली शिवसेना और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी) ने महिलाओं को 3000 रुपये मासिक और मुफ्त बस सेवा देने का वादा किया है। इन वादों से राजकोष पर पड़ने वाले बोझ की बात करें तो महायुति की लाड़की बहिन योजना में हुए इजाफे से इस पर सालाना खर्च 63000 करोड़ रुपये हो जाएगा, जो इस योजना के मौजूदा बजट में 40 फीसदी का इजाफा है। नमो शेतकरी महासम्मान निधि में भी बढ़ोतरी का वादा के खर्च में सालाना 25 फीसदी का इजाफा हो जाएगा। ऐसे ही महाविकास आघाडी का महिलाओं को 3000 रुपये मासिक नकद देने का वादा राजकोष पर सालाना 90,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ डालेगा। यह स्थिति तब है जब इसी साल जुलाई में विधानसभा में रखी गई कैग की रिपोर्ट ने याद दिलाया कि राज्य पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। उसे 2.75 लाख रुपये का कर्ज अगले सात वर्षों में चुकाना है। यही नहीं 94,845.35 करोड़ रुपये का मार्केट लोन और 83,453.17 करोड़ रुपये ब्याज अगले दो वर्ष में यानी वित्त वर्ष 2025-26 तक चुकाने हैं। जाहिर है जिस तरह की राजनीति की जा रही है उसमें जिम्मेदारी दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रही है।

क्या झारखंड में चुनाव बाद बांग्लादेशी मुसलमानों की घुसपैठ रुकेगी

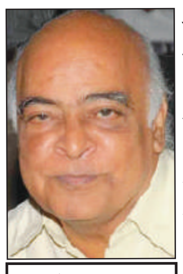
अशोक भाटिया

चुनावी माहौल में झारखंड में आदिवासियों और मुसलमानों की आबादी का मामला तुल पकड़ता जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी का आरोप है कि राज्य के संथाल परगना में पिछले कुछ सालों में आदिवासियों की संख्या में कमी आई है, जबकि यहां पर मुसलमान बढ़ गए हैं। पार्टी का कहना है कि यह सब साजिश के तहत हो रहा है।पार्टी ने चुनाव आयोग में भी इसकी शिकायत की है। भौगोलिक तौर पर झारखंड 4 हिस्सों (संथाल परगना, कोल्हान, उत्तर छोटानागपुर और दक्षिण छोटानागपुर) में बंटा है। संथाल परगना इलाके में झारखंड के 6 जिले गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुड़ शामिल हैं।बहरहाल भारत के गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है झारखण्ड में हमारी सरकार आने पर हम सबसे पहले यह अवैध खुस्पैठ को रोकेंगे । झारखंड भाजपा के मुताबिक साल 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई थी, उस वक्त संथाल परगना के जिलों में आदिवासियों की आबादी 44.67 प्रतिशत थी। 9.44 प्रतिशत मुसलमान थे। 45।9 प्रतिशत आबादी दलित, ओबीसी और सवर्ण समाज की थी। 1971 में इस आंकड़ों में बढ़ोतरी देखी गई।साल 1971 में आदिवासियों की संख्या में गिरावट हुई और इस साल संथाल परगना में आदिवासी 44।67 से 36।22 प्रतिशत हो गए। मुसलमान 9. 44 से बढ़कर 14. 62 प्रतिशत हो गए।1981 के जनगणना में आदिवासियों की आबादी में मामूली बढ़त देखी गई। इस साल के जनगणना के मुताबिक यहां पर आदिवासियों की संख्या 36.80 प्रतिशत थी। वहीं मुसलमानों की संख्या में करीब 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।साल 2011 के जणगणना के मुताबिक संथाल परगणना में घटकर आदिवासी करीब 28 प्रतिशत पर पहुंच गए। वहीं मुसलमानों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। मुसलमान यहां बढ़कर 22.73 प्रतिशत पर पहुंच गए। बताया जाता है कि जमशेदपुर के रहने वाले दानियाल दानिश ने झारखंड हाई कोर्ट में PIL फाइल की थी कि संथाल परगना में बड़ी तादाद में घुसपैठिए दाखिल हो गए हैं जिससे वहां की डेमोग्राफी चेंज हो रही है और आदिवासियों की संख्या घट रही है। याचिकाकर्ता दानियाल ने अदालत से कहा कि संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी करके उनका धर्म परिवर्तन कर रहे हैं, और उनकी ज़मीनों को गिफ्ट डीड के ज़रिए हथिया रहे हैं। उन्होंने कहा कि घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी करके उनके नाम पर रिजर्व पोस्ट को रिमोट से चला रहे हैं। दानियाल ने अपनी याचिका में हाई कोर्ट से यह भी कहा कि झारखंड के बंगाल से लगने वाले जिलों में घुसपैठियों ने बहुत बड़ी तादाद में मस्जिदें और मदरसे कायम कर लिए हैं। झारखंड हाई कोर्ट ने जिस मसले पर सुनवाई की, उसको लेकर संथाल परगना के लोग काफी दिनों से आवाज उठा रहे हैं। कई सोशल वर्कर, आदिवासियों की कम होती आबादी और बदलती डेमोग्राफी को लेकर चिंता जता चुके हैं। संथाल परगना में घुसना इसलिए आसान है क्योंकि वहां से बांग्लादेश केवल 15 किलोमीटर दूर है। संथाल परगना की सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है और वहां से बांग्लादेश बॉर्डर ज्यादा दूर नहीं है। ज्ञात हो कि संथाल परगना के लोग अक्सर, कभी पैदल तो कभी नाव से नदी पार करके बंगाल जाते-आते रहते हैं। अब अगर बांग्लादेश से किसी को झारखंड में दाखिल होना है तो उसे बस ये 15 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है। बांग्लादेश बॉर्डर करीब होने की वजह से ऐसे कई पॉइंट हैं जहां बंगाल से होते हुए, झारखंड में दाखिल हुआ जा सकता है। झारखंड का पाकुड़ जिला बांग्लादेश बॉर्डर से सबसे करीब पड़ता है। वहां काम करने वाले सोशल एक्टिविस्ट धर्मेंद्र कुमार ने घुसपैठ के पूरे नेक्सस के बारे में बताया। घुसपैठ करके झारखंड में बसने वाले बांग्लादेशियों के पास कई बार तो दोनों देशों के ID कार्ड होते हैं जिससे वे आराम से बांग्लादेश और भारत आ-जा सकें। बताया जाता है कि झारखंड में बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों के लिए फेक डॉक्यूमेंट बनाने के लिए बाकायदा फेक वेबसाइट्स भी चलाई जा रही हैं, और सरकार को भी इसकी खबर है। पिछले साल गृह मंत्रालय ने एक डॉक्यूमेंट रिलीज किया था। इसमें बताया गया था कि 120 से ज्यादा फेक वेबसाइट्स, नकली बर्थ सर्टिफिकेट बनाने का काम कर रही हैं। होम मिनिस्ट्री ने झारखंड सरकार को खासतौर पर चेताया था कि राज्य में बहुत सी वेबसाइट चल रही हैं, जो घुसपैठियों के लिए नकली बर्थ सर्टिफिकेट बना रही हैं। भारत की नागरिकता हासिल करने के बाद घुसपैठियों का असली खेल शुरू होता है। वे आदिवासी लड़कियों को अपने जाल में फंसाते हैं, उनसे ब्याह करते हैं और फिर उनकी जमीनें हासिल करने की कोशिश करते हैं। असल में आदिवासी अपनी ज़मीन किसी को बेच नहीं सकते। संथाल परगना टेनेंसी एक्ट के तहत, ट्राइबल्स अपनी जमीनें लीज पर भी नहीं दे सकते। इसलिए अब घुसपैठियों ने आदिवासियों की जमीन हड़पने का एक नया रास्ता निकाल लिया है। घुसपैठिए, इसके लिए आदिवासियों से गिफ्ट डीड कराते हैं यानी डॉक्यूमेंट तैयार करके आदिवासियों से उनकी जमीन गिफ्ट करा ली जाती है, फिर इन जमीनों पर अवैध काम किए जाते हैं। गौरतलब है कि अप्रैल 2022 में दुमका में हथियारों की एक अवैध फैक्ट्री पकड़ी गई थी।

यह हथियार फैक्ट्री गिफ्ट डीड की जमीन पर चल रही थी। जब बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने छापा मारा, तब ये मामला सामने आया था। जब कुछ रिपोर्टर संथाल परगना इलाके में पहुंचे तो उन्हें कई जिलों में एक खास ट्रेंड दिखा। कई आदिवासी महिलाओं से मुसलमानों ने शादी कर ली थी जिनमें से कई महिलाएं ऐसी थीं जो अपने-अपने गांव की पंचायत की मुखिया हैं लेकिन उनका रिमोट उनके मुस्लिम पतियों के पास है। ऐसी महिलाओं की आदिवासी पहचान मिट चुकी है और वे खुद भी इस्लामिक तौर तरीके अपना रही हैं। इनके बच्चे भी इस्लाम धर्म का हिस्सा बन रहे हैं। दुमका और साहिबगंज जिलों में पत्रकारों को ऐसे कई मामले मिले। साहिबगंज के बिशुनपुर गांव में मुखिया का पद आदिवासियों के लिए रिजर्व है। यहां से तालामई टुडु मुखिया हैं और उन्होंने वसीम अकरम से शादी की है। पूरा गांव तालामई के बजाय वसीम अकरम को ही मुखिया कहता है। वहीं, तालामई टुडु ने बताया कि वह पर्दा प्रथा मानने लगी हैं और नमाज पढ़ने लगी हैं। बिशुनपुर में आशा वर्कर थेमी सोरेन ने कहा कि उनके गांव में ही नहीं, आसपास के कई गांवों में मुसलमानों ने आदिवासी लड़कियों से शादी की है। इससे आदिवासियों की आबादी घटती जा रही है क्योंकि उनके बच्चे मुसलमान होते हैं। सियासत से अलग, घुसपैठ एक गंभीर मसला है। भारत के सबसे बड़े आदिवासी इलाकों की डेमोग्राफी बदल जाना चिंता की बात है। झारखंड सरकार को इसे राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय एक सीरियस सोशल इश्यू के तौर पर स्वीकार करना होगा। अगर आदिवासियों की जमीनों पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है, अगर आदिवासी महिलाओं से शादी करके पॉलिटिकल पावर पर कब्जा किया जा रहा है और फेक डॉक्यूमेंट्स से भारत की नागरिकता हासिल की जा रही है तो ये एक राजनीतिक मसला नहीं रह जाता। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे की बात है।

देश के संसाधनों पर अगर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है तो ये राजनीतिक खींचतान का विषय नहीं, भारत की सुरक्षा का सवाल बन जाता है, और नेशनल सिक्योरिटी के मुद्दे पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। घुसपैठियों की भारत में कोई जगह नहीं है। उनकी पहचान करना, उन्हें देश से डिपोर्ट करना बहुत जरूरी है। अवैध रूप से भारत में घुसने वाले बांग्लादेशियों के खिलाफ झारखंड कोर्ट ने भी हाल ही सख्ती दिखाई है। अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वो गैर कानूनी रूप से भारत में घुसे हुए बांग्लादेशियों को चिह्नित करें और उनपर कार्रवाई करके उन्हें वापस भेजने के लिए कार्ययोजना तैयार करें।

आर्थिक रोक से ही आतंकवाद पर लगेगी लगाम

मुनीष त्रिपाठी

बीते 7 नवंबर को नई दिल्ली में हुए आतंकवाद विरोधी सम्मेलन में गृह मंत्री ने कहा कि आतंकवाद, आतंकवादियों और उनके पारिस्थितिकी तंत्र से लड़ने के लिए हमें मिलकर काम करना होगा। इसको लेकर जल्द ही एक नई राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति लाएंगे, जिसमें आप सभी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने साथ ही कहा कि अब आरणकवादियों की औसत आयु बहुत कम हो गयी है। साथ ही कहा नक्सलवाद भारत में अंतिम सांसे ले रहा है । उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण सारगर्भित बात थी कि आतंकवाद को रोकने में टेरर फंडिंग पर रोक जरूरी है । गृहमंत्री ने शायद इन तथ्यों को विभिन्न आर्थिक और खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर कहा। ने कहा कि नई नीति से राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों को आतंकवाद से निपटने के साथ ही समन्वय से काम करने में सहायता होगी। गृहमंत्री अमित शाह की चिंता और समाधान की कोशिश निम्नलिखित तथ्यों के माध्यम से भी समझी जा सकती है।

मनी लांड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर निगरानी करने वाली वैश्विक एजेंसी फाइनेंशियल एक्शन टास्क फ़ोर्स (एफएटीएफ) ने कुछ दिनों पहले जांच के बाद माना है कि भारत को अलकायदा, आईएस सहित अन्य इस्लामिक कट्टरवादी संगठनों से खतरा है। साथ ही अतिवादी वामपंथी ताकतें भी भारत की सुरक्षा के लिए खतरा है। एजेंसी के मुताबिक ये ताकतें मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय हैं और इनके तार परोक्ष रूप से देश के अन्य भागों से भी जुड़े हुए हैं। पूर्वोत्तर में सक्रिय उपद्रवी संगठन एवं वामपंथी अतिवादी संगठनों को भी एफएटीएफ ने भारत के लिए खतरा बताया है। साथ ही माना है कि भारत वर्षों से आतंकवाद का शिकार रहा है। एफएटीएफ ने मनी लांड्रिंग (एमएल) और आतंकवाद से जुड़ी टेरर फंडिंग (टीएफ) को रोकने के लिए भारत के प्रयासों की सराहना की है। हालांकि एफएटीएफ एमएल और टीएफ से जुड़े मामलों की सुनवाई की गति में सुस्ती और उसे अंजाम तक पहुंचाने की दर से संतुष्ट नहीं है। इस दिशा में उसने भारतीय प्रयास को और तेज की करने की सिफारिश की है। वित्त मंत्रालय के अधिकारी के मुताबिक अभी मनी लांड्रिंग के 864 मामलों तो टीएफ के 1,400 से अधिक मामलों में ट्रायल चल रहा है। एमएल और टीएफ के मामलों में भारत के मूल्यांकन पर एफएटीएफ ने अपनी रिपोर्ट हाल ही में बीते दिनों में जारी की थी । रिपोर्ट में भारत उसके अधिकतर मानकों पर खरा उतरा है। रिपोर्ट में 2018 से 2023 के बीच भारत के प्रयासों का मूल्यांकन किया गया है। गौरतलब हो कि एफएटीएफ की सिफारिशों पर अमल नहीं करने वाले देशों पर वैश्विक स्तर पर वित्तीय प्रतिबंध लगाया जा सकता है। रिपोर्ट में एफएटीएफ ने भारत में चल रहे गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) पर सख्त नजर रखने की सिफारिश की है क्योंकि इनके जरिये आतंकवाद को फंडिंग की ज्यादा आशंका रहती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते दस वर्षों में जनधन खाते, आधार आधारित बैंकिंग प्रणाली, बायोमैट्रिक सिस्टम के साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने से नकदी के लेनदेन में कमी आई है जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और मनी लॉनड्रिंग को कम करने में मदद मिल रही है। दो लाख से अधिक के नकदी लेनदेन पर रोक और संपत्ति की खरीद-फरोख्त पर केवाईसी जैसे नियम लागू करने से रियल एस्टेट में कालेधन के इस्तेमाल में कमी आई है। परंतु अब भी रियल एस्टेट में कालेधन का इस्तेमाल जारी है। भारत के जेम्स व ज्वैलरी और फिनटेक सेक्टर में और पारदर्शिता लाने की जरूरत पर एफएटीएफ ने बल दिया है। भारत में पिछले पांच वर्षों में लाखों मुखौटा कंपनियों पर की गई कार्रवाई के साथ विजय माल्या फर्जीवाड़े मामले में वित्तीय रिकवरी और पीड़ित पक्ष (बैंक) को रकम लौटाने की कवायद को भी सराहा गया है। वित्त मंत्रालय के अधिकारी के मुताबिक, माल्या से जुड़े फर्जीवाड़े मामले में 14,000 करोड़ रुपये पीड़ित पक्ष (बैंक) को वापस किए गए। उन्होंने बताया कि एमएल और टीएफ मामलों के ट्रायल में तेजी लाने के लिए विशेष कोर्ट की स्थापना के साथ कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। जेम्स व ज्वैलरी सेक्टर में नकदी के लेनदेन पर सख्ती की तैयारी है। 368 पृष्ठों की रिपोर्ट में एफटीएफ ने भारत को 'रेगुलर फालोअप' श्रेणी में रखा गया है और इस श्रेणी में जी-20 के सिर्फ चार अन्य देश शामिल हैं। भारत का अगला मूल्यांकन अब 2031 में होगा। अभी हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल ने यूपी एसटीएफ की मदत से झारखण्ड, राजस्थान सहित देश के कई ठिकानों पर छापेमारी कर 14 आतंकियों को गिरफ्तार किया था। आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया। पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से छह आतंकी और झारखंड और यूपी से आठ यानी कुल 14 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है।ये संदिग्ध अलग-अलग राज्यों से थे, जिसका मुखिया झारखंड का डॉक्टर इश्तियाक था। इन संदिग्धों के ठिकानों से हथियार, गोला-बारूद, साहित्य आदि बरामद किए गए हैं। भारत सरकार और राज्यों को अभी यह नहीं भूलना चाहिए कि पीएफआई और सिमी पर प्रतिबंध लगने के बावजूद इनके बड़ी संख्या में देश भर में स्लीपर सेल मौजूद है। जिनकी जानकारी और निगरानी सुरक्षा एजेंसियों को करनी होगी। पुर्वोत्तर के मणिपुर, नागालैंड जैसे राज्य जहां अतिवादी ईसाई संगठन आतंकवाद के सहारे ईसाई बहुल राज्यों को मिलाकर अलग ईसाई बाहुल्य देश बनाने का मंसूबा पाले हुए है। यह बात बांग्लादेश देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना खुलेआम कह चुकी है। ईसाई लोग स्थानीय आबादी जिसमें ज्यादातर जनजाति आबादी है उनका एनकेन प्रकार धर्म परिवर्तन कराने में लगे हुए हैं। भारत सरकार और स्थानीय लोगों को सजग रहना होगा। अस्थिर बांग्लादेश भारत के लिए कम चुनौती नहीं है। वहां के जमाते इस्लामी, हूजी जैसे संगठन भारत और हिंदू विरोध में पहले से लगे हुए है।

अवैध घुसपैठ, हवाला और तस्करी के चलते बांग्लादेश से धन का प्रयोग भारत में आतंकवाद के रूप में किया जा रहा है। राजनैतिक अस्थिरता ने चरमपंथी संगठनों के लिए अनुकूल परिस्थिति पैदा कर दी है। ऐसे में भारत को सतर्क रहना होगा। अर्बन नक्सली, नक्सली संगठन एनजीओ के माध्यम से बड़ी मात्रा में मनी लॉनड्रिंग कर धन का बेजा इस्तेमाल आतंकवाद और भारत विरोध में कर रहे है। हलाकि भारत सरकार इसे रोकने में कुछ हद तक कामयाबी पाई है परन्तु पूरी तरह इस पर रोक नहीं लगाई जा सकी है। एनआईए ने 24 सितंबर को चेन्नई में भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने का मंसूबा पाल रहे हिज्ब उत-तहरीर संगठन से जुड़े लोगों के घरों पर तलाशी ली। चेन्नई पुलिस विभाग में प्रतिबंधित संगठन हिज्ब उत-तहरीर में लोगों की भर्ती करने का मामला दर्ज किया गया।

इस संगठन पर लोगों का ब्रेनवाश करने का आरोप है। संगठन युवाओं का ब्रेनवॉश कर उनसे देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने का काम करती है। यह संगठन युवाओं को जिहाद के लिए तैयार करता है।

सार्क की चुनौतियों का समाधान कैसे कर सकता है भारत ?

डॉ. सत्यवान सौरभ

सार्क के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत ने क्षेत्रीय सहयोग के लिए लगातार पहल की है। हालांकि, भारत के प्रयासों के बावजूद, संगठन अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले कुछ वर्षों में इसकी प्रभावशीलता सीमित रही है। भारत सार्क के भीतर आर्थिक सहयोग, संपर्क और क्षेत्रीय विकास को आगे बढ़ाने में केंद्रीय भूमिका निभाता रहा है। भारत दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, जिसका उद्देश्य अंतर-क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देना था। भारत ने आतंकवाद और सीमा पार खतरों से निपटने के लिए सार्क के प्रयासों का नेतृत्व किया है, जिसमें कई सुरक्षा सहयोग पहलों का प्रस्ताव दिया गया है। भारत ने 1987 में आतंकवाद के दमन पर सार्क क्षेत्रीय सम्मेलन के निर्माण का नेतृत्व किया। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, कई चुनौतियों के कारण सार्क की प्रभावशीलता सीमित बनी हुई है। साफ्टा के बावजूद, अंतर-सार्क व्यापार 5% से कम बना हुआ है, जो खराब आर्थिक एकीकरण और सार्क की आर्थिक क्षमता को साकार करने में सीमित सफलता को दर्शाता है। आसियान के साथ भारत का व्यापार सार्क देशों के साथ उसके व्यापार से अधिक है, जो महत्वपूर्ण आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने में सार्क की विफलता को रेखांकित करता है। प्रमुख राजनीतिक मतभेदों, विशेष रूप से भारत और पाकिस्तान के बीच, ने शिखर-स्तरीय सहभागिताओं को बाधित किया है, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया रुक गई है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण 2016 का सार्क शिखर सम्मेलन अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था, जो राजनीतिक सामंजस्य के टूटने का संकेत था। सार्क की निर्णय लेने की प्रक्रिया में आम सहमति की आवश्यकता होती है, जिससे पहल धीमी हो गई है, क्योंकि सदस्य देशों के बीच असहमति अक्सर प्रगति को रोक देती है। पाकिस्तान की आपत्तियों के कारण सार्क मोटर वाहन समझौता लागू नहीं हो पाया है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क प्रयास रुक गए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे भू-राजनीतिक तनाव ने अक्सर सार्क की पहल को पटरी से उतार दिया है और इसकी समग्र प्रभावशीलता को सीमित कर दिया है। 2016 में उरी हमले के कारण भारत ने सार्क शिखर सम्मेलन का बहिष्कार किया, जिससे क्षेत्रीय सहयोग को और झटका लगा। सार्क सदस्यों, विशेष रूप से भारत और छोटी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापक आर्थिक मतभेदों ने समान आर्थिक सहयोग हासिल करना चुनौतीपूर्ण बना दिया है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद से आठ गुना अधिक है, जिससे व्यापार वार्ता और अपेक्षाओं में असंतुलन पैदा होता है। राजनीतिक इच्छाशक्ति और क्षमता की कमी के कारण सार्क समझौतों को अक्सर कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण देरी का सामना करना पड़ता है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए सार्क खाद्य बैंक का कम उपयोग होने के कारण व्यावहारिक प्रभाव बहुत कम रहा है।कई सार्क देश आर्थिक और रणनीतिक सहायता के लिए चीन जैसी बाहरी शक्तियों पर निर्भर हैं, जिससे सार्क का आंतरिक सहयोग कमजोर हुआ है। नेपाल और श्रीलंका की चीनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर बढ़ती निर्भरता ने सार्क की क्षेत्रीय एकता को कमजोर किया है। सार्क के पास निर्णयों को लागू करने या अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत सुपरनैशनल निकाय का अभाव है, जिससे यह क्षेत्रीय नीतियों को लागू करने में अप्रभावी हो गया है। यूरोपीय संघ के विपरीत, सार्क के पास निर्णयों को लागू करने या विवादों को हल करने के लिए अधिकार रखने वाले संस्थान नहीं हैं। भारत अलग-अलग सार्क सदस्यों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है जिससे अधिक बहुपक्षीय सफलता मिल सकती है। कनेक्टिविटी और व्यापार पर बांग्लादेश के साथ भारत के हालिया प्रयासों ने सार्क की सीमित प्रगति के बावजूद द्विपक्षीय सहयोग में सुधार किया है। भारत सार्क की निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार के प्रयासों का नेतृत्व कर सकता है, आम सहमति के बजाय बहुमत आधारित निर्णयों की वकालत कर सकता है, जो अक्सर प्रगति को रोकता है। भारत बिम्सटेक तंत्र के समान सुधारों का प्रस्ताव कर सकता है, जिसने क्षेत्रीय समझौतों में अधिक लचीलापन दिया है। भारत सार्क ढांचे के भीतर व्यापार सुविधा, संपर्क परियोजनाओं और निवेश को बढ़ाकर गहन आर्थिक एकीकरण के लिए प्रयास कर सकता है।

क्या डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश ईरान ने रची थी ?

रामस्वरूप रावतसरे

अमेरिकी न्याय विभाग ने 8 नवंबर 2024 को कहा कि ईरान नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है। राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रम्प की हत्या की नाकाम कोशिश हुई थी। इस मामले में 3 लोगों पर आरोप तय किया गया है। ईरानी अधिकारियों ने सितंबर में 51 वर्षीय फरहाद शकेरी को ट्रंप की हत्या की जिम्मेदारी दी थी। शकेरी फिलहाल फरार है और ईरान में है। अब खबर है कि अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए 78 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा के पाम बीच में स्थित अपने घर 'मार-ए-लागो' में सुरक्षा के लिए रोबोट कुत्तों को शामिल किया है। स्थानीय मीडिया आउटलेट 'न्यूयॉर्क पोस्ट' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 'रोबोट कुत्ते' को शुक्रवार (8 नवंबर) को डोनाल्ड ट्रंप के बगीचों में घूमते देखा गया। इन रोबोट को बोस्टन की एक कंपनी ने बनाया है।

डोनाल्ड ट्रंप की हत्या में ईरानी साजिश का खुलासा करते हुए अभियोजकों ने कहा कि शकेरी को ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा अमेरिका में अमेरिकी और इजरायली नागरिकों की हत्या का काम सौंपा गया था। बाद में ईरान ने शकेरी को केवल ट्रम्प पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा था। ट्रंप की हत्या की योजना बनाने के लिए उसे सात दिन का समय दिया गया था। ईरान की राजधानी तेहरान में रह रहा अफगान मूल का शकेरी उस समय सीमा में कोई योजना बनाने में असमर्थ था। इसके बाद उस ने आईआरजीसी के अधिकारियों से समय सीमा को राष्ट्रपति चुनाव के बाद आगे बढ़ने का इंतजार करने का आग्रह किया था। फरहाद शकेरी का मानना था कि डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति चुनाव में हार जाएँगे। न्याय विभाग के अनुसार शकेरी संयुक्त राज्य अमेरिका में बस गया था, लेकिन डकैती के लिए जेल की सजा काटने के बाद साल 2008 में उसे निर्वासित कर दिया गया था। जेल में रहते हुए वह साजिश में शामिल कार्लिसल रिवेरा और जोनाथन लोडहोल्ट से मिला था। शकेरी ने इन दोनों को सी कलिन में रहने वाले एक ईरानी अमेरिकी कार्यकर्ता को निशाना बनाने के लिए उन्हें काम पर रखा।शकेरी ईरानी तेल और ईंधन व्यवसाय से जुड़े अपने काम के माध्यम से आईआरजीसी के एक सीनियर कमांडर से मिला था। जब अधिकारी को पता चला कि शकेरी पहले न्यूयॉर्क में रहता था तो उसने अमेरिका में व्यक्तियों की जाँच के नाम पर उसकी मदद माँगी। शकेरी ने न्यूयॉर्क जेल में रहने के दौरान मिले अपराधियों के नेटवर्क के सहारे ईरानी अधिकारियों के लिए गुप्तचरी का काम शुरू कर दिया।

अदालती दस्तावेजों के अनुसार, शकेरी अपने दो सह-षड्यंत्रकारियों जैसे अपराधिक सहयोगियों को निगरानी करने के लिए पैसे देता था जिनकी निगरानी के लिए ईरानी अधिकारी कहते थे. दरअसल वे उनकी हत्या कराना चाहते थे। इनमें से एक ईरानी-अमेरिकी पत्रकार एवं राजनीतिक कार्यकर्ता मसीह अलीनेजाद भी थीं। अलीनेजाद ईरान के निशाने पर थीं। शकेरी ने इनकी भी निगरानी कराई थी।

शकेरी के अलावा, शुक्रवार को जिन दो अन्य लोगों पर आरोप तय किए गए हैं उनके नाम जनरल रूहोल्लाह हैं कार्लिसल रिवेरा और जोनाथन लोडहोल्ट। ये दोनों अमेरिकी नागरिक हैं। दोनों को न्यूयॉर्क में गिरफ्तार किया गया था। इन दोनों ने अलीनेजाद की निगरानी की थी। आईआरजीसी का ब्रिगेडियर बाज़घन पत्रकार अलीनेजाद की हत्या करवाना चाहता था। इसके लिए ईरान शकेरी को भरपूर धन मुहैया कराता था।

जीरो टका की गारंटी

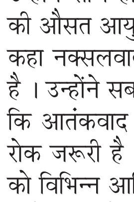
रामविलास जांगिड़

बेताल ने चुनावी सभा में खंभे पर लटकते हुए कहा, "राजा विक्रम, तुम्हें एक ऐसा रहस्य बताने जा रहा हूं, जिसे सुनकर तुम्हारी चुनावी समझ गहरी हो जाएगी। सुनो, ये कहानी है 'मोहब्बत की दुकान, गठबंधन की जोड़ी चार, जुमलों का बाजार, और सौ टका का गारंटी' की। इन मंत्रों में ही छुपी है आज के नेता की असली चाल।" विक्रम ने मुस्कुराते हुए कहा, "बोलो बेताल, ये मोहब्बत की दुकान से चुनाव का क्या संबंध है?"बेताल ने चुनावी गारंटी के पोस्टर के आगे अपना हाथ नचाते हुए कहा, "सम्बंध गहरा है, हे राजन! चुनावी माहौल में मोहब्बत की दुकान बहुत ही महत्वपूर्ण है। समझो, जब नेता जनता से मिलने निकलते हैं, तो उनके चेहरे पर एक झूठी मोहब्बत का नकाब होता है। मोहब्बत की दुकान चलाने का सबसे बड़ा हुनर है, जिससे जनता नेता के झूठे वादों पर भरोसा करने लगती है।" विक्रम ने सिर हिलाया और कहा, "तुम्हारी बात में दम है। अब बताओ यह 'गठबंधन की जोड़ी चार' क्या है?"बेताल ने रहस्यमयी अंदाज में कहा, "हे राजन, गठबंधन भी एक अद्भुत खेल है। जब चुनाव पास आते हैं, तो नेता सोचते हैं कि अकेले काम नहीं चलेगा, तो अपने प्रतिद्वंद्वियों से हाथ मिला लेते हैं। गठबंधन एक ऐसा विवाह है, जिसमें दोनों पक्ष अपनी-अपनी कुर्सी के लालच में एक-दूसरे से 'मोहब्बत' दिखाते हैं। इसमें वे लोग साथ आते हैं, जो चुनाव से पहले एक-दूसरे को कोसते रहते हैं। चुनावी जोड़ी चार लोग बना लेते हैं, फिर हाथ में हाथ डालकर कहते हैं, 'देश का विकास हमारे हाथों में है।' और चुनाव बाद, यह जोड़ी टूट जाती है, जैसे शादी के तुरंत बाद झगड़े का आगाज।" विक्रम हंसी रोकते हुए बोला, "तो गठबंधन की यह जोड़ी भी एक छलावा है?" बेताल ने मुस्कुराते हुए कहा, "हां राजन! हां! सब कुछ छलावा है, और सुनो! जुमलों का बाजार तो सबसे मजेदार है। चुनावी मौसम में हर नेता एक 'सुपरमार्केट' बन जाता है, जहां जुमले एकदम ताजे और चमचमाते मिलते हैं। जैसे, 'अच्छे दिन आएंगे', 'हर घर नौकरी', 'हर हाथ में पैसा'। ये जुमले ऐसे हैं, जिनकी न कोई मियाद होती है, न कोई गारंटी। जनता जुमलों के इस बाजार में आकर खुश हो जाती है और अपनी मर्जी का चुनावी वादा खरीद लेती है। नेता लोग जानते हैं कि चुनावी समय में थोड़ी सी चिकनी-चुपड़ी बातों से जनता मंत्रमुग्ध हो जाएगी। जनता भी सुनती है और कहती है, 'वाह! नेता जी क्या कह रहे हैं।' और बाद में वही जनता अपना सिर पकड़ लेती है।"

दुर्योधन और कर्ण को भगवान की तरह पूजा जाता है इस मंदिर में

सनातन धर्म में 33 कोटी देवी-देवताओं को पूजने का विधान है लेकिन उत्तराखंड में इससे भी अधिक देवों को पूजने का विधान है जैसे ग्वेल देवता, ग्राम देवता, कुल देवता आदि शायद इसलिए इसे देवभूमि भी कहा जाता है। इस पावन धरती पर 'खलनायक' दुर्योधन और दानवीर कर्ण का भी पूजन होता है। इन दोनों के उत्तरकाशी जिले में अलग-अलग मंदिर भी हैं। दुर्योधन मंदिर नेतवार से औसतन 12 किमी दूर 'हर की दून' रोड पर सौर गांव में है। जबकि कर्ण मंदिर नेतवार से लगभग डेढ़ मील दूर सारनौल गांव में है।

सारनौल और सौर गांव की धरती पाताललोक के राजा भुब्रूवाहन नामक शूरवीर की धरती है। कहते हैं भुब्रूवाहन महाभारत युद्ध में भाग लेने के लिए आया था और वह कौरवों की तरफ से युद्ध करना चाहता था लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने ऐसा होने नहीं दिया क्योंकि वो जानते थे कि भुब्रूवाहन अर्जुन को चुनौती देने में सक्षम है।

इससे पहले की वो अर्जुन को चुनौती देता उन्होंने उसे चुनौती दे डाली और उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। उसने भगवान से युद्ध देखने की इच्छा व्यक्त की तो उन्होंने उसका सिर एक पेड़ पर टांग दिया वहीं से उसने युद्ध देखा।

वहां के आम जनमानस का कहना है जब कौरव कोई गलत कदम उठाते तो भुब्रूवाहन जोर-जोर से रोने लगता और उन्हें अपनी रणनीति बदलने के लिए कहता। वो तब से लेकर आज तक रो रहा है। उसी के आंसूओं से यहां तमस अथवा टोंस नामक नदियां बह रही हैं लेकिन इनका पानी कोई नहीं पीता।

दुर्योधन और कर्ण भुब्रूवाहन को बहुत पंसद करते थे। यहां के स्थानीय लोगों में भुब्रूवाहन की वीरगाथाएं बहुत प्रचलित हैं। दुर्योधन और कर्ण इस इलाके के क्षेत्रपाल माने जाते हैं, तभी तो इनके मंदिर यहां स्थापित हैं।

मुफ्त में न लें ये 6 चीजें कंगाल होने में नहीं लगेगी देर

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। इसलिए वास्तु में आर्थिक स्थिति में सुधार और सुख-समृद्धि के लिए कई जरूरी नियम बताए गए हैं। इन नियमों को मानने वाले जातकों का जीवन सुखी होता है। साथ ही कारोबार या शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की मिलती है। वहीं, इन नियमों की अनदेखी करने से जीवन मुश्किलों से भर जाता है। ऐसे में जरूरी है कि वास्तु के नियमों पालन किया जाए। वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसी चीजों का भी जिक्र है, जिन्हें मुफ्त में किसी से नहीं लेनी चाहिए। ऐसा करने से धन संकट बढ़ता है। साथ ही, घर में अशांति का वास हो सकता है। अब सवाल है कि आखिर किसी से फ्री में कौन सी चीजें नहीं लेनी चाहिए? क्या है इसके पीछे की वजह?

नमकः वास्तु शास्त्र में नमक का संबंध शनि से माना गया है। माना जाता है कि किसी से मुफ्त में नमक लेकर उसका उपयोग करने से व्यक्ति पर कर्ज का बोझ बढ़ता है। दूसरे से नमक लेकर उसका इस्तेमाल करने से व्यक्ति आर्थिक, मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान रहता है। मुफ्त में लिए हुए नमक का इस्तेमाल करने से रोग और कर्ज की समस्या बढ़ने लगती है। इसलिए मुफ्त में नमक न लें और न ही किसी को दें।

रूमालः फ्री में लिए गए रूमाल का इस्तेमाल करना परिवार में झगड़े की वजह बन सकता है। कहा जाता है कि आपने जिससे मुफ्त में रुमाल लिया, आगे चलकर उससे आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। साथ ही, परिवार के लोगों के बीच आपसी रिश्ते भी बिगड़ने लगते हैं। ऐसे में न तो किसी से मुफ्त में रुमाल लें और न ही किसी को दें।

लोहाः लोहे का संबंध शनि से होता है। मुफ्त में किसी से लोहा या लोहे से बने आइटम लेना अच्छा नहीं माना जाता है। माना जाता है कि घर में लोहा लाने से गरीबी, बाधाओं और तनाव का सामना करना पड़ता है। मुफ्त में लोहा इस्तेमाल करने से जीवन में एक के बाद एक समस्या आने लगती है। इससे जीवन में आर्थिक स्थिति भी प्रतिकूल होने लगती है।

सुईः मुफ्त में ली हुई सुई का इस्तेमाल करने से वैवाहिक जीवन और प्रेम संबंधों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। मुफ्त की सुई से आर्थिक नुकसान भी होता है। इसलिए अगर आपको जरूरत हो तो सुई का इस्तेमाल खुद खरीदकर ही करना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, फ्री में मिली हुई सुई से जीवन में नकारात्मकता आती है।

तेलः वास्तु के मुताबिक, किसी से फ्री में तेल नहीं लेना चाहिए। ऐसा करने से आप किसी बड़ी मुसीबत में पड़ सकते हैं। साथ ही, आर्थिक नुकसान हो सकता है। मुफ्त में तेल लेने का नकारात्मक प्रभाव आपकी आर्थिक स्थिति पर भी पड़ता है। दरअसल, तेल का भी संबंध शनि देव से ही है।

पर्सः वास्तु के अनुसार, जब हम पर्स उपहार के तौर पर देते हैं तो उस व्यक्ति के पास हमारे धन से जुड़े योग-संयोग भी ट्रांसफर हो सकती है। पर्स हमारी आर्थिक स्थिति का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में हमारे पास जो धन आने वाला होता है वह पर्स में उपहार देने से उस व्यक्ति के पास चला जाता है, जिसके द्वारा पर्स हमें मिला है।

जब विश्व ज्ञानी सनातन गोस्वामी ने अपने ही भतीजे को जीतने पर लगाई फटकार...

एक समय की बात है, किसी शहर में बहुत दूर से एक विद्वान आया। उसने लोगों से कहा कि वह यहां के विद्वानों से शास्त्रार्थ करना चाहता है। कुछ लोग उसे शहर के प्रमुख विद्वानों के पास ले गए। उन्होंने कहा, हमारे यहां तो सनातन गोस्वामी और उनके भतीजे जीव गोस्वामी ही श्रेष्ठ ज्ञानी हैं। अगर वह आपको विजेता के रूप में स्वीकार कर मान्यता पत्र पर हस्ताक्षर कर देंगे तो हम भी आपको विजेता मान लेंगे।

वह विद्वान सनातन गोस्वामी के पास पहुंचा और बोला स्वामी जी या तो आप मुझसे शास्त्रार्थ कीजिए या मुझे विजेता का मान्यता पत्र प्रदान कीजिए। इस पर सनातन गोस्वामी बोले, भाई अभी हमने शास्त्र का मर्म ही कहां जाना है ? हम तो विद्वानों के सेवक हैं। यह कहते हुए उन्होंने मान्यता पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए। विद्वान मान्यता पत्र लेकर प्रसन्नतापूर्वक चला जा रहा था कि उसे जीव गोस्वामी मिल गए।

विद्वान ने उनसे भी कहा, आप इस मान्यता पत्र पर हस्ताक्षर करेंगे या मुझसे शास्त्रार्थ करेंगे ?

जीव गोस्वामी बोले, मैं शास्त्रार्थ करने के लिए तैयार हूं। दोनों में शास्त्रार्थ शुरू हो गया। शहर के लोग उत्सुकतापूर्वक यह सब देख रहे थे। लंबे शास्त्रार्थ में जीव गोस्वामी ने उस विद्वान को पराजित कर दिया। वह विद्वान दुखी होकर नगर से चला गया। जीव गोस्वामी ने सनातन गोस्वामी को अपनी विजय के बारे में बताया पर वह प्रसन्न नहीं हुए।

उन्होंने कहा, एक विद्वान को अपमानित करके तुम्हें थोड़ा यश मिल गया होगा लेकिन क्या करोगे यह यश लेकर ? यह केवल तुम्हारे अहंकार को बढ़ाएगा और तुम अपने अहंकार के कारण ज्ञान की साधना आगे कैसे कर पाओगे ? आखिर उस विद्वान को विजयी मान लेने में तुम्हारा क्या बिगड़ता था ? हमारे लिए यह जीवन-मरण, सुख-दुख, मित्र-शत्रु, सभी एक समान होते हैं। हमें हार-जीत के फेर में नही पड़ना चाहिए।

जीव गोस्वामी को अपनी भूल का एहसास हो गया। उन्होंने अपने व्यवहार के लिए उनसे क्षमा मांगी।

महाभारतः कौन सा पांडव भाई था महान ज्योतिषी

सहदेव ने दुर्योधन को दिया क्या गुर

पांडव भाइयों में सहदेव महान ज्योतिष विद्वान थे। वह अपनी इस विद्या के जरिए बहुत कुछ पहले से जान लेते थे। पांडवों को समय समय पर उन्होंने ज्योतिष सलाह देकर बचाया कुछ जगहों पर आगाह भी किया। जैसे उन्होंने पहले ही बता दिया था कि महाभारत जैसा युद्ध होगा। इसमें पांडवों के सभी बेटे मारे जाएंगे-ये चेतावनी भी उन्होंने दी थी।

पांडवों में सबसे छोटे सहदेव को महाभारत में एक महान ज्योतिषी के रूप में जाना जाता है। उनके पास गहन ज्ञान और दूरदर्शिता थी। माना जाता है कि उन्हें महाभारत युद्ध सहित महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में पहले से ही पता था।

हालांकि उन्हें अपने ज्ञान के बारे में चुप रहने का श्राप भी था। जिसने उनकी भूमिका को सीमित कर दिया। कई बार उन्हें अपने परिजनों से जुड़े आसन्न विनाश का पता रहता था लेकिन वह अपने प्रियजनों को इस बारे में बता नहीं पाते थे। उन्हें देवताओं के शिक्षक वृहस्पित से ज्यादा बुद्धिमान माना जाता थासहदेव को "त्रिकाल ज्ञानी" के रूप में जाना जाता था, जिसका अर्थ है कि उनके पास भूत, वर्तमान और भविष्य को जानने की शक्ति थी। उन्होंने भविष्यवाणी की कि अश्वत्थामा युद्ध के दौरान पांडवों के बेटों को मार देगा।

ज्योतिषीय सलाह को लेकर वह अपने भाइयों के पूर्ण सलाहकार भी थे। उनका ये सिद्धांत था कि जो भी उनके पास ज्योतिषीय सलाह के लिए आएगा, उसे वह सबकुछ सही सही ही बताएंगे, बेशक इसमें एक बार उनका और उनके भाइयों का बहुत बड़ा नुकसान होने वाला था। उन्होंने पांडवों के विनाश के बारे में महत्वपूर्ण अनुष्ठान की जानकारी उनके सबसे बड़े दुश्मन दुर्योधन को दे दी थी। कुरुक्षेत्र युद्ध की शुरुआत जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए शुभ समय (मुहूर्त) निर्धारित करने के लिए दुर्योधन ने सहदेव से परामर्श किया था।

अपनी ईमानदारी की वजह से उन्हें अपने दुश्मनों को भी ये जानकारी देनी पड़ी। इसके बाद भी दुर्योधन रुके नहीं बल्कि ये पूछ लिया कि आखिर पांडवों के खिलाफ कौन सा ऐसा अनुष्ठान किया जा सकता है, जिससे उन्हें महाभारत युद्ध में हर हाल में विजय मिल जाए। सहदेव को मालूम था कि ये सलाह पांडवों के खिलाफ जाएगी, उन्हें संकट में डाल देगी लेकिन तब भी उन्होंने अपने पेशेगत ईमानदारी के कारण दुर्योधन को ये बताया। उन्होंने दुर्योधन को अमावस्या के दिन यज्ञ करने की सलाह दी। अमावस्या को अक्सर ऐसे अनुष्ठानों के लिए एक आदर्श समय माना जाता है। जब ये बात कृष्ण को मालूम हुई तो वह चिंता में पड़ गए। इस संकट को कैसे टाला जाए, वह इसके बारे में सोच विचार करने लगे।और ये काम उन्हें दुर्योधन के यज्ञ से पहले ही करना था। अचानक उन्हें एक युक्ति सूझी। उन्होंने घोषणा कर दी वह भी अमावस्या के एक दिन पहले अमावस्या से संबंधित वह बड़ा अनुष्ठान करेंगे, जिससे महाभारत में पांडवों की जीत सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यज्ञ की पूरी तैयारी कर दी। वह इसको शुरू ही करने वाले थे कि सूर्य और चंद्रमा दोनों हाथ जोड़कर उनके सामने उपस्थित हो गए। उन्होंने कृष्ण से याचना की कि इसे नहीं करें। कृष्ण मुस्कराए। बोले जब सूर्य और चंद्रमा एक सीध में एक साथ हो जाएं तभी अमावस्या का मुहूर्त हो जाता है। इस समय आप दोनों एक साथ और एक सीध में एक जगह पर हैं, तो ये अमावस्या जैसा मुहूर्त ही है।

बाजीराव नहीं चाहते थे कि दिल्ली में लूटपाट हो

मराठों का इतिहास

पेशवा बाजीराव ने बादशाह को लिखे खत में कहा था कि वह दिल्ली के बाशिंदों को परेशान नहीं करना चाहते, उन्होंने दिल्ली पहुंचकर महल से कुछ दूर डेरा डाल दिया था।

बादशाह ने दिल्ली के कमांडर अमीर खां को 12 हजार की घुड़सवार सेना और तोपें लेकर बाजीराव से लड़ने भेजा। अमीर खां का सरदार मीर हसन कोका आगे बढ़ा, लेकिन मराठाओं की तलवारों से घायल हो गया। वह इतना डर गया था कि अपने चेहरे पर खुद धूल मल ली। मैदाने-जंग में उसे उसके साथियों ने बुलाया तो वह बोला, 'मुझे कोका मत बुलाओ, मराठाओं ने पहचान लिया तो जान से मार देंगे।'

बाजीराव के लिए अब शाही महल को कब्जे में लेना, घंटों का भी खेल नहीं बचा था। फिर बाजीराव ने शाही महल पर हमला क्यों नहीं किया, इसका ब्योरा उनके छोटे भाई चीमाजी को लिखे गए पत्रों से मिलता है।

असल में बाजीराव नहीं चाहते थे कि दिल्ली में लूटपाट हो। उनकी राजधानी पुणे थी, उन्हें दिल्ली पर शासन नहीं करना था। पेशवा को ये भी मालूम था कि सआदत खां और खान दौरां की सेना पूरी मजबूती से दिल्ली पहुंचने वाली थीं।

पुणे से इतनी दूर और सेना बुलाते तो दक्कन में निजाम-उल्क-मुल्क रोड़ा अटका सकता था, चीमा जी उसे रोकने के लिए एक बड़ी सेना लेकर दक्कन में रुके हुए थे। बाजीराव

ने चीमाजी को पत्र लिखा, 'अगर निजाम नर्मदा पार करने की कोशिश करे तो आगे बढ़कर उस पर नकेल डाल देना।'

बाजीराव का अपने भाई चीमाजी को लिखा हुआ पत्र जिसमें उन्होंने निजाम को रोकने के लिए सेना तैयार रखने को कहा था।

बाजीराव का अपने भाई चीमाजी को लिखा हुआ पत्र जिसमें उन्होंने निजाम को रोकने के लिए सेना तैयार रखने को कहा था।

गिरीश कुबेर के मुताबिक, बाजीराव के पीछे हटने की दूसरी वजह शाहूजी का आदेश था। शाहूजी के मन में मुहम्मद शाह के लिए एक नरम दिली थी, क्योंकि दिल्ली में कैद के दौरान औरंगजेब की दूसरी बेटी जीनत-उन-निसा ने उनका पालन पोषण किया था। शाहूजी उन्हें मां और उनके भाइयों को मामा मानते थे। इस सहानुभूति के चलते शाहूजी ने बाजीराव को मुहम्मद शाह पर हमला करने से मना कर दिया था।

हालांकि, दिसंबर 1737 में बादशाह की मिन्नत पर निजाम बाजीराव से लड़ने भोपाल पहुंचा। भोपाल के किले में सेना लेकर डेरा डाले निजाम को बाजीराव ने बाहर नहीं आने दिया। उसकी रसद जाने के रास्ते बंद कर दिए।

बाजीराव अपने एक पत्र में लिखते हैं, 'निजाम एक अनुभवी योद्धा है। उसकी सेना मजबूत है। मजबूत आर्टिलरी उसके पास है। मुझे समझ नहीं आता कि उसने किले में बंद होकर, खुद को मुश्किल में क्यों डाला हुआ है।' **(जारी)**

बहुत भाग्यशाली होते हैं ऐसे लोग जिनकी आंख की पुतली में होता है तिल

किसी के गाल पर, किसी की गर्दन पर, किसी के पैर और माथे पर तो किसी के पैर पर वहीं कई लोगों की आंखों की पुतली पर भी तिल होता है। हमारे शरीर के विभिन्न अंगों पर चाहे कहीं भी तिल हो, इसका सामुद्रिक शास्त्र में अत्यधिक महत्व बताया गया है। साथ ही इसके अर्थ भी अलग अलग होते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि, यदि तिल चेहरे पर है तो वह आपके भाग्य को दर्शाता है, वहीं नाक पर है तो यह आपके धनवान होने की ओर इशारा करता है और यदि तिल पैरों पर है तो यह आपके जीवन के उतार-चढ़ाव के बारे में बताता है। लेकिन, आंखों की पुतली पर स्थित तिल क्या कहता है?

व्यक्तित्व को दर्शाता है

समुद्र शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की आंखों की पुतली पर तिल होता है वे काफी भाग्यशाली माने जाते हैं। ऐसे लोग रचनात्मक होते हैं और उनकी जिंदगी में ढेरी सारी खुशियां होती हैं। इन लोगों को आसानी से किसी भी क्षेत्र में सफलता मिल जाती है, खास तौर पर यदि वे संगीत या साहित्य जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं। इसके साथ ही ऐसे लोग काफी भावुक भी होते हैं और दूसरों की मदद करने वाले होते हैं।

कार्यक्षेत्र में तरक्की

जिन लोगों की आंख की पुतली पर तिल होता है काफी नए विचारों वाले होते हैं और वे किसी भी विपरीत परिस्थिति में भी अपनी समस्या का समाधान ढंढ लेते हैं। उनके इस गुण के कारण ही अपने कार्य क्षेत्र में सफलता दिलाता है। इनमें नेतृत्व करने करने की क्षमता भी होती है और वे अपनी टीम को एक साथ लाने में सक्षम होते हैं। ऐसे में वे जिस भी क्षेत्र में होते हैं वहां ऊंचा मुकाम हासिल करते हैं।

घर की इस दिशा में लगाएं कनेर का पौधा

हिन्दू धर्म में कई सारे पेड़ पौधों को पवित्र और पूजनीय माना गया है। इनमें से कई को तो घर में लगाने मात्र से ही आपको कई तरह के फायदे होते हैं। इस आर्टिकल में हम खास तौर पर बात कर रहे हैं कनेर के पेड़ की। यह एक ऐसा पेड़ है, जिसका पौधा यदि आप घर में सही दिशा में लगाते हैं तो सकारात्मकता के साथ सुख-समृद्धि आती है। इसे वास्तु शास्त्र में सुख शांति का प्रतीक माना गया है।

आपको बता दें कि, कनेर के पेड़ में खिलने वाले फूलों का रंग पीला होता है और यह रंग श्रीहरि का प्रिय है। ऐसे में यह फूल माता लक्ष्मी का भी पसंदीदा माना गया है और जब यह पेड़ आप घर में लगाते हैं तो माता की कृपा आप पर बरसती है। इसके अलावा आयुर्वेद में भी कनेर के पौधे का महत्व बताया गया है। इसे किस दिशा में लगाना चाहिए?

किस दिशा में लगाएं कनेर का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में सफेद और पीले रंग के कनेर का फूल देने वाला कनेर का पेड़ लगाना बेहद ही शुभ है लेकिन, इसके लिए दिशा का विशेष ख्याल रखना चाहिए। आपको कनेर का पौधा पश्चिम या पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इससे आपको कई सारे लाभ मिलेंगे। साथ ही माता लक्ष्मी भी प्रसन्न होंगी लेकिन, ध्यान रहे कभी भी कनेर का लाल रंग के फूल देने वाला पौधा घर में ना लगाएं क्योंकि, इसे अशुभ माना गया है।

कनेर के पौधे का आयुर्वेद में महत्व

– यदि आपके घर में सफेद फूल देने वाला कनेर का पौधा है तो इसके पत्तों से खुजली जैसी परेशानी दूर होती है।

– आप कनेर के पत्तों को लौंग या पुदीना के तेल में पकाएं और फिर इसका इस्तेमाल खुजली वाली जगह पर लगाने में करें।

– यदि आपको दाद की समस्या है तो कनेर की जड़ को गोमूत्र में घिसकर लगाएं। ऐसा करने से आपको आराम मिलेगा।

अभिषेक बच्चन संग अफेयर की अफवाहों के बीच ये क्या कह गयी निमरत कौर

कभी दोनों के पुराने वीडियो वायरल होते हैं तो कभी दोनों के इंटरव्यू सुर्खियों में आ जाते हैं। फिलहाल तो निमरत कौर ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है लोग इस वीडियो को अभिषेक बच्चन के साथ जोड़ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है निमरत का ये वीडियो

निमरत कौर और अभिषेक बच्चन के अफेयर की खबरों ने जमकर हेडलाइन्स बटोरी हैं। इन्हीं अफवाहों के बीच निमरत कौर का लेटेस्ट वीडियो लोगों के होश उड़ा रहा है। क्योंकि इस वीडियो में निमरत कौर फ्रेंडशिप को लेकर बात करती नजर आ रही हैं।

दोस्ती को लेकर ये क्या कह गईं निमरत कौर

इस वीडियो में निमरत कौर पंजाबी में कहती नजर आ रही हैं कि फ्रेंडशिप इतनी पक्की होनी चाहिए कि लोग देखते ही जल जाए। इस वीडियो के शेयर करने के साथ ही निमरत कैप्शन में लिखती हैं- मेरी और करम चंद की दोस्ती तो है ऐसी। इस कैप्शन के साथ ही निमरत कौर दोस्तों का इमोजी और एक इवल आई बनाती हैं। बता दें कि यह एक पंजाबी लेडी की आवाज है जिसकी निमरत कैर लिप्सिंग करती नजर आ रही हैं।

निमरत का वीडियो देख लोगों ने किए ऐसे कमेंट्स

इस वीडियो को देख एक यूजर ने कमेंट करते हुए कहा- हम समझ गए कहां इशारा हो रहा है। तो वहीं दूसरे यूजर ने कहा एक तीर और दो निशाने। वहीं तीसरे यूजर ने लिखा- हां सही कहा- लोग आज कल जल ही रहे हैं। बता दें कुछ लोग निमरत के इस वीडियो में फ्रेंडशिप की कही बात को सुन अभिषेक बच्चन के साथ जोड़ रहे हैं।

'एक-दूसरे को चुनौती देना भी जरूरी है', जान्हवी के साथ अपने रिश्ते पर दिल खोलकर बोले भैया अर्जुन

अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपनी फिल्म 'सिंघम अगेन' में विलेन डेंजर लंकेश के किरदार में नजर आ रहे हैं। इस किरदार के लिए अर्जुन को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। हालांकि, फिल्म फ्लॉप होने की कगार पर आ गई है। इस बीच अर्जुन कपूर ने बहन जान्हवी के साथ अपने रिश्ते का खुलासा किया है और बताया है कि पिछले कुछ वर्षों में उनके बीच का संबंध और गहरा होता गया है।

बहनों पर लुटाया प्यार

अर्जुन कपूर का अपनी बहनों जान्हवी और खुशी कपूर के साथ रिश्ता समय के साथ मजबूत होता गया है। अभिनेता ने हाल ही में अपनी छोटी बहनों पर प्यार लुटाया, और बताया कि कैसे पिछले कुछ वर्षों में वह अपनी बहनों के साथ काफी बातचीत करने लगे है, जिससे उनके बीच एक मजबूत रिश्ता बन गया है।

रिश्ते में ईमानदारी पर जोर देते हैं अभिनेता

अर्जुन ने न्यूज 18 के साथ एक इंटरव्यू में जान्हवी के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की और अपने रिश्ते में ईमानदारी के महत्व पर जोर दिया। उनका मानना है कि जहां प्रशंसा महत्वपूर्ण है, वहीं जरूरत पड़ने पर एक-दूसरे को चुनौती देना भी उतना ही जरूरी है। वह जान्हवी के काम करने के तरीके और अपने करियर में जोखिम लेने की इच्छा की प्रशंसा करते हैं, और जब भी उन्हें जरूरत होती है, वह उन्हें समर्थन देते हैं।

जान्हवी के साथ मजबूत हुआ रिश्ता

'सिंघम अगेन ' स्टार ने बताया कि जान्हवी के साथ उनकी बातचीत अक्सर काम से आगे बढ़कर जीवन और भोजन जैसे विषयों पर केंद्रित होती है। उन्होंने स्वीकार किया कि हालांकि उनके भाई-बहन का रिश्ता मजबूत है।

इस फिल्म में आएंगे नजर?

वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर अनीस बज्मी की निर्देशित ' नो एंट्री 2 ' में नजर आएंगे । जबकि एक आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। अर्जुन ने इसे ₹घर वापसी₹ कहते हुए अपना उत्साह व्यक्त किया है। वही, उनकी फिल्म सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर सुस्त पड़ रही है।

'यह पीढ़ी अंधी दौड़ रही है', बच्चों के लिए शक्तिमान को फिर स्क्रीन पर लाना चाहते हैं मुकेश खन्ना

90 के दशक के हर बच्चे का एक पसंदीदा सुपरहीरो था, और वह बैटमैन या स्पाइडर-मैन नहीं था। यह प्रतिष्ठित टीवी शो 'शक्तिमान' था। और अब एक बार फिर बच्चों का यह पसंदीदा सुपरहीरो दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए फिर से स्क्रीन पर वापस आ गया है। मुकेश खन्ना ने हाल ही में शक्तिमान का टीजर साझा कर प्रशंसकों को बड़ा तोहफा दे दिया है।

शक्तिमान की हुई वापसी

भारत के सबसे बड़े सुपरहीरो शक्तिमान की भूमिका निभाने के लिए मशहूर दिग्गज अभिनेता मुकेश खन्ना ने प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया जब, उन्होंने भारतीय स्क्रीन पर इस प्रतिष्ठित किरदार की वापसी की घोषणा की। सोमवार को एएनआई से बात करते हुए, अभिनेता ने इस भूमिका के साथ अपने गहरे जुड़ाव और इसे फिर से निभाने के बारे में अपनी उत्सुकता के बारे में बताया।

स्क्रीन पर शक्तिमान बनकर खुश हैं अभिनेता

अभिनेता ने कहा, यह मेरे अंदर का कॉस्ट्यूम है...मैं व्यक्तिगत रूप से भी सोचता हूं कि मेरे दिमाग से यह कॉस्ट्यूम मेरे अंदर से आई है। मैंने शाक्तिमान में अच्छा प्रदर्शन किया क्योंकि यह मेरे अंदर से आई है...अभिनय पूरी तरह आत्मविश्वास से जुड़ा है। जब मैं शूटिंग कर रहा होता हूं तो कैमरे के बारे में भूल जाता हूं...मैं फिर से शक्तिमान बनकर दूसरों से ज्यादा खुश हूं।

नई पीढ़ी को शक्तिमान दिखाना चाहते हैं अभिनेता

शक्तिमान को नई पीढ़ी तक वापस लाने पर अभिनेता ने कहा, मैं अपना कर्तव्य निभा रहा हूं जो मैंने 1997 में शुरू किया था और जो 2005 तक चला। मुझे लगता है कि मेरा काम 2027 में जनता तक पहुंचना चाहिए क्योंकि आज की पीढ़ी अंधी होकर दौड़ रही है। उन्हें रोकना होगा और उन्हें सांस लेने के लिए कहना होगा।

जारी किया पोस्टर

रविवार को मुकेश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्टर शेयर किया और टीजर वीडियो की घोषणा की, जिसमें शक्तिमान की वापसी की झलक दिखाई गई है।

'भूल भुलैया 3' की आंधी में उड़ी 'सिंघम अगेन' 200 करोड़ क्लब में हुई शानदार एंट्री

अजय देवगन और करीना कपूर खान की कॉप यूनिवर्स 'सिंघम अगेन' और कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी 'भूल भुलैया 3' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी कमाई करने के लिए कड़ी टक्कर में हैं। अपने दूसरे सोमवार को 'सिंघम अगेन' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 'भूल भुलैया 3' को थोड़े से अंतर से पीछे छोड़ दिया, लेकिन बजट के हिसाब से सिंघम अगेन अभी भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होती दिख रही है। वहीं, कार्तिक की भूल भुलैया 3 अब 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है।

'भूल भुलैया 3' ने बेहतरीन कारोबार किया है। लोकप्रिय फ्रैंचाइजी की इस तीसरी किस्त ने 200 करोड़ का कारोबार कर हर किसी को हैरान कर दिया है। और यह प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी साबित हुई है। यही नहीं, इस फिल्म को मध्यम बजट पर भी बनाया गया था और 'सिंघम अगेन' जितना नहीं, इसलिए यह संख्या काफी अच्छी मानी जा रही है।

दूसरे वीकेंड में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद, 'भूल भुलैया 3' ने सोमवार को गिरावट देखी। फिल्म ने शनिवार और रविवार को 15.5 करोड़ रुपये और 16 करोड़ रुपये कमाए, जो इसके दूसरे वीकेंड के लिए काफी अच्छा नंबर था। यह 'सिंघम अगेन' से ज्यादा था। इसके साथ ही फिल्म ने आखिरकार 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म का अब तक का कुल कलेक्शन 204 करोड़ रुपये है। फिल्म ने 11वें दिन 5 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म 204.00 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड के लिए यह दिवाली वाकई खुशियों भरी थी। दिवाली वीकेंड पर रिलीज हुई दोनों फिल्मों ने टिकट खिड़की पर शानदार प्रदर्शन किया था।

हालांकि, अब फिल्म की हालत खस्ता चल रही है। फिल्म ने भले ही ओपनिंग डे पर अच्छी कमाई की थी, लेकिन 200 करोड़ का आंकड़ा पार करने में फिल्म की सांस फूल गई है। सिंघम अगेन का बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। 11वें दिन 4.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 211.00 करोड़ रुपये ही हो सकी है।

अनिल कपूर की तेजाब को पूरे हुए 36 साल एक्टर ने ऐसे किया सेलिब्रेट

फिल्म 'तेजाब' के 36 साल पूरे होने की खुशी मनाते हुए एक्टर अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है. इस वीडियो में कुछ लोगों को 'एक दो तीन चार' गाने पर डांस करते हुए देखा जा सकता है.

अनिल कपूर ने शेयर किया वीडियो

अनिल ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन में लिखा, तेजाब के 36 साल पूरे होने का जश्न, फिल्म, यादगार संगीत और बेहतरीन किरदार महेश देशमुख उर्फ मुन्ना आज भी लाखों लोगों के दिलों में जिंदा हैं. लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के संगीत, जावेद अख्तर के बोल और अनुपम खेर के साथ माधुरी दीक्षित नेने के लाजवाब अभिनय के साथ एन. चंद्रा की इस रचना ने एक युग को परिभाषित किया है."

एन. चंद्रा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित मुख्य भूमिकाओं में थे. रोमांटिक एक्शन ड्रामा ने माधुरी दीक्षित को 10 फ्लॉप फिल्मों के बाद सुपरस्टार बना दिया. यह फिल्म अभिनेत्री का पहला बड़ा ब्रेक था और इसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया. फिल्म में अनिल कपूर ने महेश देशमुख उर्फ मुन्ना की भूमिका निभाई थी, जो नौसेना छोड़ने के बाद अपने माता-पिता की हत्या करने वाले गिरोह से बदला लेने के लिए गुंडा बन जाता है. फिल्म में मुन्ना और माधुरी दीक्षित के किरदार के बीच एक प्रेम कहानी भी है, जिसमें वह उसी गिरोह के चंगुल से उसे बचाने के लिए संघर्ष करता है.

11 नवंबर, 1988 को रिलीज हुई तेजाब बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी हिट रही और साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई. 50 से ज्यादा हफ्तों तक सिनेमाघरों में चलने के बाद इस फिल्म ने चंद्रा को अंकुश और प्रतिघात जैसी हिट फिल्मों के बाद लगातार तीसरी सफलता दिलाई.

यह फिल्म खास तौर पर अपने गाने एक दो तीन के लिए मशहूर हुई, जो म्यूजिक चार्ट में सबसे ऊपर रहा और आज भी क्लासिक बना हुआ है. अनिल कपूर की इस फिल्म को तेलुगु में टू टाउन राउडी के नाम से बनाया गया, जिसमें दग्गुबाती वेंकटेश ने मुख्य भूमिका निभाई और तमिल में रोजावाई किलाथे के नाम से अर्जुन ने मुख्य भूमिका निभाई. इस कहानी ने प्रभास अभिनीत 2004 की तेलुगु फिल्म वर्षम को भी प्रेरित किया. इसके अलावा, फिल्म का मुख्य कथानक 1984 की हॉलीवुड फिल्म स्ट्रीट्स ऑफ फायर पर आधारित है. अनिल कपूर अगली बार फिल्म सूबेदार में नजर आएंगे, जो निर्देशक सुरेश त्रिवेणी के साथ उनका पहला सहयोग है.

'मैं कैटरीना कैफ को नहीं जानती..' दीपिका पादुकोण के वीडियो से मचा बवाल, भड़क गए लोग!

दीपिका पादुकोण और कैटरीना कैफ को इंडस्ट्री की दो सबसे बड़ी अभिनेत्रियां माना जाता है। इन फैन फॉलोविंग शानदार है और कहा जाता है कि दोनों एक दूसरे को कुछ खास पसंद नहीं करती हैं।

हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है इसको लेकर किसी तरह का खुलासा कभी नहीं हुआ है। लेकिन इस वक्त दीपिका पादुकोण का एक पुराना वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

इस वीडियो में दीपिका पादुकोण ने कैटरीना कैफ को लेकर कहा था कि वो कैटरीना को नहीं जानती हैं। अब वीडियो फिर से सामने आया है और इस दौरान दीपिका पादुकोण के साथ सोनम कपूर भी नजर आ रही हैं।

करण जौहर ने पूछा था सवाल

वीडियो में कॉफी विद करण का है। करण जौहर ने सवाल पूछा, "क्या आप कैटरीना कैफ को पसंद करती हैं?" इस पर दीपिका पादुकोण चुप हो गई और सोनम कपूर की तरफ देखकर हंसने लगीं। दीपिका ने जवाब दिया, "मैं उनको नहीं जानती हूं अच्छे से कि मैं उनको पसंद करूं या नापसंद करूं।" करण- "अगर आप कैटरीना का देखेंगी तो उनको विश करने जाएंगी?" दीपिका- "हां बिल्कुल क्योंकि वो मेरी सीनियर हैं।"

लोग कर रहे हैं कमेंट्स

अब इस थ्रोबैक वीडियो को लेकर लोग कई तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "कैटरीना इन दोनों से बेहतर एक्टर हैं।" एक ने लिखा, "सोनम से कहो शांत रहे।" एक ने लिखा, "कैटरीना उन सभी से अधिक समझदार और ईमानदार हैं।" एक ने लिखा, "वह कैटरीना से बहुत जलती है।" एक ने लिखा, "कैटरीना क्लास एक्ट, तुम्हें उससे कुछ सीखना चाहिए।" इस तरह से लोग रिएक्ट कर रहे हैं।

कैसा होगा 'बेबी जॉन' में सलमान खान का कैमियो? वरुण धवन ने दिलचस्प अंदाज में बताया

वरुण धवन इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बेबी जॉन' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म की कुछ झलकियां दर्शकों के सामने पहले ही आ चुकी हैं। इसके साथ वरुण भी फिल्म के प्रचार में जुटे हुए हैं। फिल्म को लेकर खबर है कि 'बेबी जॉन' में बॉलीवुड के दबंग सलमान खान की भी विशेष भूमिका होगी। वे इसमें मजेदार कैमियो करते नजर आएंगे। अब वरुण ने इस बारे में कुछ दिलचस्प जानकारियां साझा की हैं।

फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे वरुण धवन ने सलमान खान के कैमियो की खबर की पुष्टि की और इसके बारे में कुछ जानकारी साझा की। दरअसल, वरुण धवन हाल ही में 'सिटाडेलः हनी बनी' में सामंथा रुथ प्रभु के साथ नजर आए। सीरीज में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें तारीफें मिल रही हैं। ऐसे में उन्होंने अब अपने एक्स अकाउंट पर 'आस्क मी एनीथिंग' सत्र का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने प्रशंसकों के मजेदार सवालों के दिलचस्प जवाब भी दिए।

उनके निजी जीवन और करियर के बारे में अन्य सवालों के अलावा कई प्रशंसकों ने 'बेबी जॉन' में सलमान खान के कैमियो को लेकर भी सवाल किए। एक यूजर ने वरुण धवन से फिल्म में सलमान के कैमियो की लंबाई के बारे में पूछा, जिसके जवाब में बदलापुर अभिनेता ने लिखा, 'मिनट नहीं बोलूंगा, प्रभाव बहुत ज्यादा काफी महीनों का मिलेगा।' अभिनेता का जवाब संतुष्ट करने वाला है, क्योंकि 'सिंघम अगेन' में भी सलमान ने दबंग के 'चुलबुल पांडे' के रूप में कैमियो किया, जिसकी जबर्दस्त चर्चा रही।

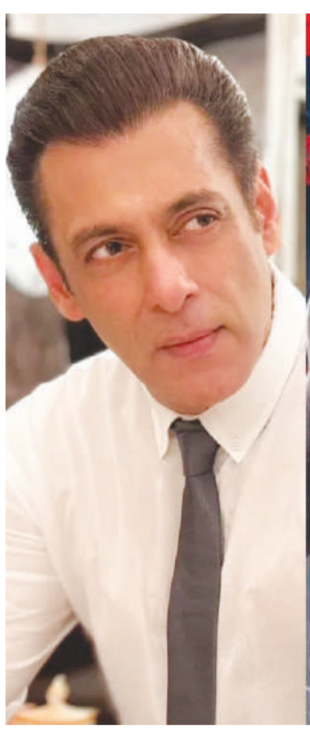

एक अन्य प्रशंसक ने पूछा कि बेबी जॉन में सलमान भाई के कैमियो के बारे में कुछ बताइए।' इस सवाल के जवाब में अभिनेता ने बस फिल्म की रिलीज की तारीख, 25 दिसंबर, 2024 की जानकारी दी। इसके साथ ही एक प्रशंसक ने धवन से पूछा कि क्या एटली निर्मित फिल्म में कोई सरप्राइज पैकेज होगा, अभिनेता ने उनका उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि एक बड़ा पैकेज है, जिसके बाद वरुण के इस जवाब को लोगों ने सलमान खान के कैमियो से जोड़ दिया।

बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव जैसे प्रतिभाशाली कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन ए. कालीस्वरन ने किया है और इसे जियो स्टूडियोज, एटली ने ए फॉर एप्पल स्टूडियोज और सिने1 स्टूडियोज के साथ मिलकर बनाया है। यह फिल्म 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है।

पुष्पा-द रूल ने रिलीज से पहले भारतीय सिनेमा के लिए नए मानक किए स्थापित

निर्देशक सुकुमार की बहुचर्चित एक्शन थ्रिलर फिल्म पुष्पा 2ः द रूल 5 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार है। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की पुष्पा 2 ने रिलीज से पहले ही इतिहास रच दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुष्पाः द रूल ने अपने नॉन-थिएट्रिकल राइट्स से ही करोड़ों का कारोबार कर लिया है, जो आश्चर्यजनक है।

जैसे-जैसे पुष्पाः द रूल की रिलीज डेट नजदीक आ रही है प्रशंसकों का उत्साह फिल्म को लेकर बढ़ता ही जा रहा है। फिल्म ने रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है।

17 दिसंबर साल 2021 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा-द राइज के बहुप्रतीक्षित सीक्वल पुष्पा 2 ने अपने नॉन-थिएट्रिकल राइट्स के लिए रिकॉर्ड तोड़ डील हासिल कर ली है

पुष्पा 2 की नॉन-थिएट्रिकल राइट्स ने भारत में सबसे ज्यादा प्रतीक्षित फिल्मों में से एक के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ निर्माता के.ई. ज्ञानवेल राजा ने खुलासा किया है कि केवल हिंदी संस्करण के नॉन थियोरेटिकल अधिकार ही 260 करोड़ रुपये में खरीदे गए हैं, जिससे देश में एकल या बहु-भाषा नॉन थियोरेटिकल अधिकार अधिग्रहण के लिए एक नया मानक स्थापित किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माता राजा ने आगे कहा है कि फिल्म पुष्पा 2 का कलेक्शन केजीएफ 2 के कलेक्शन को भी पार कर ले जाएगा और उन्हें इससे भी अधिक सफलता की संभावना है।

निर्देशक सुकुमार की फिल्म पुष्पा 2 को लेकर निर्माता राजा की केजीएफ को लेकर यह उम्मीदें कितनी सच होती हैं यह तो समय ही तय करेगा।

पुष्पा 2ः द रूल अपने पिछले संस्करण की तुलना में और भी बड़ी फिल्म का दावा करती है। फिल्म के ट्रेलर और फिल्म के लिए प्रशंसकों के उत्साह को देखते यह फिल्म बॉक्स ऑफिस के कई फिल्मों के रिकॉर्ड को तोड़ सकती है और भारतीय सिनेमा में एक ऐतिहासिक फिल्म के रूप में अपनी जगह बना सकती है।

बालों में ढेर सारा तेल लगाने के नुकसान हर किसी के लिए जानना है जरूरी

आपने अक्सर दादी-नानी को कहते सुना होगा कि बालों में जितना ज्यादा तेल लगाएंगे, उतना ही ज्यादा आपके बाल मजबूत बनेंगे। कई मायनों में ये सच भी है। पर, आज के समय में लोग बालों में तेल लगाने से बचते हैं। उनका मानना है कि बालों में ज्यादा तेल लगाने से कई नुकसान झेलने पड़ सकते है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक तो आजकल बिना केमकल वाला हेयर ऑयल आपको मिलेगा नहीं, दूसरी वजह है लगातार बढ़ता प्रदूषण।

लगातार बढ़ते प्रदूषण के बीच अगर आप रोजाना अपने बालों में ढेर सारा तेल लगाएंगे तो ये आपके बालों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है, जिनके बारे में आपको भी जरूर पता होना चाहिए। यहां आज हम आपको इसी बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। इस लेख में हम आपको ज्यादा तेल लगाने से होने वाले 5 बड़े नुकसानों के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्कैल्प पर जमेगा तेल

अक्सर लोग बालों में हर रोज तेल लगाते हैं। ज्यादा तेल लगाने से स्कैल्प की त्वचा अत्यधिक तैलीय हो सकती है, जिससे बाल चिपचिपे और भारी महसूस होते हैं। इससे बाल कमजोर होने लगते हैं।

पोर्स का बंद होना

अगर आप बालों पर अत्यधिक तेल का इस्तेमाल करते हैं तो ये आपकी स्कैल्प के पोर्स को बंद कर सकता है, जिससे बालों के विकास में बाधा आ सकती है और डैंड्रफ की समस्या हो सकती है।

बालों में गंदगी होगी जमा

बहुत ज्यादा तेल लगाने से बालों में धूल और गंदगी जल्दी चिपकती है, जिससे बालों में संक्रमण और खुजली हो सकती है। खुजली की समस्या से आपको काफी परेशानी का सामना करना पड़ा सकता है।

बालों का झड़ना

अत्यधिक तेल लगाने से बालों की जड़ों में वजन बढ़ सकता है, जिससे बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं। कई बार ऐसा होता है कि ज्यादा तेल बालों में जमने लगता है तो उससे बाल कमजोर हो जाते हैं, जिस कारण बाल झड़ने लगते हैं।

घर पर बाल दिवस मनाने का शानदार आइडिया
बच्चों का दिन बन जाएगा खास

बाल दिवस देशभर में 14 नवंबर को मनाया जाता है। इस दिन पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती होती है। पंडित नेहरू बच्चों को बहुत प्यार करते हैं। इसीलिए उनके जन्मदिन को बच्चों के नाम समर्पित कर दिया गया। बाल दिवस बच्चों के जीवन का एक खास दिन होता है। बच्चों के लिए खुशियों से भरा यह दिन उनको भविष्य की शुभकामनाएं देने के लिए मनाया जाता है। समाज और देश के विकास के लिए बच्चों के महत्व और उपयोगिता को समझें और उनके बाल मन को खुश करने का प्रयास करें।

ऐसे में हर साल बाल दिवस के मौके पर स्कूल- कॉलेजों में खास कार्यक्रमों का आयोजन होता है, जिसमें बच्चों को प्रोत्साहित किया जाता है। हालांकि कुछ जगहों पर बाल दिवस की छुट्टी भी होती है। ऐसे में अपने बच्चे के लिए बाल दिवस को घर पर ही खास तरीके से सेलिब्रेट करें। यहां कुछ खास और मजेदार गतिविधियां बताई जा रही हैं, जिससे बच्चे के दिन को मजेदार और यादगार बनाया जा सकता है।

पार्टी का आयोजन करें

बच्चों के लिए एक छोटी सी पार्टी का आयोजन घर पर किया जा सकता है। उनकी पसंद के रंग-बिरंगे गुब्बारों और सजावट से घर को सजाएँ। पार्टी में बच्चों के मनपसंद खेलों का आयोजन करें और उनके दोस्तों को भी बुलाएँ। बच्चों के पसंदीदा स्नैक्स, जैसे पिज्जा, बर्गर, पास्ता, और मिठाइयाँ शामिल करके उन्हें खुश किया जा सकता है।

थीम आधारित पोशाक प्रतियोगिता

बच्चे अपने पसंदीदा किरदारों को निभाना पसंद करते हैं। उनके पसंदीदा कार्टून, सुपरहीरो, या ऐतिहासिक चरित्रों पर आधारित एक थीम कॉस्ट्यूम पार्टी का आयोजन करें। बच्चे न केवल अपनी पोशाक में उत्साहित होंगे, बल्कि वे अपने किरदार के बारे में अन्य बच्चों को भी बताएंगे। इस गतिविधि से बच्चों में आत्मविश्वास और नाटक के प्रति रुचि भी बढ़ेगी।

कुकिंग एक्टिविटी में शामिल करें

बच्चे हमेशा अपने माता-पिता के साथ कुछ नया सीखना चाहते हैं। बच्चों के लिए कुकिंग एक शानदार एक्टिविटी हो सकती है, जिसमें आप उन्हें कुछ आसान रेसिपीज जैसे सैंडविच, फ्रूट सलाद, या कैंडीज बनाने के लिए मदद कर सकते हैं। इस एक्टिविटी से बच्चों में खाना बनाने के प्रति रुचि जागेगी, और वे नई चीजें सीखेंगे।

बच्चों की पसंदीदा फिल्में और कार्टून्स देखें

बाल दिवस पर बच्चों की पसंदीदा फिल्में या कार्टून देखने के लिए परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठें। बच्चों को उनकी पसंद की फ़िल्म या सीरीज दिखाएँ, जैसे कि एनिमेटेड फिल्में, एडवेंचर फिल्में, या कॉमेडी शो। आप बच्चों के लिए पॉपकॉर्न और अन्य स्नैक्स भी तैयार कर सकते हैं, ताकि वे इस समय को और भी आनंद से मना सकें।

बिना पार्लर जाए घर पर ही करें मिल्क फेशियल, चांद सा चमकेगा चेहरा

कौन नहीं चाहता कि उनकी त्वचा हमेशा खिली-खिली रहे और दमकती रहे। दमकती त्वचा पाने के लिए लोग न सिर्फ महंगे-महंगे स्किन केयर ट्रीटमेंट कराते हैं बल्कि साथ में महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट भी इस्तेमाल करते हैं।आज-कल तो बाजार में हर स्किन टाइप के हिसाब से ही तमाम प्रोडक्ट मिल जाते हैं जो इंस्टेंट ग्लो भी देते हैं। लेकिन बहुत से लोगों को बाजारों में मिलने वाले प्रोडक्ट सूट नहीं करते। ऐसे में वो दादी-नानी के नुस्खे अपनाते हैं।

यदि आप भी उन्हीं लोगों में से हैं तो हम भी यहां आपको एक खास नुस्खा बताने जा रहे हैं। दरअसल, आप दूध से फेशियल करके आप अपनी त्वचा को दमका सकते हैं। यहां हम आपको दूध से फेशियल करने का सही तरीका भी बताने जा रहे हैं।

पहले करें चेहरा साफ

मिल्क फेशियल करने के लिए सबसे पहले अपने चेहरे को हल्के क्लीजिंग मिल्क की मदद से अच्छी तरह साफ कर लें, ताकि आपके चेहरे का मेकअप और गंदगी हट जाए। इससे फेशियल ज्यादा असर दिखाएगा।

अब बारी आती है मास्क की

चेहरे को साफ करने के बाद फेस मास्क तैयार करें। इसके लिए 2-3 चम्मच दूध में 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच गुलाब जल मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। यह मास्क आपकी त्वचा को हाइड्रेट करेगा और उसे सॉफ्ट बनाएगा। कुछ देर के बाद गुनगुने पानी से चेहरा गीला करें और चेहरे की मसाज करें। पांच मिनट मसाज करके चेहरा धो दें।

मास्क के बाद चेहरे पर लगाएं दूध

फेस मास्क के इस्तेमाल के बाद अब थोड़ा सा ताजे दूध से चेहरे को हल्के हाथों से थपथपाएं, ताकि त्वचा को अतिरिक्त नमी मिले। इससे चेहरा खिल उठेगा।

रखें इन बातों का ध्यान

अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो पहले इसे छोटे से हिस्से पर टेस्ट करें, यदि कहीं जलन और एलर्जी जैसा लग रहा है तो इसका इस्तेमाल न करें। सप्ताह में 1-2 बार ही दूध से फेशियल करें, ताकि आपकी त्वचा को पर्याप्त आराम मिले।

आंवला कैंडी बनाने का सबसे आसान तरीका

सर्दियों के मौसम की शुरुआत होते ही बाजार में काफी ज्यादा मात्रा में आंवला आने लगता है। आंवला में कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिनके सेवन से शरीर की कई परेशानियां दूर होती हैं।

आंवले के सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ जाती है। ऐसे में डॉक्टर भी इसके सेवन की सलाह बच्चे से लेकर बड़ों तक को देते हैं। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्वों की वजह से ही इसका उपयोग कई प्रकार की दवाई बनाने में होता है।

कैंडी बनाने का सामान

- आंवला – 500 ग्राम
- चीनी – 300 ग्राम
- पानी – 1 कप
- नमक – छोटा चम्मच
- काला नमक – 1 छोटा चम्मच
-अजवाइन(सौंठ)– छोटा चम्मच
- हींग – 1 चुटकी
- काली मिर्च – छोटा चम्मच
- नींबू का रस – 2 बड़े चम्मच
- हल्दी – छोटा चम्मच
- चीनी का शक्कर सीरप

विधि

आंवला कैंडी बनाने के लिए सबसे पहले आंवला को अच्छे से धोकर, बीज निकालकर काट लें। इसके बाद एक बर्तन में पानी उबालें और उसमें आंवला डाल दें। अब इसे 5-10 मिनट तक उबालें। फिर आंवला निकाल कर ठंडा कर लें। अब एक कढ़ाई में 1 कप पानी और चीनी डालकर उबालें।

चीनी पूरी तरह से घुल जाए और चाशनी तैयार हो जाए, तब उसमें हींग, अजवाइन, काली मिर्च, हल्दी, और नमक डालें। इस चाशनी को 5-7 मिनट तक उबालें ताकि चाशनी गाढ़ी हो जाए। चाशनी का तापमान थोड़ा ठंडा हो जाए, तो उसमें नींबू का रस डालें।

उबले हुए आंवले को चाशनी में डालकर अच्छे से मिला लें। 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें ताकि आंवला चाशनी को सोख सके और स्वाद भर जाए। अब आंवला कैंडी को निकालकर अच्छे से सूखने के लिए किसी प्लेट या ट्रे पर रख दें। इसे धूप में 1-2 दिन तक सूखने के लिए छोड़ दें।

फायदे ही नहीं व्यस्त रहने के हैं कई नुकसान भी, निकालेंगे खुद के लिए थोड़ा वक्त

कुछ लोग बहुत परिश्रमी होते हैं और अपने समय का सदुपयोग करने के लिए पूरे दिन व्यस्त रहते हैं। लेकिन कहीं यह व्यस्तता आपकी आदत तो नहीं बन गई है? हम लोग आज एक ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां व्यस्तता को आदर्श माना जाता है। यदि आप व्यस्त नहीं हैं तो आलसी और रचनात्मक नहीं हैं। यह आपकी नकारात्मकता को दर्शाता है। दिल्ली की रहने वाली शालिनी को भी ऐसा ही लगता है। जब भी कोई उससे पूछता है कि वह कैसी है तो उसका हमेशा एक ही जवाब होता है- "व्यस्त हूं! बाद में बात करती हूं।" क्या शालिनी की तरह आपका जवाब भी यही होता है? दरअसल, यह एक संकेत है कि आप व्यस्तता की आदी हो गई हैं?

24 घंटे भी कम

यदि आप हमेशा एक काम से दूसरे काम में भागती रहती हैं और ऐसा महसूस करती हैं कि आपके पास कभी पर्याप्त समय नहीं होता तो यह इस बात का संकेत है कि व्यस्तता ने आपके जीवन पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है। यह भावना आपको व्यस्त न होने पर अपराधबोध महसूस कराती है और आत्मविश्वास को कमजोर करती है।

अपनी देखभाल की उपेक्षा

अगर आप लगातार अपनी देखभाल का त्याग या जरूरतों की उपेक्षा कर रही हैं तो समय आ गया है कि आप खुद को समय दें। असल में, व्यस्त शेड्यूल की वजह से महिलाएं अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देती हैं। ऐसे में भोजन करना भूल जाना या पानी न पीना आपको बीमार कर सकता है।

हमेशा अतिरिक्त कार्य

क्या आपके जीवन में काम करने की कोई सीमा नहीं है? क्या आप काम पर या अपने निजी जीवन में अतिरिक्त कार्य करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं? आपको न कहना असंभव लगता है? इन सारी वजहों से आप खुद को प्रतिबद्धताओं से घिरा पाती हैं और व्यस्तता के जाल में फंसी रहती हैं, जो कि आपकी निजी और पेशेवर, दोनों ही जिंदगियों के लिए खतरा है।

कुशलता बनाम व्यस्तता

कई लोग छूट जाने या प्रॉडक्टिव न होने के डर से अपना शेड्यूल चरम सीमा तक पैक कर लेते हैं। उन्हें लगता है कि अगर ज्यादा काम नहीं किया तो सफलता नहीं मिलेगी। वहीं अगर आप लगातार अपनी प्रोडक्टिविटी को बाहरी मान्यता या अनुमोदन से जोड़कर देख रही हैं तो यह आप पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

खाली समय में तनाव

जब आपको छुट्टी या कुछ खाली समय मिलता है तो क्या आप इस खालीपन में बेचैनी महसूस करती हैं? इस दौरान आपको आराम करने और इस समय का आनंद लेने में परेशानी होती है, क्योंकि आपको लगता है कि कुछ महत्वपूर्ण काम छूट जाएगा? अगर ऐसा है तो यह आपके लिए बड़ी परेशानी है, जिस पर आपको ध्यान देना होगा।

भावनाओं को छुपाना

कई लोगों के लिए खुद को पूरे समय कार्यों में व्यस्त रखना, अपने जीवन की समस्याओं से बचने का एक तरीका होता है। असल में, जब हमारा दिमाग किसी कार्य में व्यस्त नहीं होता है तो उल्टे-सीधे विचार आने लगते हैं। लोग इसी तनाव से बचने के लिए व्यस्त रहने की कोशिश करते हैं।

आप मशीन तो नहीं

व्यस्त रहने की आदत आपके रिश्तों के साथ-साथ व्यक्तित्व पर भी नकारात्मक असर डालती है। इसलिए सबसे पहले आप इसकी वजह जानने का प्रयास करें कि क्या कारण है, जो आप इतनी व्यस्त हैं? असल में कई लोग व्यस्तता को आत्मरक्षा के रूप में इस्तेमाल करते हैं और खुद को उन लोगों से मिलने तथा समारोह में जाने से बचाते हैं, जिन्हें वे पसंद नहीं करते। वहीं इसका दूसरा पक्ष है खुद को कामगार दिखाकर दूसरों को आलसी दिखाना। लेकिन आपको इन सबसे ऊपर उठकर यह समझना होगा कि आप एक इन्सान हैं, कोई मशीन नहीं, जो दिन-रात किसी न किसी काम में व्यस्त रहें और अपने दिमाग को कूड़ेदान बना लें। इसलिए समय को व्यवस्थित करें।

क्या आपके घर के बड़े-बुजुर्ग भी हैं चिड़चिढ़े हो सकती है ये पांच वजह

परिवार का आशीर्वाद होते हैं बड़े-बुजुर्ग, लेकिन कई बार उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। आपको इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। परिवार में बड़े-बुजुर्गों का होना आशीर्वाद की तरह होता है, मगर कई परिवारों में बड़े-बुजुर्गों का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, जिस वजह से न सिर्फ वे खुद परेशान होते हैं, बल्कि परिवार का माहौल भी खराब होने लगता है। असल में, उम्र के साथ शरीर में कई हार्मोनल बदलाव होते हैं, जो मानसिक स्थिति पर भी असर डालते हैं और अवसाद एवं चिड़चिड़ेपन को जन्म देते हैं। लेकिन आप इसे उम्र का एक पड़ाव समझकर नजरअंदाज न करें, बल्कि इस पर ध्यान देकर उनके स्वभाव में नरमी ला सकती हैं।

बात कर परेशानी समझें

कोई भी कदम उठाने से पहले आप उनसे खुलकर बात करें और जानने की कोशिश करें कि वे किस कारण चिड़चिड़ा महसूस कर रहे हैं। हो सकता है कि वे किसी परेशानी से जूझ रहे हों। इसलिए आप उनकी भावनाओं को समझें। आप उन्हें अपने अनुभवों और चिंताओं को साझा करने का मौका दें, ताकि वे अकेला महसूस न करें और चिड़चिड़ापन उनके स्वभाव में न आए।

समय की कमी

स्वभाव में चिड़चिड़ापन आने की सबसे मुख्य वजह होती है उनकी बातों को न सुना जाना या नजरअंदाज कर देना। परिवार के बड़े-बुजुर्ग इस उम्र में अपनी जिम्मेदारियों से आजाद हो जाते हैं और अपनों के साथ कुछ वक्त बिताने की ख्वाहिश रखते हैं। वे चाहते हैं कि बस आप उनके साथ बैठें, उनके जीवन से जुड़े किस्सों और अनुभवों को जानें, मगर आपका और परिवार के अन्य सदस्यों का अपने कामों में व्यस्त रहना उन्हें परेशान करता है। इसलिए आप उनसे बात करें और नरमी भरे शब्दों में उन्हें अपनी स्थिति समझाएं। यकीनन, वे आपकी बात समझेंगे।

धैर्य से काम लें

जब आपको लगे कि उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो रहा है तो आपके लिए सबसे जरूरी है धैर्य से काम लेना। आपकी पीढ़ी और उनकी पीढ़ी अलग है, लेकिन आप उनकी सलाह को नजरअंदाज न करें, बल्कि उनके विचारों को महत्व दें और भावनाओं का सम्मान करें। आप उन्हें अहसास दिलाएं कि उनका इस घर में होना कितना महत्वपूर्ण है।

संवेदनशीलता और सहानुभूति

उम्र बढ़ने के साथ ही बुजुर्गों में कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याएं देखी जाती हैं, जिनसे जूझते हुए उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। इसलिए उनकी बातों को ध्यान से सुनें, उनके साथ संवेदनशीलता से पेश आएं और सहानुभूति दिखाएं। यह उन्हें खुशी का अहसास कराएगा और उनके स्वभाव को नरम भी बनाएगा।

अपने साथ शामिल करें

आप घर के बुजुर्गों को अपने साथ शामिल करें। उन्हें घरेलू गतिविधियों, बातचीत या उनके मनपसंद कार्यों में शामिल करें। यह उन्हें व्यस्त रखेगा, जिससे उनके स्वभाव में नरमी बनी रहेगी। इसके साथ ही हल्की-फुल्की सैर, योग या प्राणायाम जैसी गतिविधियां उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से अच्छा महसूस कराती हैं और मूड को भी स्थिर रखती हैं।

खुशियों के पल

रिलेशनशिप काउंसलर रुकैया जीरापुर बताती हैं, शारीरिक परेशानियों के अलावा बुजुर्गों पर कई ऐसी जिम्मेदारियां भी होती हैं, जिनको अब वे नहीं निभा सकते। खुद को ऐसे बंधा हुआ पाना उनके स्वभाव को चिड़चिड़ा बना देता है। इससे डील करने का यही तरीका है कि आप उनकी जिम्मेदारियों को समझें, समय का ध्यान रखें और उन्हें बखूबी निभाने का प्रयास करें, ताकि वे खुद को असहाय महसूस न करें। अक्सर माता-पिता को बस अपनी बात कहने की जरूरत होती है, इसलिए आप तसल्ली से उनकी बात सुनें और उनके विचारों को महत्व दें। साथ ही उनकी आर्थिक जरूरतों को पूरा करें, ताकि वे अपने भविष्य के बारे में चिंतित न हों। आप उन्हें सुरक्षित महसूस कराएं और उनकी पसंदीदा गतिविधियों में शामिल होकर उन्हें हंसाएं भी।

आप भी लगाने के बाद खा जाती हैं अपनी लिपस्टिक तो ये ट्रिक्स अपनाएं

महिलाओं के लिए मेकअप उनकी जिंदगी का काफी अहम हिस्सा होता है। मेकअप से न सिर्फ उनकी खूबसूरती बढ़ती है, बल्कि साथ साथ मेकअप से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ जाता है। यही वजह है कि हर महिला अपने बैग में कुछ न कुछ मेकअप का सामान जरूर रखती है।

बात करें सबसे अहम मेकअप प्रोडक्ट की तो उसमें लिपस्टिक का नाम सबसे ऊपर आता है। महिलाएं भले ही पूरा मेकअप न लगाएं लेकिन वो लिपस्टिक लगाए बिना घर से बाहर नहीं निकलती। लेकिन कई महिलाओं के साथ ये दिक्कत सामने आती कि वो लिपस्टिक अप्लाई करने के कुछ ही देर के बाद खुश उसे चट कर जाती हैं। ऐसे में उन्हें बार बार लिपस्टिक लगानी पड़ती है।

इसी परेशानी को देखते हुए हम आपको लिपस्टिक लगाने की कुछ ट्रिक्स बताने जा रहे हैं, ताकि आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहे।

होंठों को एक्सफोलिएट करें

यदि आप लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर डेड स्किन हटाने के लिए एक अच्छे एक्सफोलिएटर का इस्तेमाल करेंगी तो इससे लिप्स स्मूथ हो जाएंगे और लिपस्टिक ज्यादा देर तक टिकेगी।

लिप बाम लगाएं

लिप्स को हाइड्रेट रखने के लिए पहले लिप बाम लगाएं। इससे लिप्स सूखते नहीं हैं और लिपस्टिक का एप्लिकेशन भी स्मूथ रहता है। बिना बाम के लिपस्टिक लगाने से होंठ ड्राई हो जाते हैं और लिपस्टिक पपड़ी बनकर छुट जाती है।

लिप लाइनर का उपयोग करें

यदि आपकी लिपस्टिक हमेशा बाहर की तरफ फैल जाती है तो लिप लाइनर लगाएं। लिप लाइनर से पहले लिप्स की बाहरी सीमा को रेखांकित करें और फिर उसे भरें।

लिपस्टिक की दो परत लगाएं इसके लिए सबसे पहले एक हल्की परत लिपस्टिक की लगाकर उसे सेट होने दें, फिर दूसरे हल्के कोट लगाएं। यह लिपस्टिक को अधिक टिकाऊ बनाता है।

पाउडर का इस्तेमाल करें

लिपस्टिक लगाने के बाद हल्का सा ट्रांसलूसेंट पाउडर लगाएं। यह लिपस्टिक को सेट करने में मदद करता है और उसे ज्यादा देर तक टिकाए रखता है।

सही लिपस्टिक का चयन करें

मैट लिपस्टिक और लिक्विड लिपस्टिक बाकियों की तुलना में ज्यादा देर तक टिकती है। ऐसे में यदि लंबे समय तक लिपस्टिक लगाकर रखती है तो इन्हीं का चयन करें।

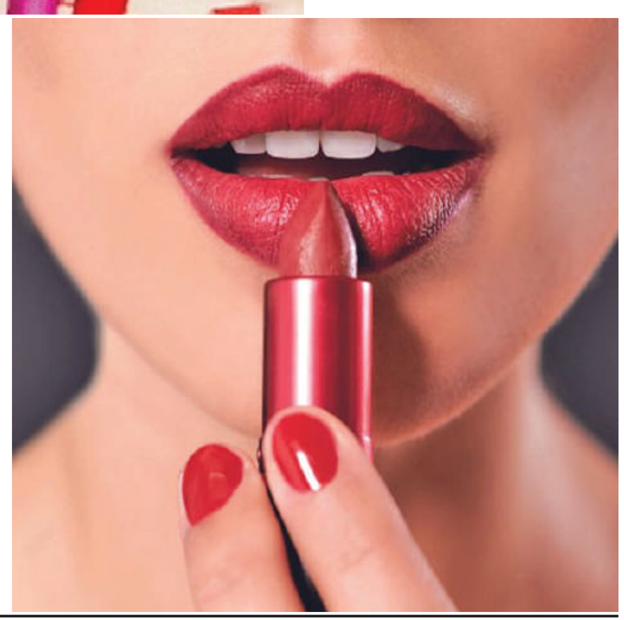

चीन का अमेरिका से बंधेगा बोरिया बिस्तर!

भारत पर भी पड़ेंगी छींटें, क्यों चिंता में डाल रहा ट्रंप का नया टैरिफ?

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप कुछ समय बाद राष्ट्रपति पद संभाल लेंगे। इसके बाद वह ऐसे काम शुरू कर सकते हैं तो भारत समेत कई एशियाई देशों को चिंता में डाल देंगे। इसमें टैरिफ की दर बढ़ाना भी शामिल है। माना जा रहा है कि सत्ता संभालने के बाद ट्रंप चीन पर 100 फीसदी तक टैरिफ शुल्क लगा सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो चीन की अमेरिका के साथ व्यापारिक हिस्सेदारी काफी हद तक खत्म हो सकती है। कई कंपनियां अमेरिका से कारोबार समेट सकती हैं। वहीं ट्रंप एशिया के दूसरे देशों के लिए भी टैरिफ से संबंधित चिंताएं पैदा कर सकते हैं।

क्या है टैरिफ शुल्क?

पहले बात करते हैं कि आखिर यह टैरिफ शुल्क क्या है। दुनिया के कई देशों के बीच अपने-अपने देश के सामान की खरीद-बिक्री की जाती है। जब किसी देश की कोई कंपनी किसी दूसरे देश में कोई सामान

बेचती है तो वहां की सरकार टैरिफ शुल्क लगाती है। इसे एक तरह से आयात टैक्स मान सकते हैं। यह टैरिफ शुल्क चुकाने की जिम्मेदारी उस कंपनी की होती है तो सामान बेचती है। अगर शुल्क बढ़ाया जाता है तो वह कंपनी महंगा सामान उस देश में बेचेगी। अगर सामान महंगा बिकेगा तो उसे उस देश में खरीदने वाले काफी कम होंगे। ऐसे में कंपनी के कारोबार पर असर पड़ेगा और उसका प्रोडक्शन गिरेगा। अमेरिका भी शायद यही चाहता है। ट्रंप की मंशा होगी कि चीन के प्रोडक्ट अमेरिका में या तो बिकें नहीं और बिकें भी तो कम। ऐसे में वह दूसरे देशों या अपने देश की कंपनियों को बढ़ावा दे सकते हैं। टैरिफ शुल्क कम करने के लिए कंपनियां अपने देश की सरकार पर दबाव बनाती हैं कि वह उस देश से बात करे जो टैरिफ शुल्क ज्यादा ले रहा है। ऐसे में बात डिप्लोमेसी तक पहुंच जाती है।

क्या है चिंता?

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने से चीन और संभवतः अन्य एशियाई देशों पर नए टैरिफ को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक भले ही अमेरिका-चीन व्यापार घाटा कम हुआ हो, लेकिन अन्य एशियाई देशों का अमेरिका के साथ निर्यात बढ़ गया है। ऐसे में आशंका है कि ट्रंप एशिया के इन देशों पर भी ज्यादा टैरिफ शुल्क लगा सकते हैं। ट्रंप की टैरिफ से जुड़ी नीतियां अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने के इर्द-गिर्द घूमती हैं। इसका सीधा सा मतलब है कि अमेरिका प्रमुख एशियाई देशों से वस्तुओं पर आयात टैक्स में तेजी कर सकता है। चीन इस बढ़े हुए टैरिफ का खामियाजा भुगत चुका है। ऐसे में अब इसका असर भारत समेत दक्षिण कोरिया, ताइवान और वियतनाम जैसे देशों पर पड़ सकता है।

भारत पर क्या पड़ेगा असर?

भारत अमेरिका को कई चीजें निर्यात करता है। इनमें डायमंड, मेडिकल उपकरण, ज्वैलरी, एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स, चावल, कपड़े आदि हैं। पिछले कुछ समय में भारत का भी अमेरिका में निर्यात बढ़ गया है। ऐसे में ट्रंप की नजर भारत पर भी हो सकती है। अगर ट्रंप भारत के भी टैरिफ शुल्क में बढ़ोतरी करते हैं तो यह न केवल भारतीय कंपनियों के लिए, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी अच्छी खबर नहीं होगी।

भारत पर टैरिफ शुल्क बढ़ाने से भारतीय कंपनियों को अपने प्रोडक्ट की कीमत बढ़ानी पड़ेगी। ऐसे में हो सकता है कि उन कंपनियों के प्रोडक्ट की बिक्री न हो और प्रोडक्शन ठप हो जाए। ऐसा होने पर देश की अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है।

नए साल में मिलेगी सौगात खत्म हो सकती है लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी!

नई दिल्ली,12 नवंबर (एजेंसियां)। नए साल 2025 में लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पर लगने वाले जीएसटी में कटौती की सौगात मिल सकती है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 21-22 दिसंबर 2024 को राजस्थान में राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ बैठक होने जा रही है. दो दिनों तक चलने वाली इस बैठक में एक दिन वित्त मंत्री, वित्त वर्ष 2025-26 से पहले राज्यों के वित्त मंत्रियों से बजट को लेकर उनके सुझाव और सिफारिशें लेंगी और एक दिन जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक होगी जिसमें लाइफ इंश्योरेंस के साथ हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी घटाने का फैसला लिया जा सकता है. जीएसटी काउंसिल आने वाली बैठक में टर्म इंश्योरेंस प्लान पर लगने वाले 18 फीसदी जीएसटी को पूरे तरह खत्म करने पर मुहर लग सकती है. वहीं सीनियर सिटीजंस के लिए और अन्य लोग जो 5 लाख रुपये तक का हेल्थ इंश्योरेंस खरीदते हैं उसपर जीएसटी को खत्म किया जा सकता है. पीटीआई ने एक अधिकारी से हवाले से बताया कि जीएसटी काउंसिल कुछ प्रोडक्ट्स सर्विसेज पर जीएसटी रेट्स को तर्कसंगत बनाने के साथ कुछ आईटम्स पर जीएसटी रेट्स को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर सकता है.हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर जीएसटी पर विचार करने के लिए जो मंत्रियों के समूह का गठन किया गया है उसमें टर्म इंश्योरेंस पर जीएसटी खत्म करने और सीनियर सिटीजंस के लिए हेल्थ इंश्योरेंस को जीएसटी से मुक्त करने पर सहमति बन गई है. इसके अलावा इंडीविजुअल्स की ओर से 5 लाख रुपये तक के हेल्थ इंश्योरेंस पर प्रीमियम के भुगतान पर जीएसटी को खत्म करने का भी प्रस्ताव है. हालांकि 5 लाख रुपये से ज्यादा हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी लगता रहेगा. सितंबर 2024 में जो जीएसटी काउंसिल की बैठक हुई थी उसमें मंत्रियों के समूह को रिपोर्ट सौंपने को कहा गया था. जीएसटी रेट को युक्तिसंगत बनाने के लिए जो मंत्रियों के समूह का गठन किया गया है उसने पैक्ड पीने का पानी, साइकिल, एक्सरसाइज नोटबुक्स, लग्जरी हाथों की घड़ी और जूतों पर जीएसटी रेट्स में बदलाव करने का सुझाव दिया है।

'हमें बहुत खुशी होगी यदि स्टारलिंक को भारत में लाइसेंस दिया जाए, दूरसंचार मंत्री ने रखी कड़ी शर्त

नई दिल्ली,12 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड जैसी सेवाओं के लिए एलन मस्क की स्टार लिंक समेत अन्य कंपनियों को लाइसेंस देने के मसले पर केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बड़ी टिप्पणी की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए, लाइसेंस स्टारलिंक समेत किसी को भी दिया जा सकता है, बशर्ते वे सभी सुरक्षा मापदंडों को पूरा करते हों। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमें यह देखना होगा कि सुरक्षा से जुड़ी सभी चिंताओं को ध्यान में रखा गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारा एक निश्चित फॉर्मेट है। आपको उसके सभी निर्देशों का पालन करना होगा। यदि आप सभी शर्तों को पूरा करते हैं तो आपको लाइसेंस मिल जाएगा।

यदि कंपनियां इन दिशानिर्देशों का पालन करती है तो हमें बहुत खुशी होगी। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधियाने मंगलवार को कहा कि उद्योगपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक को भी भारत में सेवाओं के लिए लाइसेंस हासिल करने के लिए सभी मानदंडों का पालन करना होगा। मंत्री ने कहा कि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा प्रदाता सभी आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रक्रिया में है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें लाइसेंस मिल जाएगा।सिंधिया ने पत्रकारों से कहा, ''उन्हें (स्टारलिंक को) लाइसेंस हासिल

करने के लिए सभी नियमों का पालन करना होगा। आपको इसे सुरक्षा के नजरिये से भी देखना होगा। वे ऐसा करने की प्रक्रिया में हैं। एक बार सभी आवश्यकताएं पूरी हो जाने पर उन्हें लाइसेंस मिल जाएगा।'' स्टारलिंक के लाइसेंस हासिल करने की प्रक्रिया की प्रगति पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने यह बात कही। फिलहाल सरकार ने भारती समूह समर्थित वनवेब और जियो-एसईएस के संयुक्त उद्यम जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस को लाइसेंस जारी किया है।

इससे पहले सिंधिया ने कहा था कि आवंटन के बावजूद, सैटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम मुफ्त में नहीं दिया जाएगा और दूरसंचार नियामक ट्राई इसके लिए कीमत तय करेगा। सिंधिया ने कहा था, प्रत्येक देश को अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) का पालन करना होगा, जो अंतरिक्ष या उपग्रहों में स्पेक्ट्रम के लिए नीति तैयार करने वाला संगठन है, और आईटीयू असाइनमेंट के आधार पर स्पेक्ट्रम दिए जाने के मामले में बहुत स्पष्ट रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-23 सूर्यास्त. -17-36
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	तुला	मे	तुला--	04-28	बजे
चंद्र-	मीन	मे	वृश्चिक-	06-37	बजे
मंगल	कर्क	मे	धनु----	08-51	बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मकर...	10-57	बजे
गुरु-	वृष	मे	कुंभ-	12-48	बजे
शुक्र-	धनु	मे	मीन-	14-26	बजे
शनि-	कुंभ	मे	मेष---	16-02	बजे
राहु-	मीन	मे	वृष---	17-47	बजे
केतु-	कन्या	मे	मिथुन	19-47	बजे
			कर्क--	22-00	बजे
			सिंह---	00-12	बजे
			कन्या--	02-18	बजे

दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 13-01 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - कार्तिक शुक्ल , बुधवार 13 November
नक्षत्र - रेवती 03-10 तक उपरान्त अश्विनी
योग - वज्र 15-24 तक उप सिद्ध
करण- बालव 13-01 तक उप कौलव
विशेष:- व्रत -त्योहार - प्रदोष व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:00 से 13:25 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:23 - 07:46	शुभ	उत्पात	17:36 - 19:15	अशुभ
अमृत	07:46 - 09:11	शुभ	शुभ	19:15 - 20:50	शुभ
काल	09:11 - 10:36	अशुभ	अमृत.	20:50 - 22:25	शुभ
शुभ	10:36 - 12:00	शुभ	चंचल	22:25 - 00:01	शुभ
रोग	12:00 - 13:25	अशुभ	रोग	00:01 - 01:36	अशुभ
उत्पात	13:25 - 14:50	अशुभ	काल.	01:36 - 03:11	अशुभ
चंचल	14:50 - 16:15	शुभ	लाभ	03:11 - 04:46	शुभ
लाभ.	16:15 - 17:36	शुभ	उत्पात	04:46 - 06:23	अशुभ

65,000 करोड़ खर्च करने की तैयारी में मुकेश अंबानी, 2.50 लाख लोगों को मिलेंगी नौकरियां

विजयवाड़ा,12 नवंबर (एजेंसियां)। एशिया के दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी 65000 करोड़ का बड़ा दांव खेलने जा रहे हैं. दरअसल, उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अगले 5 साल में 500 कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश में 65,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. ये उनका गुजरात के बाहर क्लीन एनर्जी का सबसे बड़ा निवेश होगा. वहीं, मुकेश अंबानी के निवेश से 250000 लोगों को नौकरियां मिलेंगी. आइए जानते हैं उनका पूरा प्लान क्या है? मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि प्रत्येक प्लांट में 130 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इसे राज्य में बंजर भूमि पर स्थापित किया जाएगा. राज्य सरकार के

अनुमान के मुताबिक, इससे 250,000 लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है. इस योजना को मुंबई में आरआईएल की स्वच्छ ऊर्जा पहल के प्रमुख अनंत अंबानी और आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री नारा लोकेश, जो रोजगार सृजन पर राज्य कैबिनेट की उप-समिति का नेतृत्व भी करते हैं, के बीच अंतिम रूप दिया गया.

आंध्र प्रदेश में होगा निवेश

इस समझौते को फाइनल स्वरूप देने के लिए विजयवाड़ा में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की उपस्थिति में आरआईएल और आंध्र प्रदेश उद्योग विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे.आंध्र सरकार ने राज्य की हाल ही में अधिसूचित एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति के तहत जैव ईंधन परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहन पेश किया है.

इनमें पांच साल के लिए कंप्रेस्ड बायोगैस पर निश्चित पूंजी निवेश पर 20% की पूंजी सब्सिडी के साथ-साथ स्टेट जीएसटी और बिजली शुल्क की पांच साल की पूरी प्रतिपूर्ति शामिल है. लोकेश ने निवेश योजना की पुष्टि की. हालांकि, आरआईएल ने इसपर अभी कोई जवाब नहीं दिया है।

सोना 1,519 गिरकर 75,321 पर आया

चांदी 2,554 सस्ती होकर 88,305 प्रति किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली सोने-चांदी की कीमतों में आज (12 नवंबर) बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 1,519 रुपए गिरकर 75,321 रुपए पर आ गया। इससे पहले इसके दाम 76,840 रुपए प्रति दस ग्राम था।वहीं, चांदी की कीमत में भी आज गिरावट रही। ये 2,554 रुपए गिरकर 88,305 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे पहले चांदी 90,859 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,440 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,290 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 70,850 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,290 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,290 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,340 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 70,850 रुपये है।

वेडिंग सीजन शुरू, दुल्हों का बैंड बजाने का फरवरी तक के स्लॉट बुक

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। आज से शुरू हुए वेडिंग सीजन के लिए बैंड वाले भी खूब उत्साहित हैं। बैंड पार्टी चलाने वाली कंपनियों ने बैंड वालों के लिए नई ड्रेस सिलवाई हैं। साथ ही नए-नए गानों की धुनों पर भी खास रियाज पूरा कर लिया गया है। मतलब कि इस सीजन की तैयारी पूरी हो गई है। बस अब इंतजार है दूल्हे का। वे बग्गी पर बैठे और फिर उसका जोर-शोर से बैंड बजे। इस साल बैंड-बाजे वालों का ड्रेस ही नहीं बल्कि रेट भी नया हो गया है। दिल्ली में जिआ बैंड की ओनर करिश्मा थदानी बताती हैं कि शादियों के लिए तैयारियां पूरी हैं। आज से लेकर फरवरी तक के लिए स्लॉट्स पूरी तरह से बुक हैं। मतलब कि जिन्होंने बुकिंग नहीं की है, उन्हें बढ़िया बैंड पार्टी मिलना मुश्किल है। उनका कहना है कि इस बार भी नासिक ढोल और तासों की मार्केट में डिमांड है। देखा जाए कि दिल्ली में हमेशा ही इनकी डिमांड रहती है। तभी तो इस बार भी शादियों में ऐसा ही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। करिश्मा बताती हैं कि इस बार दूल्हे की सवारी का पसंद बदल गया दिखता है। पिछले साल तक दूल्हे के लिए विंटेज कार की डिमांड थी। अब उसकी जगह लोग फिर से नॉर्मल बग्गियों की ही ज्यादा डिमांड कर रहे हैं। इसका कारण है कि बग्गी ऊंची होती है और यहां दूल्हा पूरी बारात को आराम से देख सकता है। बारातरी इसके साथ ही 4-5 लोग दूल्हे के साथ ही बग्गी से भी एंजॉय कर सकते हैं। बग्गी पर सजावटी छतरी लगी होती है, जो शाही लुक देती है। दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध है। लेकिन आतिशबाजी नहीं हो तो फिर शादी का जश्न कैसा? इसलिए इस बार डिमांड के हिसाब से कोल्ड अनार, पेपर शॉट्स आदि से आतिशबाजी भी हो जाती है। आतिशबाजी करने वाले बताते हैं कि पटाखे तो बैन हैं, ऐसे में इन्हीं से काम चलाना पड़ता है। इससे शादी का माहौल खूब बना रहता है। लाल किले के सामने स्थित सिंधी हीरानंद घोड़ी वाला के मालिक वीरू संधी ने बताया कि इस बार बैंड में लाइटिंग की ज्यादा मांग हो रही है। क्लाइंट्स कहते हैं कि बैंड में ज्यादा से ज्यादा लाइटें होनी चाहिए।

इसके अलावा बग्गी सही से सजी होनी चाहिए। उनका कहना है कि शादी के लिए ऊंची और सफेद चमकदार घोड़ियों की डिमांड है। उसी हिसाब से इंतजाम किए गए हैं। वीरू ने बताया कि डीजे और विंटेज कारों को कई राज्यों में बैन कर दिया गया है। ज्यादातर कारें 15 साल पुरानी हैं, ऐसे में विंटेज का ट्रेंड इस बार नहीं है।

शेयर बाजार में नहीं थम रही बिकवाली

सेंसेक्स 820 निफ्टी 258 अंक गिरकर बंद, निवेशकों को लगी 6 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली,12 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. मंगलवार 12 नवंबर 2024 के कारोबारी सत्र में भारतीय बाजार सुबह तेजी के साथ खुला था. लेकिन दिन के ट्रेड के दौरान बैंकिंग, एफएमसीजी, ऑटो और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जोरदार बिकवाली के चलते बाजार फिर से औंधे मुंह जा गिरा. सेंसेक्स 79000 के आंकड़े के नीचे जा फिसला तो निफ्टी 24000 के नीचे. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 821 अंकों की गिरावट के साथ 78,675 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 257 अंकों की गिरावट के साथ 23,883 अंकों पर क्लोज हुआ है।

निवेशकों को लगी 6 लाख करोड़ की चपत

बाजार में तेज गिरावट के चलते निवेशकों को जबरदस्त नुकसान हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट

कैपिटलाइजेशन घटकर 436.59 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले कारोबारी सत्र में 442.54 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के सत्र में निवेशकों को 5.95 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है.

सेक्टोरल अपडेट

आज के कारोबार में सबसे बड़ी गिरावट बैंकिंग, एफएमसीजी, ऑटो, फार्मा, मेटल्स, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस जैसे सेक्टर के स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. केवल आईटी और रियल एस्टेट स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. निफ्टी बैंक 718 अंक गिरकर बंद हुआ है. निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 600 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 233 अंकों की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है।

चढ़ने -गिरने वाले शेयर्स

आज के ट्रेड में बीएसई पर कुल 4061 शेयरों में ट्रेडिंग हुई जिसमें 1234 शेयर्स तेजी के साथ और 2731 शेयर्स गिरकर बंद हुए. 291 में अपर सर्किट लगा है तो 363 में लोअर सर्किट. सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल 4 तेजी के साथ बंद हुए जबकि 26 में गिरावट रही. तेजी वाले शेयरों में सन फार्मा 0.28 फीसदी, इंफोसिस 0.06 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.04 फीसदी और रिलायंस तेजी के साथ बंद हुआ है.

गिरने वाले शेयरों में एनटीपीसी 3.16 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 2.73 फीसदी, एशियन पेंट्स 2.65 फीसदी, एसबीआई 2.52 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है।

14 महीने में पहली बार आरबीआई की हद से निकली खुदरा महंगाई

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 6.21% हो गई, जो इससे पिछले महीने यानी सितंबर में 5.49% थी। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ऐसा मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने के कारण हुआ है। इस तरह खुदरा महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर के ऊपर निकल गई है।

पिछले साल इसी महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 4.87 प्रतिशत थी। पिछले साल अगस्त के बाद यह पहला मौका है जब खुदरा महंगाई आरबीआई के टॉलरेंस बैंड के ऊपर चली गई है। सरकार ने केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत (दो प्रतिशत घट-बढ़) पर रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। महंगाई बढ़ने से आरबीआई के ब्याज दरों में कटौती की संभावना एक बार फिर क्षीण हो गई है। आरबीआई ने पिछले महीने नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा था।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि खाद्य वस्तुओं में मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 10.87 प्रतिशत हो गई, जो सितंबर में 9.24 प्रतिशत और पिछले साल अक्टूबर में 6.61 प्रतिशत थी। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स बास्केट में खाद्य महंगाई की हिस्सेदारी करीब आधी है। ग्रामीण मुद्रास्फीति भी सितंबर में 5.87 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 6.68 प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी मुद्रास्फीति पिछले महीने के 5.05 प्रतिशत से बढ़कर 5.62 प्रतिशत हो गई। खासतौर पर प्याज की कीमतों में उछाल चिंताजनक है। प्याज की थोक कीमतें 40-60 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 70-80 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। बआरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने पिछले महीने अपना रुख बदलकर तटस्थ कर लिया था, जिससे दरों में संभावित कटौती के लिए रास्ता खुल गया था। लेकिन आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने साथ ही इस बात पर जोर दिया था कि तटस्थ रुख अपनाने को संभावित ब्याज दरों में कटौती के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। आईसीआईआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि मुख्य मुद्रास्फीति जो सितंबर में 3.8 प्रतिशत से अक्टूबर में 4 प्रतिशत तक बढ़ गई। इसमें आगे और तेजी आने की आशंका है। इससे आरबीआई के दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश कम हो गई है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी , इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आपकी कड़ी मेहनत और धैर्य की लंबी प्रतिबद्धता का फल आपको मिलने जा रहा है और एक बड़ा अवसर आपके करियर को आगे ले जाने के लिए आपको मिल सकता है । अंतः आपको अपनी प्रतिबद्धताओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा , हालांकि अन्य लोगों के योगदान को याद करे और न भूले और उनके साथ सदा विनम्र रहे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज अपने कार्य से संबंधित कारणों से अपने निवास स्थान में परिवर्तन की सम्भावना है ।आपको पदोन्नत किया जा सकता है और एक अलग क्षेत्र के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है या आप कोई दूसरी नौकरी को ग्रहण कर सकते है ।आप एक पेशेवर सलाहकार या अपने किसी करीबी से आज कैरियर से संबंधित सलाह ले सकते हैं। अगर आप इस सलाह पर पर्याप्त ध्यान देंगे तो आप काफी लाभान्वित हो सकते है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज एक अप्रत्याशित अवसर आपके कार्य क्षेत्र में आ सकता है और आपको उसे पकड़ने में संकोच नहीं करना है । अत्यधिक विलंब इस अवसर को गवा सकता है और आप एक धन रुपी अवसर को खो सकते है। यह अवसर आपको कोई पुराना जानकर या एकदम अपरिचित व्यक्ति भी आपके पास ला सकता है, यह समय फिर जोखिम लेने का है जो की आपको लाभ देगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप आगे बढ़ रहे हैं , वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे । आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले । आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा । अच्छा काम करते रहे । अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे । आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा । आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे । अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है । आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है। बस आप अपनी वस्तु को सरंक्षित कर के रखे और आप आसानी से विषम स्थिति से बाहर आ जायेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आपको विभिन्न भूमिकाओं का क्रियान्वन करना पड सकता है इसलिए दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करे । वे सफलता के रास्ते पर आपको एक मजबूत समर्थन दे सकते हैं। छात्रों के लिए ये एक अच्छा दिन हो सकता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो सकती है। इन स्थितियों की वजह से उच्च भुगतान नौकरियों में अवसर बढ़ेंगे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं , पर आप ज्यादा चिंता न करे , क्योकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे । आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है । आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है । आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा । आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जनसभा में मिथुन चक्रवर्ती की पर्स चोरी

भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में धनबाद में कर रहे थे सभा, बोले- भाजपा ही दिलाएगी हक

धनबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। अभिनेता सह भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती के साथ धनबाद में अजीबो-गरीब घटना हो गई। मंगलवार को निरसा में जनसभा के दौरान किसी ने पर्स चोरी कर ली। भाजपा कार्यकर्ता मंच से यह घोषणा करते रहे कि जिसने भी पर्स लिया है, वो उसे लौटा दो। दरअसल, निरसा विधानसभा क्षेत्र की भाजपा प्रत्याशी अपर्णा सेन गुप्ता के पक्ष में जनसभा को संबोधित करने के लिए निरसा पहुंचे थे। इससे पहले मिथुन चक्रवर्ती ने मीडिया से बात की।

उन्होंने कहा- मृगया फिल्म में घिनुआ की भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मुझे मिला था। इस फिल्म में मैंने आदिवासी युवक का रोल अदा किया था। इस फिल्म ने मुझे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई थी। जब तक झारखंड में भाजपा की सरकार नहीं बनेगी तब तक आदिवासियों या आम लोगों को उनका हक नहीं मिलेगा। मिथुन चक्रवर्ती ने कहा- झामुमो या कांग्रेस की सरकार न तो आदिवासियों की भला करने वाली है और न ही आम नागरिकों का। झारखंड के लोगों ने मुझे काफी प्यार दिया है और उन्हीं का प्यार मुझे खींचकर धनबाद लाया है। मिथुन ने कहा- मुझे न तो बीजेपी की जरूरत है और न ही बीजेपी को मेरी जरूरत है। मैं झारखंड में बदलाव लाने के लिए धनबाद आया हूं। मुझे झारखंडियों से काफी लगाव है। भाजपा की सरकार ही राज्य और देश में विकास कर सकती है। उन्होंने कहा कि देश के दुश्मनों ने मुझे जान से मारने की धमकी दी है तो मुझे उससे कोई लेना देना नहीं। एक विशेष वर्ग के एक व्यक्ति ने पश्चिम बंगाल में कहा था कि यहां 70% मुस्लिम है और 30 पर्सेंट हिंदू हैं, इन लोगों को काटकर फेंक देना है, जिसका हमने विरोध किया था। हमने कभी भी किसी धर्म के बारे में नहीं कहा है और न ही मैंने कभी विरोध किया।

छत्तीसगढ़ में बढ़ने लगी ठंड

प्रदेश के दक्षिण भागों में बदलेगा मौसम

रायपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में ठंड बढ़ने लगी है। सुबह के समय कोहरा छाने लगे हैं। बंगाल की खाड़ी से निम्न हवाओं के आगमन से प्रदेश में ठंड बढ़ने लगी है। कई इलाकों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि आगामी तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। इसके साथ ही आज मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, एक द्रोणिका दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर स्थित चक्रवती परिसंचरण व उससे सम्बद्ध निम्न दबाव क्षेत्र से लेकर उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश के पास पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी तक समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर स्थित है। इसके वजह से प्रदेश नो का आगमन जारी है। यही वजह है कि प्रदेश में सुबह के समय ठंड बढ़ने लगी है।

मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि छत्तीसगढ़ में आगामी तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। वहीं दो दिनों तक प्रदेश के दक्षिणी भागों के कुछ हिस्सों में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। साथ ही आगामी दो दिनों तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में दर्ज किया गया है। यहां न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं सर्वाधिक अधिकतम तापमान दंतेवाड़ा में 32.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। रायपुर में 32.2, बिलासपुर में 31.2, जगदलपुर में 31.4, राजनांदगांव में 31 और दुर्ग में 30.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है।

भाजपा विधायक बोलीं- धर्मांतरण-चंगाई सभा कैंसर से खतरनाक

बिलासपुर, रायगढ़, जशपुर में 6 केस, ईसाई बोले- हमें भी आजादी से रहने का अधिकार

रायपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को लेकर बवाल चल रहा है। वहीं इन सभी के बीच जशपुर से बीजेपी विधायक रायमुनि भगत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहीं कि धर्मांतरण और चंगाई सभा कैंसर से भी ज्यादा खतरनाक है। विधायक ने कहा कि यीशु को कोड़ा मारते-मारते पहाड़ पर चढ़ा दिया गया, वह लहूलुहान थे, जो अपने आप को नहीं बचा सका, वह मसीह हमको क्या बचाएगा? क्षेत्र में उरांव जाति के लोगों का सबसे ज्यादा धर्मांतरण हुआ, लोहार, तुरी नागेशया सहित यादव समाज के लोग भी ईसाई बन रहे हैं। प्रदेशभर में धर्मांतरण से जुड़े 6 केस सामने आए हैं, जिनमें बिलासपुर, रायगढ़ और जशपुर में हंगामा हुआ। यहां ईसाई समाज के लोगों पर वॉटर कैनन से छोड़ा गया। बिलासपुर में हिंदू संगठनों ने कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव का पुतला फूंका। रायगढ़ में भी डेढ़ महीने में 4 धर्मांतरण के मामले में आए।

रायगढ़ में पास्टर की गिरफ्तारी पर ईसाई समुदाय के लोगों ने कहा कि भारत स्वतंत्र देश है और हर किसी को आजादी से रहने का अधिकार है। हम किसी भी धर्म को मान सकते हैं। हमें फंसाया जा रहा है। झूठे आरोप लगाए गए हैं। हमें टॉर्चर किया जा रहा है।

जशपुर के मनोरा के ढंगनी गांव में 1 सितंबर को भुंइहर समाज के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन था। कार्यक्रम में बीजेपी विधायक रायमुनि भगत ने कहा कि आज ईसाई लोग अल्पसंख्यक होने के डर से अपने आप को सबसे बड़ा आदिवासी मान रहे हैं। ईसाई आदिवासी महासभा के बैनर तले 27 अक्टूबर को धर्मांतरित आदिवासी भाजपा विधायक रायमुनी भगत पर एफआईआर की मांग को लेकर पदयात्रा निकाल रहे थे। यात्रा जशपुर-कुनकुरी नेशनल हाईवे-43 से काईकछार तक पहुंची है। लोरो घाटी के नीचे पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। इस दौरान वॉटर कैनन के प्रयोग से धर्मांतरित आदिवासियों को वहीं रोक दिया गया।

हालांकि रात तक प्रदर्शनकारी सड़क पर ही बैठे रहे। इसके बाद वापस लौट गए। पुलिस के आला अधिकारी समेत कार्यपालिक मजिस्ट्रेट भी मौजूद रहे।

झारखंड-बंगाल में वोटिंग से पहले ईडी की छापेमारी

17 जगहों पर सर्चिंग जारी, बांग्लादेशी घुसपैठ और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है मामला

रांची, 12 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को झारखंड और पश्चिम बंगाल में 17 जगहों पर छापेमारी की। मामला बांग्लादेशी घुसपैठ, देह व्यापार और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम कई लोगों और संगठनों की सीमापार घुसपैठ से जुड़ी वित्तीय गड़बड़ियों की जांच कर रही है। झारखंड विधानसभा चुनाव में कल यानी बुधवार को पहले चरण में 43 सीटों पर वोटिंग होनी है। वहीं, पश्चिम बंगाल की 6 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। दरअसल, रांची पुलिस ने इसी साल जून में बरियातू थाना क्षेत्र के हिल व्यू रोड बाली रिजॉर्ट से तीन संदिग्ध बांग्लादेशी युवतियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार तीनों युवतियों की पहचान बांग्लादेश के चटग्राम की रहने वाली निंपी बिरूआ, समरीन अख्तर व निपा अख्तर के रूप में हुई थी। तीनों ही युवतियों ने पुलिस को बताया था कि उन्हें मनीषा राय नामक की एक अन्य लड़की की मदद से बांग्लादेश से जंगल के रास्ते पहले कोलकाता फिर वहां से रांची लेकर आई थी। उन्हें ब्यूटी सैलून में जॉब दिलाने की बात कही गई थी, लेकिन यहां उनसे जिस्मफरोशी कराई जाने लगी। गिरफ्तार बांग्लादेशी युवतियों से मिली जानकारी के आधार पर रांची के बरियातू थाने में 4 जून को एफआईआर (संख्या 188/2024) दर्ज हुई थी। आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 और 34, पासपोर्ट अधिनियम 1967 की धारा 12, विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 14-ए के तहत यह केस दर्ज हुआ था। पुलिस ने बाली रिजॉर्ट से जिन 3 लड़कियों को गिरफ्तार किया था, कोर्ट से उन्हें 10-10 हजार रुपए के निजी मुचलके पर इसी शर्त पर जमानत दी थी कि वे मामले की जांच में सहयोग करेंगी। 20 दिन पहले जब ईडी टीम मामले की जांच को लेकर बरियातू थाने गई थी, तब थाना प्रभारी मनोज कुमार से पूछा गया कि तीनों युवतियां कहां हैं तो उन्होंने बताया कि इसकी जानकारी नहीं है।

बरियातू पुलिस ने युवतियों के पास से जो आधार कार्ड जब्त किया था, वह भी फर्जी था।

शाहरुख खान को धमकी मामले में वकील रायपुर से गिरफ्तार

नोटिस के बाद भी नहीं हुआ पेश, हिरण खाने वाले डायलॉग पर जताई थी आपत्ति

रायपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को फोन पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुंबई पुलिस ने वकील फैजान खान को रायपुर से गिरफ्तार कर लिया है। नोटिस के बाद भी आरोपी बांद्रा पुलिस स्टेशन नहीं पहुंचा था। आज उसे रायपुर कोर्ट में पेश किया जाएगा। इससे पहले वकील ने कहा था कि, उसका फोन गुम हो चुका है। उसे जबरन फंसाने की कोशिश की जा रही है। वकील ने शाहरुख खान की एक फिल्म के डायलॉग पर आपत्ति जताई थी, जिसमें शाहरुख ने कहा था कि, हिरण को पकाकर खा लो। उन्हें हिरण का शिकार करने में मजा आता है। फैजान ने इसकी शिकायत मुंबई और जोधपुर में की थी, जिसमें बताया कि, हिरण को बिश्नोई समाज पूजता है। इस डायलॉग से उनकी आस्था को ठेस पहुंची है।

फैजान खान को मुंबई पुलिस ने 7 नवंबर को पूछताछ के लिए नोटिस दिया था, जिसमें फैजान को कहा गया था कि 11 नवंबर को बांद्रा पुलिस स्टेशन पहुंचे, जहां उससे शाहरुख खान को फोन से मिली धमकी और 50 लाख रुपए मांगने के मामले में पूछताछ होनी थी। लेकिन 11 नवंबर को फैजान बांद्रा पुलिस स्टेशन नहीं पहुंचा। जिस वजह से 12 नवंबर यानि आज उन्हें रायपुर से मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अब उसे ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई ले जाने की तैयारी हो रही है। इस मामले में फैजान खान के सहयोगी वकील विराट वर्मा ने बताया कि मुंबई पुलिस ने 11 नवंबर को पूछताछ के लिए पेश होने को नोटिस दिया था। लेकिन, हमने 14 नवंबर को आने की बात की थी, जिसमें उन्होंने सहमति दी थी। इसके अलावा विराट वर्मा का दावा है कि उन्होंने मुंबई पुलिस को ऑडियो-वीडियो माध्यम से पूछताछ के लिए भी आवेदन भेजा था। इस पर कोई जवाब नहीं आया। मामले की शुरुआत मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन पर आए एक फोन कॉल से हुई। अनजान कॉलर ने फोन पर धमकी देकर फिरौती मांगी। कॉलर ने कहा कि उसे 50 लाख रुपए चाहिए। वरना वो शाहरुख खान को जान से मार देगा। इसके बाद मुंबई पुलिस एक्शन मोड पर आई। मुंबई से तीन पुलिस अफसर रायपुर पहुंचे। बुधवार 6 नवंबर की रात वे रायपुर के होटल में रुके। तड़के उन्होंने पंडरी एरिया में मोबाइल सिम की लोकेशन देखने के बाद फैजान के घर गए। धमकी भरे कॉल के संबंध में करीब 2 घंटे पूछताछ की। इस दौरान पूछताछ में फैजान ने बताया कि उसका मोबाइल 2 नवंबर को गुम हो गया था, जिसकी शिकायत उसने 4 नवंबर को खम्हारडीह थाने में कराई थी, जबकि बांद्रा पुलिस स्टेशन में फोन कॉल 5 नवंबर को गया था। थाने में शिकायत की कॉपी दिखाने के बाद फैजान को छोड़ा गया। दोबारा पूछताछ के लिए 14 नवंबर को मुंबई बुलाया है। वकील फैजान खान ने खुलासा करते हुए कहा था कि उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक रील देखी। ये शाहरुख खान की 1994 में रिलीज हुई अंजाम फिल्म की क्लिप थी, जिसमें एक सीन में वह हाथों में बंदूक लिए एक हिरण का शिकार करके आ रहे हैं। इस दौरान वह अपने नौकर हरि सिंह को कह रहे हैं कि गाड़ी में एक हिरण पड़ा हुआ है, उसे पकाकर खा लो, तभी फिल्म में एक अभिनेत्री शाहरुख खान से कहती हैं कि वह क्यों बेगुनाह जानवरों को मारता है।

इस पर शाहरुख खान कह रहे हैं कि उन्हें अच्छा लगता है, बहुत मजा आता है।

जमीयत उलेमा का फरमान- मुस्लिम इण्डिया को वोट दें

वोटिंग से एक दिन पहले लोहरदगा में पत्र वायरल, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे भड़के

रांची/लोहरदगा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में पहले चरण की वोटिंग से पहले माहौल गरम हो गया है। देश की मौजूदा हालात को बताते हुए जमीयत उलेमा की लोहरदगा इकाई ने इण्डिया ब्लॉक को वोट करने की अपील की है। इस पर गोड्डा से भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने सवाल खड़े किए हैं।

दुबे ने X पर लिखा है, ' क्या यह देश के मुसलमानों के कानून से चलेगा? उन्होंने लिखा है कि यह फतवा भारत की एकता और अखंडता पर प्रहार है।' लोहरदगा में कल 13 नवंबर को वोटिंग होगी।

जमीयत उलेमा ने अपने लोगों को लिखे पत्र में कहा है, 'मुसलमानों को एनआरसी, यूनिफॉर्म सिविल कोड, वक्फ बोर्ड कानून लाकर और घुसपैठियों के बहाने डराया-धमकाया जा रहा है।'

इस सिलसिले में 'जमीयत उलेमा झारखंड से राय मशवरा करने के बाद 'जमीयत उलेमा जिला लोहरदगा' मुसलमानों से अपील करती है कि वक्त का तकाजा है कि मुसलमान एक होकर इण्डिया गठबंधन को अपना वोट दे और दिलाएं।

झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा लगातार मुस्लिमों पर आक्रामक है। पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह से लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ तक लगातार हमला कर रहे हैं।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद भारत के प्रमुख इस्लामिक संगठन में से एक है। संगठन की वेबसाइट के मुताबिक, इसकी स्थापना 1919 में हुई थी। यह संगठन देवबंदी विचारधारा से प्रभावित है। देवबंद की स्थापना 1919 में तत्कालीन इस्लामिक विद्वानों ने की थी, जिसमें अब्दुल बारी फिरंगी महली, किफायुतल्लाह देहलवी, मुहम्मद इब्राहिम मीर सियालकोटी और सनाउल्लाह अमृतसरी शामिल थे।

झारखंड में दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को वोटिंग होगी। पहले फेज का मतदान कल 13 नवंबर को 43 सीटों पर होगा। इसमें 15 जिले की सीटें शामिल है। मतदान की पूरी तैयारी हो चुकी है। खास बात है कि लोहरदगा में पहले चरण में वोटिंग है। वहां से कांग्रेस के प्रत्याशी मंत्री रामेश्वर उरांव हैं।

वोटर कार्ड खोने पर न हों परेशान

आधार-पैन समेत ये 11 डॉक्यूमेंट्स दिखाकर भी डाल सकते हैं वोट, वोटर लिस्ट में ऐसे चेक करें अपना नाम

रांची, 12 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसके लिए 13 और 20 नवंबर को वोट डाले जाने हैं। ऐसे में अगर आपका वोटर कार्ड गुम हो गया है तो भी आपको मतदान करने से नहीं रोका जा सकता है। वोटर कार्ड के गुम या खराब हो जाने पर भी आप बिना वोटर कार्ड के मतदान कर सकते हैं। इसके लिए केवल आपका नाम वोटर लिस्ट में होना जरूरी है। वोटर लिस्ट में आपका नाम है और आपके पास वोटर कार्ड नहीं है तो चुनाव आयोग 11 प्रकार के अन्य दस्तावेजों को पहचान पत्र के तौर पर मान्यता देता है, जिन्हें दिखाकर आप वोट डाल सकते हैं।

मंत्री बन्ना गुप्ता के पीए का घूस लेने का ऑडियो

फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार के लिए सवा करोड़ लिया, सरयू राय का गंभीर आरोप

जमशेदपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। वोटिंग से पहले जमशेदपुर में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। ऐन वक्त पर जमशेदपुर पश्चिम से एनडीए प्रत्याशी सरयू राय ने एक ऑडियो जारी कर सनसनी मचा दिया है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी हेल्थ मिनिस्टर बन्ना गुप्ता के आप्त सचिव (पीए) गुड्डू सिंह पर घूस मांगने का आरोप लगाया है।

कथित ऑडियो में फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार पद पर बहाली के लिए घूस लेने की बातें हो रही है। राय का कहना है कि गुड्डू सिंह ने फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार पद पर बहाली के लिए 1.25 करोड़ रुपए की मांग की। यह ऑडियो इसका पुख्ता सबूत है।

इधर, बन्ना गुप्ता ने भास्कर से कहा कि वे स्वयं कुछ नहीं कहेंगे, इस मुद्दे पर उनके प्रवक्ता ही जवाब देंगे। उनके प्रवक्ता जम्मी भास्कर ने बयान जारी किया। कहा है कि दूसरों पर झूठे आरोप लगाना और फर्जी ऑडियो-वीडियो जारी करना सरयू की पुरानी फितरत है। आरोप पूरी तरह से मनगढ़त है।

दरअसल, सोमवार शाम सरयू ने एक ऑडियो जारी किया। इस कॉल रिकॉर्डिंग में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के कार्यालय से जुड़े कथित एक एजेंट और एक आवेदक के बीच बातचीत हो रही है। फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्ति को लेकर 1.25 करोड़ रुपए की सेटिंग पर दोनों के बीच बातचीत है।

सरयू राय ने बताया कि फार्मेसी रजिस्ट्रार के पद पर राहुल कुमार को अस्थायी तौर पर बहाल किया गया था। राहुल कुमार ने रजिस्ट्रार पद के लिए 1.25 करोड़ का भुगतान किया था। बाद में चार माह में ही हटाए जाने के बाद बन्ना गुप्ता के आप्त सचिव गुड्डू सिंह ने उनका फोन नहीं उठाया। सरयू राय ने कहा कि उन्होंने राहुल कुमार की बहाली को लेकर विधानसभा में सवाल भी उठाया था।

इधर, एनडीए प्रत्याशी सरयू राय के ऑडियो जारी कर बन्ना गुप्ता पर लगाए गए आरोपों के जवाब में बन्ना गुप्ता की ओर से उनके प्रवक्ता जम्मी भास्कर ने बयान जारी किया है। कहा है कि यह सरयू राय की चुनाव को प्रभावित करने की असफल कोशिश है। जम्मी भास्कर ने कहा कि सरयू राय झूठी खबर देकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। आरोप पूरी तरह से मनगढ़ंत है।

इस चुनाव में अपनी निश्चित हार को देख फर्जी ऑडियो जारी कर रहे हैं। इसमें यह भी स्पष्ट नहीं है कि फोन में बात करने वाले दोनों लोग कौन हैं? दो लोग बात कर रहे हैं, वे कौन हैं? किन नंबरों से बातचीत हो रही है? इसका कोई भी जिक्र नहीं है। उन्होंने कहा है कि सरयू राय का इस बार भी झूठ पकड़ा जा चुका है। सरयू राय जान गए हैं कि चुनाव में उनकी हार तय है। सरयू राय को सीडी जारी करने में महारत हासिल है।

तिरहुत स्नातक उपचुनाव नॉमिनेशन

मुजफ्फरपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। तिरहुत स्नातक उपचुनाव के लिए एनडीए समर्थित कैंडिडेट अभिषेक झा ने मंगलवार को नॉमिनेशन दाखिल करते ही बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को निशाने पर लिया। जब उनसे पूछा गया कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कल यहां अपने प्रत्याशी के समर्थन में आने वाले हैं, तो अभिषेक ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि ये पढ़े-लिखे लोगों का चुनाव है और सबसे बड़ी बात ये कि पढ़े-लिखे लोग किसी भी कीमत पर जंगलराज चलाने वालों के साथ नहीं जाएंगे। अभिषेक झा ने मुजफ्फरपुर के प्रमंडलीय कार्यालय में भारी संख्या में समर्थकों के साथ नॉमिनेशन दाखिल किया। तिरहुत स्नातक उपचुनाव के नामांकन का आज दूसरा दिन है।

अभिषेक झा के नामांकन के दौरान सीतामढ़ी के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर भी मौजूद थे। नॉमिनेशन के बाद आशीर्वाद सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा समेत कई दिग्गज मंत्री व नेता शामिल हुए। नामांकन दाखिल करने के बाद जदयू समर्थित कैंडिडेट अभिषेक झा ने मीडिया से बातचीत की।

च्यवनप्राश खाता है ये मुर्गा!

हल्के में लेने की भूल मत करना, एनर्जी देख कुत्ते की तो घिग्घी बंध गई

रायपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया स्क्रॉल करते हुए हमें अक्सर कुछ ऐसे वीडियो मिल जाते हैं, जिन पर एकबारगी तो यकीन नहीं होता। हालांकि इसे झूठ समझें या सच, लेकिन एक हैरान करने वाला वीडियो इंटरनेट पर वायरल है। यह वीडियो छत्तीसगढ़ के कांकेर का बताया जा रहा है। इस वीडियो में पहली बार आप मुर्गा और कुत्ते की लड़ाई देखेंगे। दोनों की लड़ाई का यह वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रहा है और लोग इसे देखकर जमकर शेयर कर रहे हैं। वीडियो में खास बात यह है कि इसमें मुर्गी कुत्ते पर भारी पड़ गई है। वीडियो में मुर्गी, कुत्ते पर उछल-उछल कर हमला करती दिख रही है। मुर्गी के इस तेवर को देखकर लोग हैरान हैं। वीडियो को लाखों लोग देख चुके हैं और 70 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे लाइक किया है। वीडियो पर लोग मजेदार कमेंट भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'जिसके पास जिगरा होता है, वो साइज नहीं देखता है।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'मुर्गी ने तो महफिल लूट ली।' वीडियो देखकर आप भी अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे। मुर्गी ने जिस तरह से कुत्ते को खदेड़ा है वो वाकई देखने लायक है। हो सकता है कि आपने इस तरह का नजारा पहले कभी न देखा हो। यह वीडियो इस बात का सबूत है कि सोशल मीडिया पर कब क्या वायरल हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। जानवरों के वीडियो तो लोगों को खूब पसंद आते हैं और अगर वीडियो में कुछ अनोखा हो तो वह वायरल होना तय है।

पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे से सोनवर्षा कचहरी के लोगों को मिलेगा फायदा

सहरसा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे से सोनवर्सा कचहरी इलाके के लोगों को फायदा होगा। मधेपुरा सांसद दिनेश चंद्र यादव ने मंगलवार को प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी। पिछड़ेपन को दूर करने और उन क्षेत्रों को देश के प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत बनने वाले पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे का काम जल्द ही शुरू होगा।

12 हजार करोड़ से भी ज्यादा की लागत से बनने वाली 282 किलो मीटर लंबी एक्सप्रेस-वे में 17 बड़े पुल, 11 रेलवे क्रासिंग पर आरओबी और दर्जनों छोटे पुलों का निर्माण होगा। इसके बनने से कोसी-सीमांचल सहित उत्तर बिहार के पिछड़े इलाके के लोगों को फायदा मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि यह सड़क दिघवारा-हाजीपुर- छपरा से शुरू होगी। समस्तीपुर के सरायरंजन-रोसड़ा-लगमा होकर दरभंगा के कुशेश्वरस्थान से सहरसा तक आएगी।

इसके बाद कठडुमर होते हुए सोनवर्षा कचहरी के हरिपुर होते हुए मधेपुरा के रजनी बभनगामा से पूर्णिया जिला के बड़हरा कोठी, गुलाबबाग होते हुए माथुर-डगरुआ के पास खत्म होगी। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से कोसी और सीमांचल का विकास होगा।

अपने विचारों से बिस्तर को नियंत्रित करें

आईआईटी-आईएसएम ने तैयार किया मरीजों के इशारे पर चलने वाला 'मेडिकल बेड'

धनबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। धनबाद के आईआईटी आईएसएम ने एक खास मेडिकल बेड बनाया है जो दिमाग से कंट्रोल होता है। इससे लकवाग्रस्त और गंभीर बीमार लोगों को बहुत मदद मिलेगी। इस अविष्कार के लिए आईआईटी आईएसएम की टीम को गांधीयन यंग टेक्नोलॉजी इनोवेशन सांत्वना-2023 अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह अवॉर्ड समारोह नई दिल्ली में हुआ था। यह मेडिकल बेड ईईजी सिग्नल से कंट्रोल होता है। इसका मतलब है कि मरीज सिर्फ अपने दिमाग से ही बेड को ऊपर-नीचे कर सकेंगे। यह तकनीक उन मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होगी जो खुद से हिल नहीं सकते।

आईआईटी आईएसएम के प्रोफेसर, रिसर्च स्कॉलर और छात्रों ने मिलकर यह बेड बनाया है। इस टीम में आशीष सिद्धार्थ, यल्ला मार्क विशाल, इनामपुडी साई अमिथ और मनमोहन लाभ शामिल थे। इस प्रोजेक्ट को डॉ जफर ने लीड किया था।

यह बेड 2021-22 में विकसित किया गया था और इसकी लागत लगभग दो लाख रुपए है। यह बेड अस्पतालों में नर्सों का काम आसान करेगा और मरीजों को बेहतर देखभाल मिलेगी। प्रोफेसर आलम ने बताया कि हमारा दिमाग छोटे-छोटे इलेक्ट्रिकल सिग्नल भेजता है। इन सिग्नल्स को ईईजी के जरिए पढ़ा जा सकता है। इस बेड को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वह इन सिग्नल्स को समझे और बेड को कंट्रोल करे।

मॉरीशस चुनाव में नवीन रामगुलाम की पार्टी जीती

पीएम प्रविंद जुगनाथ की पार्टी सभी सीटें हारी, ऑडियो टेप लीक का नुकसान

पोर्ट लुइस, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मॉरीशस में 10 नवंबर को संसदीय चुनाव हुए थे। मॉरीशस की न्यूज वेबसाइट ले मौरिसियन के मुताबिक इसमें लेबर पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम को जीत मिली है। वहीं, मौजूदा प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ की पार्टी सोशलिस्ट मूवमेंट को एक सीट भी नहीं मिल पाई है। पीएम मोदी ने सोमवार को मॉरीशस संसदीय चुनाव में एतिहासिक जीत हासिल करने के लिए नवीन रामगुलाम को बधाई दी है और उन्हें भारत आने का न्योता दिया है। मोदी ने कहा कि वे दोनों देशों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के लिए साथ काम करने को लेकर उत्सुक हैं। पिछले महीने मॉरीशस में सोशल मीडिया पर कुछ ऑडियो टेप वायरल हो गए थे। इसमें सरकार पर भ्रष्टाचार से जुड़े कई आरोप लगाए गए थे। इससे देश में नकारात्मक माहौल बना जिससे पार्टी को चुनाव में काफी

नुकसान हुआ। मॉरीशस की संसद में 70 सीटे हैं, लेकिन सिर्फ 62 सीटों पर चुनाव होते हैं। इस बार के चुनाव में रामगुलाम की लेबर पार्टी के 'एलायंस डु चेंजमेंट' गठबंधन को 62 सीटों पर जीत हासिल हुई है। वहीं, जुगनाथ के गठबंधन लेलेप को एक भी सीट हासिल नहीं हुई है। एक और पार्टी 'ओपीआर' को 2 सीटों पर जीत मिली है। मॉरीशस में भारतीय मूल के लोग बहुसंख्यक हैं। आजादी के समय वहां के लोगों को चिंता थी कि संसद में भारतीय मूल के लोगों का हमेशा वर्चस्व रहेगा और बाकी सत्ता में भागीदार नहीं बन पाएंगे। उनकी चिंता को दूर करने के लिए मॉरीशस में बेटर लूजर सिस्टम (बीएलएस) अपनाया गया था। इसके तहत 8 सीटों पर पिछड़े समुदाय के लोगों को प्रतिनिधित्व दिया जाता है। मैं देश को आग बढ़ाने के लिए जो भी कर सकता था किया, लेकिन लोगों ने दूसरी पार्टी को विजयी बनाने का फैसला किया है। मैं देश के लोगों को शुभकामनाएं देता हूं। जुगनाथ 2017 से देश के प्रधानमंत्री थे। उन्हें उनके पिता ने अपनी जगह पीएम बनाया था। इसके बाद वे 2019 में चुनाव जीते थे। पिछले महीने ही मॉरीशस ने ब्रिटेन से विवादित चागोस द्वीप समूह का कंट्रोल हासिल किया था। चुनाव में वे इसे भुनाने की कोशिश भी कर रहे थे, लेकिन उनकी पार्टी एक बड़े विवाद में घिर गई।

'मिस्सी मुस्टास' नाम के एक यूट्यूब चैनल ने अक्टूबर में देश के बड़े नेताओं, वकीलों, अधिकारियों और पत्रकारों के फोन टेप लीक किए। लीक टेप में कई खुलासे हुए थे।

एक चर्चित मामला पुलिस अफसर का था जिसने एक फोरेंसिक डॉक्टर को हिरासत में पिटाई की वजह से मारे गए शख्स की रिपोर्ट बदलने को कहा था।

भारतीय वायु सेना तेजस के लिए कर रही इंतजार

उधर ब्रिटेन ने 6वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान पर शुरू कर दिया काम

लंदन, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना अपने पहले लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) मार्क-1ए तेजस के लिए इंतजार कर रही है। वायु सेना ने साल 2021 में 83 तेजस फाइटर जेट के लिए ऑर्डर दिया था, लेकिन अभी तक इसकी डिलिवरी शुरू नहीं हुई है। तेजस के आने के बाद भारतीय वायु सेना की पुराने मिग सीरीज के विमानों की हटाने की योजना है, लेकिन ऐसा लगता है कि इसमें समय लग सकता है। लेकर भारत जहां अभी चौथी पीढ़ी के विमान का इंतजार कर रहा हैं, वहीं ब्रिटेन ने छठी पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट पर काम शुरू कर दिया है। यह दुनिया का दूसरा छठी पीढ़ी का विमान प्रोजेक्ट होगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और उनके मंत्रिमंडल ने ग्लोबल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट प्रोग्राम को मंजूरी दे दी है। पिछले सप्ताह ही यह मंजूरी दी गई थी और अगले कुछ हफ्तों में इस परियोजना की औपचारिक घोषणा की संभावना है।

गाजा में इजरायली सेना को झटका

तेल अवीव, 12 नवंबर (एजेंसियां)। गाजा पट्टी में सैन्य अभियान के समय उत्तरी इलाके में एक इजरायली सेना के मेजर की मौत हो गई है। इजरायली सेना ने सोमवार को बयान जारी करते हुए बताया है कि 34 वर्षीय स्क्वाड कमांडर इतामार लेविन फ्रिडमैन गाजा में लड़ाई के दौरान मारे गए हैं। सेना का कहना है कि उत्तरी गाजा के शहर जबालिया में इजरायली अभियान के दौरान एक एंटी टैंक मिसाइल से हुए अटैक में उनकी मौत हो गई।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इजरायली सेना ने अक्टूबर की शुरुआत में गाजा में एक बड़ा अभियान शुरू किया था। इस अभियान को शुरू करते हुए दावा किया गया था कि हमास फिर से उभर रहा है, ऐसे में सैन्य अभियान की जरूरत है। इसके बाद से गाजा के कई क्षेत्रों में इजरायल ने हमले तेज किए हैं। इस दौरान इजरायल को भी कई मोर्चों पर नुकसान हुआ है। इजरायली आंकड़ों के अनुसार, 7 अक्टूबर 2023 को गाजा युद्ध

शुरू होने के बाद से मारे गए उसके कुल सैनिकों की संख्या 783 हो गई है। इजरायल ने इससे पहले मध्य गाजा पट्टी के एक शरणार्थी शिविर में भारी बमबारी की थी। इसमें कम से कम 25 लोग मारे गए और 30 से अधिक घायल हो गए। दक्षिण गाजा पट्टी में विस्थापित लोगों के लिए लगाए गए एक तंबू पर हमले में भी पांच लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए हैं। फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए की एक रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार शाम को दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के पश्चिम में विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाले एक तंबू को निशाना बनाकर इजरायली बमबारी के दौरान कम से कम पांच लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। अल-नुसेरत शरणार्थी शिविर में एक अन्य हमले में कम से कम 20 फिलिस्तीनी मारे गए और 30 से अधिक घायल हो गए। अल-अवदा अस्पताल ने इस हमले की पुष्टि की है, और अस्पताल के अनुसार, पानी की टंकियों पर हमला होने से कई हिस्सों में पानी की सप्लाई बाधित हो गई है। अस्पताल के प्रशासनिक भवन को भी ड्रोन हमले में नुकसान पहुंचा है। अस्पताल ने अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से स्वास्थ्य सुविधाओं की सुरक्षा की अपील की है, क्योंकि गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के खिलाफ हमले जारी हैं।

रूस का यूक्रेन पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल से हमला

6 की मौत, 30 से ज्यादा घायल ग्लाइड बम भी दागे

कीव/मॉस्को, 12 नवंबर (एजेंसियां)। रूस ने सोमवार को यूक्रेन पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। इस दौरान रूस ने यूक्रेन के दक्षिण-पश्चिमी शहरों पर ग्लाइड बम भी दागे। इन हमलों में यूक्रेन के 6 नागरिकों की मौत हो गई है, वहीं 30 से ज्यादा घायल हैं। रूस ने यूक्रेन के जिन शहरों को निशाना बनाया है, वे वॉर जोन की फ्रंट लाइन से 1000 किमी की दायरे में हैं। सोमवार को रूसी हमले में सबसे ज्यादा 5 नागरिक दक्षिणी शहर माइकोलाइव में मारे गए। इस शहर पर रूस ने ड्रोन से हमला किया था। हमले में एक 45 वर्षीय महिला घायल भी हुई है। इसके अलावा रूस ने जपोरिजिया शहर पर 3 शक्तिशाली ग्लाइड बम दागे। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। रूस का ये हमला रविवार को मॉस्को पर हुए यूक्रेनी ड्रोन अटैक के जवाब में आया है। यूक्रेन ने रविवार को रूसी राजधानी पर 34 ड्रोन से हमला किया था। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने बयान जारी कर दावा किया कि उसने एक हमले में रूस के मिलिट्री हेलीकॉप्टर एमआई-24 को तबाह कर दिया। ये हमला रूस की राजधानी मॉस्को के करीब क्लिन-5 एयरफील्ड पर किया गया। हेलीकॉप्टर इसी एयरफील्ड पर पार्क था। वहीं रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने सोमवार को 17 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया है। ये ड्रोन रूस के कुर्स्क, बेलगोरोद और वेरोनेज इलाके में मारे गए। यूक्रेन ने शनिवार को दावा किया था कि उसने शुक्रवार देर रात रूस के पश्चिमी शहर तुला में एक केमिकल प्लांट को निशाना बनाया है। यूक्रेन की स्पेशल ऑपरेशन फोर्स एसबीयू ने कहा कि उसने हमले में 13 ड्रोन का इस्तेमाल किया था। हमले के बाद केमिकल प्लांट पर विस्फोट हुआ और धुएं का गुबार छा गया। एसबीयू के मुताबिक इस प्लांट पर रूसी सेना के लिए गोला-बारूद बनाया जाता है। हमले के बाद प्लांट से नारंगी रंग का धुआं निकलता दिखा। सीएनएन के मुताबिक एक सूत्र ने बताया कि हमले में अलेक्सिंस्काया थर्मल पावर प्लांट को भी नुकसान पहुंचा है। इस हमले में 110 केवी की बिजली ट्रांसमिशन लाइन भी क्षतिग्रस्त हुई है।

विद्रोही अराकान आर्मी ने मार गिराया जुंटा सेना का एमआई-17 हेलीकॉप्टर

सैनिक छुपकर बचा रहे जान

नेपीडा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। म्यांमार के विद्रोही गुट अराकान आर्मी (एए) ने जुंटा सेना के खिलाफ बड़ा दावा किया है। एए ने कहा है कि उसके लड़ाकों ने म्यांमार की जुंटा सेना के एक हेलीकॉप्टर को मार गिराया है। इस हेलीकॉप्टर को रखाइन राज्य में गिराया गया है, जो पश्चिमी कमान मुख्यालय में आपूर्ति ले जा रहा था। जुंटा हेलीकॉप्टरों ने जब ऐन टाउनशिप में पश्चिमी कमान के लिए आपूर्ति गिराना शुरू किया तो एए ने उनको घेर लिया और इनमे से एक को गिराने में कामयाब रहे। द इरावडी से साथ बातचीत में स्थानीय निवासियों ने बताया कि जुंटा शासन ने पश्चिमी कमान के आसपास तीन लड़ाकू विमानों के साथ हवाई हमले किए। वहीं हेलीकॉप्टरों और वाई-12 विमानों ने आपूर्ति के तहत सामान गिराए। इस दौरान जब एए के लड़ाकों ने जवाबी गोलीबारी की तो एक हेलीकॉप्टर इसकी चपेट में आया और उससे धुआं निकलने लगा।

ट्रम्प ने माइक वॉल्ट्ज को एनएसए बनाया

चीन विरोधी हैं, भारत से दोस्ती रखने के हिमायती, विदेश मंत्री बन सकते हैं माइक रूबियो

वॉशिंगटन, 12 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने फ्लोरिडा के सांसद माइक वॉल्ट्ज को देश का नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (एनएसए) नियुक्त करने का फैसला किया है। इस फैसले से परिचित दो सूत्रों ने ये जानकारी दी है। माइक वॉल्ट्ज को चीन-ईरान का विरोधी और भारत समर्थक माना जाता है। वे चीन पर अमेरिका की निर्भरता कम करने से जुड़े कई विधेयकों का समर्थन कर चुके हैं। वॉल्ट्ज अमेरिकी सेना की स्पेशल यूनिट फोर्स में 'ग्रीन बेरे कमांडो' रह चुके हैं और तालिबान के साथ अफगानिस्तान में जंग भी लड़ चुके हैं। उन्होंने अफगानिस्तान से बाइडेन सरकार की सैन्य वापसी का कड़ा विरोध किया था। वे मिडिल ईस्ट और अफ्रीका में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में चार एनएसए बदले थे। पहले सलाहकार जनरल मैकमास्टर सिर्फ 22 दिन ही पद पर रह पाए थे। इंडिया

कॉकस अमेरिकी सांसदों का एक ग्रुप है, जो भारत-अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करता है। इसका गठन 2004 में न्यूयॉर्क की तत्कालीन सीनेटर हिलेरी क्लिंटन (डेमोक्रेट्स) और विदेश मंत्री जॉन कॉर्निन (रिपब्लिकन) ने किया था। इंडिया कॉकस अमेरिकी संसद में भारत के मामलों पर चर्चा करने और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा मंच बन चुका है। इंडिया कॉकस में फिलहाल 40 मेंबर हैं। इंडिया कॉकस में डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन दोनों पार्टियों के नेता शामिल होते हैं। इसके सदस्य नियमित रूप से भारतीय नेताओं से मिलते हैं और अमेरिकी सरकार को भारत से जुड़े मामलों में सलाह देते हैं। वॉल्ट्ज इंडिया कॉकस के को-चेयर हैं और भारत के साथ मजबूत रिश्ते बनाए रखने के पक्ष में हैं। साल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी कांग्रेस के जॉइंट सेशन को संबोधित किया था। उनके इस भाषण की व्यवस्था में वॉल्ट्ज का बड़ा रोल था। उन्होंने ही हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी से मोदी को आमंत्रित करने की अपील की थी। अमेरिका में एनएसए एक अहम पद होता है। इसकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है। इसके लिए सीनेट की मंजूरी की जरूरत नहीं होती है। इसका काम टॉप राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करना और राष्ट्रपति की नीतियों को लागू करना होता है। फिलहाल जैक सुलिवन इस पद पर हैं। वॉल्ट्ज ऐसे दूसरे रिपब्लिकन सांसद हैं, जिन्हें ट्रम्प प्रशासन में पद मिला है। इससे पहले ट्रम्प ने न्यूयॉर्क की सांसद एलिस स्टेफैनिक को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की अगली राजदूत के रूप में चुना था। स्टेफैनिक ट्रम्प की वफादार समर्थक रही हैं। उन्होंने हार्वर्ड से पढ़ाई की है और पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल में भी उनके प्रशासन में काम कर चुकी हैं। ट्रम्प ने अपने पुराने सहयोगी स्टीफन मिलर को अपने नए प्रशासन में नीति मामलों का डिप्टी चीफ बनाया है। वे ट्रम्प के पहले कार्यकाल में उनके सलाहकार के पद पर थे। वे अवैध प्रवासियों पर कठोर रुख रखने के लिए जाने जाते हैं। ट्रम्प ने फ्लोरिडा से सीनेटर मार्को रूबियो विदेश मंत्री बनाने का फैसला किया है।

कमला हैरिस अभी भी बन सकती हैं पहली महिला राष्ट्रपति

पूर्व सलाहकार बोले- बाइडेन पद से इस्तीफा दें, 20 जनवरी तक पद पर रह सकेंगी

वाशिंगटन, 12 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी उप राष्ट्रपति कमला हैरिस देश की पहली महिला राष्ट्रपति बन सकती है। कमला के सलाहकार रह चुके जमाल सिमन्स के मुताबिक राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद भी उनके पास अभी भी राष्ट्रपति बनने का मौका है। इसके लिए वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन को पद से इस्तीफा देना होगा।

सिमन्स के मुताबिक अगर बाइडेन पद से इस्तीफा दे देते हैं, तो बचे हुए कार्यकाल (20 जनवरी तक) के लिए कमला हैरिस अमेरिका की राष्ट्रपति बन सकेंगीं। ऐसे में कमला के पास अमेरिकी इतिहास की पहली महिला राष्ट्रपति बनना का मौका होगा। सिमन्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जो बाइडेन शानदार व्यक्ति रहे हैं। बाइडेन कई वादे पूरे किए, जो उन्होंने जनता से किए थे। बाइडेन एक और वादा पूरा कर सकते हैं, अगर वे इस्तीफा देकर कमला को राष्ट्रपति बना देते हैं। कमला के राष्ट्रपति बनने से अगली महिला उम्मीदवार के लिए आसानी होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस को रिपब्लिकन उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। राष्ट्रपति चुनाव के लिए 5 नवंबर को वोटिंग हुई थी। राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 50 राज्यों की 538 में से 312 सीटें जीती हैं। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस कड़ी टक्कर देने के बावजूद

226 सीटें ही जीत पाई हैं। राष्ट्रपति चुनाव में कुल 538 सीटें होती हैं। बहुमत के लिए 270 का आंकड़ा जरूरी होता है। कमला को सभी 7 स्विंग स्टेट्स में भी हार का सामना करना पड़ा है। इन सभी राज्यों में ट्रम्प की पार्टी की जीत हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बुधवार, 13 नवंबर को अगले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। दोनों के बीच ये मुलाकात भारतीय समयानुसार रात 9:30 बजे होगी। व्हाइट हाउस ने इसकी जानकारी 9 नवंबर को दी। अमेरिका में ये परंपरा रही है कि वर्तमान राष्ट्रपति चुनाव के बाद अगले राष्ट्रपति के साथ व्हाइट हाउस में औपचारिक मुलाकात करते हैं। इस मुलाकात को सत्ता सौंपने की प्रकिया की शुरुआत के तौर पर देखा जाता है। हालांकि जब डोनाल्ड ट्रम्प 2020 में जो बाइडेन के हाथों राष्ट्रपति चुनाव हार गए थे, तो उन्होंने बाइडेन को मुलाकात के लिए आमंत्रित नहीं किया था।

राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद बुधवार को ही राष्ट्रपति बाइडेन ने ट्रम्प को फोन पर जीत की बधाई दी थी। इसके एक दिन बाद यानी गुरुवार को बाइडेन ने चुनाव में हुई हार पर बयान दिया।

हिंसक प्रदर्शनों के खतरे के बीच कनाडा में मंदिर का कार्यक्रम रद्द

सुरक्षा देने में नाकाम पुलिस

ओटावा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा में ब्रैम्पटन त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र ने रविवार को भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित जीवन प्रमाण पत्र वितरण समारोह को रद्द कर दिया। उन्होंने खालिस्तानी धमकियों पर चिंता जताते हुए यह फैसला लिया। भारतीय मूल के हिंदुओं और सिखों को आवश्यक जीवन प्रमाणपत्र नवीनीकरण के लिए 17 नवंबर को कॉन्सुलर शिविर निर्धारित किया गया था। ब्रैम्पटन त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र ने कहा, 17 नवंबर को भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित जीवन प्रमाण पत्र वितरण समारोह को रद्द कर दिया गया है। पील क्षेत्रीय पुलिस की आधिकारिक खुफिया जानकारी के बाद यह फैसला लिया गया।

पेरिस समझौते के अनुच्छेद छह को अपनाने का फैसला

वैश्विक कार्बन बाजार की होगी स्थापना

बाकू, 12 नवंबर (एजेंसियां)। अजरबैजान की राजधानी बाकू में आयोजित हो रहे वैश्विक जलवायु वार्ता सम्मेलन (कोप29) के पहले दिन एक ऐतिहासिक फैसला हुआ। इस फैसले के तहत पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 को अपनाया गया। पेरिस समझौते के अनुच्छेद छह में वैश्विक कार्बन बाजार के गठन का प्रावधान है। साथ ही इस अनुच्छेद में वैश्विक कार्बन बाजार के संचालन संबंधी प्रावधान भी बताए गए हैं। इस दिशा में बीते कई वर्षों से कोई प्रगति नहीं हुई थी। अब इसके लागू होने की उम्मीद बंधी है।

पेरिस समझौते का अनुच्छेद 6 कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की बात करता है। यह देशों और कंपनियों को कार्बन ऑफसेट का व्यापार करने के लिए दो रास्ते प्रदान करता है, जो कार्बन उत्सर्जन में

कमी के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करते हैं।

इसका पहला विकल्प, जिसे अनुच्छेद 6.2 के रूप में जाना जाता है, यह दो देशों को अपनी शर्तों के तहत एक द्विपक्षीय कार्बन व्यापार समझौता स्थापित करने की अनुमति देता है। दूसरा है अनुच्छेद 6.4, जो केंद्रीकृत, संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में ऐसी प्रणाली विकसित करने पर फोकस करता है, जिससे दोनों देश और कंपनियां कार्बन उत्सर्जन को ऑफसेट और इसका व्यापार कर सकें। इस तंत्र का उद्देश्य कार्बन-समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र वाले देशों में जलवायु वित्त प्रवाह को बढ़ाना है, जिससे पर्यावरण अखंडता और वित्तपोषण तक समान पहुंच हो सके।

भारत ने फिर उठाई सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग

कहा- तभी इसकी वैधता और विश्वसनीयता बरकरार रहेगी

न्यूयॉर्क, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने चेताया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की कोशिशों के नाम पर सिर्फ बहकाया जा रहा है और इससे सुरक्षा परिषद में विस्तार और इसमें एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के प्रतिनिधित्व को अनिश्चित काल के लिए टाला जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में परिषद के सदस्यों को बढ़ाने और समान प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर आयोजित बैठक में भारत के राजदूत पी हरीश ने ये बात कही। भारतीय राजदूत ने कहा कि यूएनएससी में सुधार की मांग कई दशकों से की जा रही है, इसके बावजूद यह निराशाजनक है कि साल 1965 के बाद से इसमें कोई भी बदलाव नहीं हुआ है। गौरतलब है कि 1965 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी वर्ग में शामिल सदस्यों की संख्या में

विस्तार किया गया था। उस समय अस्थायी निर्वाचित सदस्य देशों की संख्या छह से बढ़ाकर 10 की गई थी। अंतर सरकारी वार्ता की प्रक्रिया पर पी हरीश ने कहा कि इसके गठन के 16 साल बाद भी यह सिर्फ बयानों के आदान-प्रदान तक सीमित है। इसमें कोई समयसीमा तय नहीं है और न ही इसका कोई लक्ष्य तय किया गया है। भारतीय राजदूत ने जोर देकर कहा कि वह अंतर सरकारी वार्ता में वास्तविक ठोस प्रगति चाहता है और इसके लिए दो मामलों में सावधानी रखने की जरूरत है। पहला इसमें सदस्य राज्यों को अपना मॉडल प्रस्तुत करने के लिए अनिश्चित काल तक समयसीमा नहीं देनी चाहिए। न्यूनतम सीमा की खोज से उन्हें अपना मॉडल प्रस्तुत करने के लिए अनिश्चित अवधि तक प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए। साथ ही सर्वसम्मति बनाने में बहुत ज्यादा वक्त नहीं लगना चाहिए क्योंकि इससे सुरक्षा परिषद में संशोधन की प्रक्रिया अनिश्चित काल तक टल सकती है। भारतीय राजदूत ने कहा कि ग्लोबल साउथ का सदस्य होने के नाते भारत का मानना है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव से ही संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता और वैधता बरकरार रह सकती है।

अंतरिक्ष से दिखाई पड़ रहा लाहौर का जहरीला स्मॉग

लाहौर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की तरफ से ली गई सैटेलाइट तस्वीरों के अनुसार, पाकिस्तान के लाहौर शहर में छाए घने, जहरीले धुएं के बादल अब अंतरिक्ष से भी दिखाई दे रहे हैं। मुल्तान और इस्लामाबाद जैसे बड़े शहरों समेत पाकिस्तान के कई शहर धुंध के संकट से जूझ रहे हैं। एक स्थानीय टीवी चैनल ने बताया कि लाहौर और मुल्तान शहर काली धुंध की चादर में लिपटे हुए हैं, जिसने सड़कों को घेर लिया है और इमारतों को देखना भी मुश्किल बना दिया है।

स्विस एयर क्वालिटी टेक्नोलॉजी कंपनी आईक्यूएयर के अनुसार, मंगलवार को लाहौर में हवा दुनिया में सबसे प्रदूषित रही।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने संसदीय चुनाव को लेकर किए कई एलान

अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का भी वादा

कोलंबो, 12 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने गुरुवार को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए प्रचार अभियान का समापन किया। इस दौरान उन्होंने अपनी नई सरकार के तहत अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का वादा करके किया। बता दें, सितंबर में चुनाव जीतने के बाद राष्ट्रपति दिसानायके ने भ्रष्टाचार से निपटने का वादा किया और अचानक से संसदीय चुनाव का एलान कर दिया था। पूर्व मार्क्सवादी समूह नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) मुख्य रूप से अपनी भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों को लागू करने के लिए पूरी तरह से सशक्त विधानसभा की मांग कर रहा है, जहां उनका आरोप है कि 1948 से देश पर शासन करने

वाले प्रमुख राजनीतिक दलों के सभी राजनेता इसके लिए जिम्मेदार हैं। निर्वाचित होने के बाद से सरकार ने पिछले कुछ मुद्दों को फिर से उठाया है। हालांकि, सरकार को राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के पिछले प्रशासन के कुछ कठिन आर्थिक सुधारों को उलटने में अपनी नाकामी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। दिसानायके ने सोमवार को अपने अंतिम अभियान रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मार्च में पेश किए जाने वाले नए सरकारी बजट में, 'जितना कमाओ उतना भुगतान करो' कर में भारी कटौती की जाएगी। पिछले महीने राष्ट्रपति चुनाव में अनुरा कुमारा दिसानायके से हारने वाले निवर्तमान राष्ट्रपति विक्रमसिंघे 1977 के बाद पहली बार संसदीय चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। दिसानायके सरकार के सामने अब 2.9 अरब डॉलर के कार्यक्रम की तीसरी समीक्षा में राजस्व पर आईएमएफ के लक्ष्यों को पूरा करने की चुनौती है।

चुनाव के दो दिन बाद आईएमएफ तीसरी समीक्षा के लिए यहां आएगा। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कहा, 'हम फरवरी तक समीक्षा पूरी कर लेंगे।' दिसानायके ने जोर देकर कहा कि 14 नवंबर को शासक वर्ग के शासन का युग जो 1948 से 75 साल से अधिक समय तक चला था, औपचारिक रूप से समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, 'एनपीपी के सदस्यों को चुनकर हमें एक मजबूत संसद दीजिए।'

सीएम भजनलाल के चौरासी के दौरे के बाद कांग्रेस में बढ़ी हलचल, क्या बदलेगी बाजी ?

डूंगरपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। डूंगरपुर जिले की चौरासी विधानसभा में 13 नवम्बर को उपचुनाव होंगे। इस चुनाव में चौरासी हॉट सीट बन चुकी है। क्योंकि यहां सियासी पारा गरमाया हुआ है। भाजपा, कांग्रेस व बीएपी तीनों दलों ने पूरी ताकत झोंक रखी है, ताकि जीत दर्ज की जा सके। सीएम भजनलाल शर्मा ने चौरासी का दौरा किया और सारी बाजी पलट दी। सीएम ने कांग्रेस व बीएपी की सबके सामने पोल खोली और जमकर दोनों दलों पर निशाना साधा। सीएम के दौरे के बाद दूसरे दलों में हलचल मच गई है।

बता दें कि चौरासी विधानसभा सीट पर भाजपा से कारीलाल ननोमा, कांग्रेस से महेश रोत और बीएपी से अनिल कटारा चुनावी मैदान में है। बहरहाल चुनावी स्थिति पर नजर डालें तो भाजपा प्रत्याशी कारीलाल ननोमा सबसे मजबूत दिखाई दे रहे हैं। तीनों दलों में मुकाबला कड़ा है, लेकिन भाजपा मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है।

भाजपा प्लानिंग के आधार पर इलेक्शन को फाइट करती है। सीएम भजनलाल शर्मा ने विधानसभा उपचुनाव के प्रचार-प्रसार के आखिरी दिन चौरासी का दौरा किया। इससे पहले उन्होंने दौसा, खींवसर व अन्य सीटों का दौरा किया। लेकिन आखिरी में चौरासी सीट का दौरा किया और सारे समीकरण बदल डाले। सीएम ने कहा कि बीएपी एवं कांग्रेस धर्म और जाति के नाम पर भडक़ाने की राजनीति करती है, इन्हें केवल वोट चाहिए। इन्हें देश-प्रदेश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है। पंजे ने तो देश को गंजा कर दिया।

चौरासी विधानसभा उपचुनाव रोचक बन गया है। यहां पर बीएपी पार्टी का सबसे बड़ा मुद्दा भील प्रदेश बनाने का है तो बीजेपी का हिंदुत्व और आदिवासी कल्याण का है, वहीं कांग्रेस अतीत के अपने परंपरागत आदिवासी वोटों के जड़ की तलाश में है। लोकसभा चुनाव में डूंगरपुर-बांसवाड़ा सीट से राजकुमार रोत के सांसद चुने जाने से यहां उपचुनाव हो रहा है।

सीएम भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ पिछले डेढ़ माह में तीन बार डूंगरपुर जिले का दौरा कर चुके है। इस दौरान उन्होंने 15 नवंबर को आदिवासी गौरव दिवस मनाने की जानकारी भी दी है।

चौरासी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा का मुकाबला कर रही बीएपी पार्टी को अब बगावत का डर सता रहा है। आदिवासी परिवार से जुड़े और भारत आदिवासी पार्टी में काम कर चुके बदामीलाल बागी होकर चुनाव लड़ रहे हैं। बदामीलाल ने भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वे 2014- 2015 से आदिवासी परिवार और पार्टी से जुड़े हुए है। पार्टी के नेताओं ने ये कहकर उनका टिकिट काट दिया कि एक व्यक्ति एक चुनाव का नियम है। जबकि उनकी पत्नी प्रधान है, वे किसी पद पर नहीं है। उनका टिकिट भले काट दिया, लेकिन पार्टी के ही बड़े नेता खुद ये नियम तोड़ रहे है।

क्षेत्र में भाजपा के युवा कार्यकर्ता यहां भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने में लगे है। पिछले 11 माह में भाजपा के युवा कार्यकर्ताओं की टोली ने घर-घर जाकर राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में बताया है। पिछले चार माह से कार्यकर्ता पूरी चुनाव संभाले हुए हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत का ही परिणाम है कि अब माहौल भाजपा के पक्ष में जाता नजर आ रहा है।

हाईकोर्ट ने सीएस सुधांशु पंत को किया तलब

सरकार पर लगाया 1 लाख का हर्जाना

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सड़क सुरक्षा के लिए 8 साल पहले दिए गए 25 दिशा निर्देशों की पालना पर राज्य सरकार की चुप्पी और सुनवाई के दौरान पैरवी के लिए कोई हाजिर नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जताई है। साथ ही, टिप्पणी की कि लगता है सरकार सड़क दुर्घटना में मौत जैसे गंभीर मुद्दों पर समाधान खोजने में विफल रही है। कोर्ट ने इस मामले में 27 नवम्बर को दोपहर 2 बजे मुख्य सचिव को व्यक्तिशः बुलाया है, वहीं पक्ष रखने का एक और मौका देते हुए सरकार से राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में एक लाख रुपए हर्जाना जमा कराने को कहा है।

न्यायाधीश अशोक कुमार जैन ने भरपाई व अन्य की 21 साल से विचाराधीन अपील पर यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि मई 2015 में जयपुर में फ्लाई ओवर एवं सड़कों को चौड़ा करने, चौराहों-तिराहों के विकास, चारदीवारी क्षेत्र में पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सुधार व पार्किंग पर पाबंदी, सड़कों से यातायात में बाधा अतिक्रमण, पेड, ट्रांसफार्मर व डेयरी बूथ हटाने, जेब्रा क्रॉसिंग, स्टॉप लाइन, ट्रैफिक लाइटों में सुधार, पैदल व साइकिल मार्गों के विकास, फ्लाई ओवर की आवश्यकता वाले व बोटल नेक वाले स्थान चिन्हित करने, दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज होते ही बीमा कंपनी को सूचित करने, ओवरलोडिंग व प्रदूषण रोकने के उपाय जैसे 25 बिन्दुओं को लेकर विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए।

कोर्ट ने इन निर्देशों की ओर सरकार का ध्यान दिलाते हुए कहा कि इस मामले में कोर्ट के निर्देश पर मई 2015 से इस साल मार्च तक महाधिवक्ता हाजिर हुए, फिर इस साल दो बार अतिरिक्त महाधिवक्ता भरत व्यास आए और अब तो कोई आया ही नहीं। कोर्ट ने इस स्थिति का हवाला देकर कहा कि कोर्ट के 8 साल पुराने निर्देशों की पालना नहीं हो रही, जो गंभीर है।

बीमा कंपनी बोली, सरकार की वजह से होती हैं दुर्घटनाएं

इस मामले पर सुनवाई के दौरान 8 साल पहले बीमा कंपनी की ओर से कहा गया था कि राज्य सरकार की लापरवाही के कारण सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे में दुर्घटना में नुकसान पर क्षतिपूर्ति का पूरा भार बीमा कंपनी पर नहीं डाला जाना चाहिए, राज्य सरकार को भी वहन करना चाहिए।

यहां बढ़ रही दुर्घटनाएं

2015 में सुनवाई के दौरान कोर्ट के सामने आया कि जयपुर में अजमेर रोड़, सीकर रोड़, टोंक रोड, आगरा रोड, न्यू सांगानेर रोड, बी-टू-बाईपास, मालवीय नगर, सी-स्कीम, विद्याधर नगर क्षेत्र, चारदीवारी क्षेत्र में वाहन दुर्घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इस पर तत्कालीन महाधिवक्ता एन एम लोढ़ा ने अंतरविभागीय कमेटी का गठन कर समाधान सुझाने का

'जो लॉरेंस के साथियों को ठोकेगा' उसे करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 2.44 करोड़ का दिया ऑफर

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 5 दिसंबर के दिन जयपुर के श्याम नगर इलाके में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस विश्नोई गैंग ने ली थी। जिसे लेकर अब क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज सिंह शेखावत ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े 5 लोगों की हत्या करने पर कुल 2 करोड़ 44 लाख रुपए का इनाम रखा है।

राज सिंह शेखावत का कहना है कि लॉरेंस विश्नोई गैंग से जुड़े आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने वाले अनमोल बिश्नोई, गोल्डी बरार, रोहित गोदारा, संपत नेहरा और वीरेंद्र चारण को जो व्यक्ति ठोकेगा, उसे पुरस्कार दिया जाएगा। हम क्षत्रिय धर्म का निर्वहन करें और आतंकवाद और भय मुक्त भारतवर्ष हो यह सुनिश्चित करें। उन्होने बदमाशों पर अलग-अलग इनाम रखा है।

राज शेखावत ने आदे कहा कि अमर शहीद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के हत्यारों, साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर किया जाएगा। आओ योद्धाओं हम क्षत्रिय धर्म का निर्वहन करें और आतंकवाद और भय मुक्त भारतवर्ष हो यह सुनिश्चित करें। मां करणी का आशीर्वाद सदैव बना रहे।

शेखावत ने अनमोल बिश्नोई पर एक करोड़ रुपए, गोल्डी बरार पर 51 लाख रुपए, रोहित गोदारा पर 51 लाख रुपए, संपत नेहरा पर 21 लाख रुपए और वीरेंद्र चारण को मारने वाले को 21 लाख रुपए का ऑफर दिया है। राज सिंह शेखावत इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मी को एक करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा कर चुके हैं।

'मार दो, रास्ते से हटा दो' सीएम की मौजूदगी में बीजेपी नेता ने सांसद को दी धमकी

डूंगरपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। डूंगरपुर जिले की चौरासी विधानसभा उपचुनाव के प्रचार का शोर थमने से पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ चौरासी क्षेत्र में रहे। दोनों ही नेताओं ने कुआं में बीजेपी प्रत्याशी कारीलाल ननोमा के समर्थन में सभा को संबोधित कर कांग्रेस और बीएपी पर निशाना साधा। इसी सभा में सीएम भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में एक बीजेपी नेता ने ऐसा विवादित बयान दे डाला, जो सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

दरअसल, बडगामा ग्राम पंचायत के सरपंच कांतिलाल ने भारत आदिवासी पार्टी की नीतियों पर कटाक्ष करते हुए आदिवासी समाज की लड़कियों की शादी मुस्लिम समाज से नहीं होने देने की बात कही। सरपंच कांतिलाल ने मंच से ऐलान करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की लड़कियों की शादी मुस्लिम समाज से नहीं होगी। आदिवासी समाज को बरगलाने वाले ऐसे लोगों को मार देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि राजकुमार रोत ने लोकसभा चुनाव से पहले बयान जारी करते हुए कहा था कि आदिवासी लड़कियों की शादी मुस्लिम समाज के लड़कों के साथ करना चाहिए। जिसके जवाब में अब सरपंच ने कहा कि राजस्थान में आदिवासी लड़कियों की शादी मुस्लिमों से कराने वालों को मार डालना चाहिए।

सरपंच का बयान सामने आने के बाद सांसद राजकुमार रोत ने तीखा हमला बोलते हुए कांतिलाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी दी है। सांसद रोत ने सरपंच का वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा कि चौरासी उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल की सभा में बीजेपी के एक पदाधिकारी ने भरे मंच से मुझे मारने की धमकी दी और बीजेपी के कार्यकर्ताओं को खुली छूट दी है कि मार दो, उड़ा दो, रास्ते से हटा दो। कई अन्य पदाधिकारियों ने भी अमर्यादित भाषा का उपयोग किया है। प्रशासन तत्काल कार्यवाही करें और मुझे व बीएपी के किसी भी पदाधिकारी के साथ कुछ होता है तो राजस्थान के मुख्यमंत्री जिम्मेदार रहेंगे।

अपने बयान पर डटे सरपंच कांतिलाल

सांसद राजकुमार रोत द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की चेतावनी के बाद भी सरपंच कांतिलाल ने अपने बयान पर डटे हुए हैं। उन्होंने अपने बयान को दोहराते हुए कहा कि सांसद राजकुमार रोत ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि आदिवासी लड़कियों को मुस्लिम से शादी करनी चाहिए। इसका वो विरोध करते हैं। हम आदिवासी समाज में ही लड़कियों की शादी कराएंगे। राजकुमार रोत कौन होता है? जो हमें दूसरे धर्म में शादी करने की सलाह देते हैं।

सांसद रोत ने बीजेपी पर लगाया ये आरोप

इससे पहले सांसद रोत ने एक्स पर लिखा था कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने चौरासी आकर कुआ ग्राम पंचायत में जो बीजेपी की जबरदस्ती वाली चुनावी सभा की, वो काफी निंदनीय है। आचार संहिता होने के बावजूद आम जनता को पुलिस द्वारा जबरदस्ती लाकर बिठाया गया, बिना वजह परेशान किया और मंच से भरी सभा में जान से मार देने की धमकी देना, ऐसी गंदी राजनीति की जितनी निंदा की जाये कम है।

'खींवसर में हारे तो सिर और मूंछें मुंडवा लूंगा' चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह का एलान

नागौर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में खींवसर सीट सबसे दिलचस्प सीट मानी जा रही है। यहां पर चुनाव प्रचार के दौरान सभी पार्टियों के नेताओं की ओर से जमकर बयानबाजी देखी गई। चिकित्सा मंत्री बोले, जीतने की देता हूं गारंटी, यदि हार गए तो मूंछ और सिर मुंडवाकर चौक में खड़ा हो जाऊंगा।

राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव का प्रचार थम चुका है। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में खींवसर में रेवंतराम डांगा के समर्थन में एक सभा आयोजित की गई थी। इस सभा में राजस्थान सरकार के चिकित्सा एवं कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने एक बड़ा बयान दिया है। मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा, मैं गारंटी दे रहा हूं कि हम यह सीट हार ही नहीं सकते, अगर हम चुनाव हार गए तो मैं अपनी मूंछ और बाल मुंडवाकर चौक में खड़ा हो जाऊंगा।

इस दौरान भाजपा प्रत्याशी रेवतराम डांगा ने खींवसर कस्बे में हुई इस सभा में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि यह टिकट जनता की टिकट है और इस चुनाव को पूरी जनता ही लड़ रही है। खींवसर की जनता का फैसला होगा, वह सिर्फ ऊपर होगा। आपको पता है खींवसर के लोगों के लिए यहां पर एक कार्यालय भी खोला जाएगा, जिसमें उस कार्यालय का नाम जनता कार्यालय होगा। जनता यहां पर आएगी और अपनी समस्या बताएगी और इस समय उसे समस्या का समाधान हो जाएगा। यह टिकट मेरा नहीं है, यह जनता का ही है और इस टिकट पर जनता चुनाव लड़ रही है। चुनाव प्रसार के अंतिम दिन भारतीय जनता पार्टी ने खींवसर सीट के इस उपचुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी।

इस सभा में गजेंद्र सिंह खींवसर ने एक ऐसा बयान दिया, जिसे लेकर पूरा खींवसर इलाका हिल गया। उन्होंने कहा कि मेरे पास मुख्यमंत्री का फोन आया और उन्होंने कहा कि खींवसर सीट आपके भरोसे है और खींवसर में आप कमल का फूल खिलाएंगे। मेरा यह मानना है कि यदि यहां पर फूल नहीं खिला तो मेरे मंत्रालय पद पर संकट है। आप देखते हो सामने वाली पार्टियां चुनाव जीतने के बाद किस तरीके से अपमान करती हैं, हमें नीचा दिखाने के लिए। यह चुनाव अब रेवतराम डांगा नहीं, यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी लड़ रही है। खींवसर विधानसभा सीट पर पूरे राजस्थान की निगाहें टिकी हुई हैं। वह इसलिए की राजस्थान की तीसरी पार्टी यानी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की राजधानी है, दूसरा यह भी कारण है कि इस सीट पर कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियों ने बड़े-बड़े नेताओं को मैदान में उतार कर देख लिया, जबकि दोनों ही पार्टियों यहां पर सफल नहीं हो पाईं।

कन्हैयालाल हत्याकांड: हत्या के आरोपी को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस, एनआईए से भी मांगा जवाब

उदयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में साल 2022 में कन्हैयालाल की हत्या कर दी गई थी। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में चल रही है। हालांकि, हत्याकांड के एक आरोपी को राजस्थान हाईकोर्ट ने जमानत दे दी थी। वहीं, अब मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से NIA और आरोपी मोहम्मद जावेद को नोटिस जारी किया गया है। कन्हैयालाल के बेटे ने इस पूरे मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

बता दें कि राजस्थान हाईकोर्ट ने इस साल सितंबर में एक आरोपी को जमानत दी थी। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया था कि प्रथम दृष्टया यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे कि अपीलकर्ता ने दो मुख्य आरोपियों के साथ साजिश रची थी। यह मामला जस्टिस एमएम सुंदरेश और अरविंद कुमार की बेंच के समक्ष आया। यश तेली का प्रतिनिधित्व एडवोकेट नेमी सक्सेना ने पीठ के समक्ष किया। सक्सेना ने तर्क दिया कि इस विशेष आरोपी जावेद की भूमिका बहुत गंभीर है। क्योंकि उसने हमलावरों को मृतक कन्हैयालाल के ठिकाने और उपस्थिति के बारे में जानकारी दी थी। सक्सेना ने जोर देकर कहा कि उसके द्वारा किए गए अपराध की गंभीरता पर गहराई से विचार किए बिना उसे जमानत देने में हाईकोर्ट का फैसला सही नहीं था। दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर नोटिस जारी किया।

याचिका में कहा गया है कि हत्या देश भर में सांप्रदायिक रूप से उत्तेजित माहौल में की गई थी।याचिका में आगे कहा गया है कि आरोपियों ने खुद को इकट्ठा किया, हत्या करने की तैयारी की, हथियार एकत्र किए, रेकी की, मृतक के ठिकाने की जानकारी देने के लिए प्रतिवादी नंबर 2 (जावेद) को लगाया।

भीलवाड़ा पुलिस ने 46 लाख रुपये का अवैध डोडा चूरा किया जब्त, एनएच 758 पर पुलिस ने कार्रवाई की

भीलवाड़ा, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के बडलियास थाना पुलिस ने विधानसभा उपचुनाव 2024 के दौरान अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ अभियान में बड़ी कामयाबी हासिल की। पुलिस ने एनएच 758 पर एक पिकअप वाहन से करीब 46 लाख रुपये मूल्य का 936.860 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा जब्त किया है। इस अभियान के तहत पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन को भी जब्त कर लिया। मामले में फरार अज्ञात चालक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह आईपीएस के अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन और माण्डलगढ़ वृताधिकारी बाबू लाल विश्नोई के सुपरविजन में, थाना बडलियास के थानाधिकारी सिद्धार्थ प्रजापत ने अपनी टीम के साथ रात में गश्त के दौरान यह सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि 11 नवम्बर 2024 की रात चैकी सवाईपुर के इंचार्ज अशोक कुमार कड़वा हेड कांस्टेबल (कानि.) 885 के नेतृत्व में टीम एनएच-758 पर गश्त कर रही थी। बीगोद की ओर से आ रही एक संदिग्ध पिकअप (रजिस्ट्रेशन नंबर आरजे 06 जीबी 7369) को चेकिंग के लिए रुकवाने का प्रयास किया गया, परन्तु पिकअप चालक ने वाहन रोकने की बजाय तेजी से भीलवाड़ा की ओर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया, जिसके बाद पिकअप डेलाना की सीमा पर पलट गई।

15 बाघों के गायब होने पर टाइगर वॉच का खुलासा

बुढ़ापा, बिगड़ी तबीयत, टेरिटोरियल फाइट और मानव जनित कारण गिनाए

सवाई माधोपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। रणथंभौर टाइगर रिजर्व से गायब बाघ-बाघिन और शावकों का मुद्दा फिलहाल सुर्खियों में है। इसको लेकर मचा हो-हल्ला थमता हुआ नहीं दिख रहा है।

इसी बीच अब टाइगर वॉच संस्था ने 15 बाघों के गायब होने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। टाइगर वॉच संस्था ने रणथंभौर से बाघों के गायब होने के कारणों में बढ़ती आयु, स्वास्थ्य समस्याएं, टेरिटोरियल फाइट (क्षेत्रीय संघर्ष) और अन्य मानव जनित कारण बताए हैं।

रणथंभौर से गायब बाघ बाघिनों और शावकों के मामले में चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन पवन कुमार उपाध्याय ने एक कमेटी का भी गठन किया है। 4 नवंबर को इस कमेटी के गठन होने के बाद वन विभाग ने 6 नवंबर को 10 बाघों की उपस्थिति तथ्यात्मक रूप से जारी कर दी, लेकिन 15 बाघ-बाघिन और शावकों के बारे में वन विभाग के पास अभी भी कोई जवाब नहीं है।

पुलिस ने 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को किया गिरफ्तार

राजसमंद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजसमंद. देवगढ़ उपखण्ड की दिवेर पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी में 7 साल से फरार चल रहे 25 हजार के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक राजसमंद मनीष त्रिपाठी ने बताया कि थाना दिवेर में एनडीपीएस एक्ट में सात साल से वांछित आरोपी रामनिवास ऊर्फ मुन्नालाल गायरी निवासी अमलावद थाना दलौदा जिला मन्दसौर मध्यप्रदेश घटना के बाद से ही फरार था।

तलाश के बावजूद वह पुलिस के हाथ नहीं लगा। इस पर उसकी गिरफ्तारी के लिए कार्यालय आदेश जारी कर फरार आरोपी पर 25 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की गई। आरोपी रामनिवास ऊर्फ मुन्नालाल पर इनाम की घोषणा के बाद पुलिस टीमों का गठन किया गया। लेकिन इसके बाद में जिला स्तर पर टीम गठित की गई। जिसमें दिवेर थानाधिकारी भवानीशंकर सहित उप निरीक्षक केशाराम, हैडकांसटेबलशम्भुप्रताप सिंह, हंसराज, शिवदर्शन सिंह, कांस्टेबल अरविन्द, रामकरण एवं चालक हंसराज को शामिल किया गया। फरार वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम द्वारा मुखबिर से सूचना एकत्रित कर सात साल से फरार चल रहे आरोपी को दस्तायाब कर अग्रिम अनुसंधान के लिए दिवेरथानाधिकारी के सुपुर्द किया गया। आरोपी से मामले में पूछताछ की जा रही है।

मंत्री सुरेखा ने कार्तिक दीप महोत्सव में भाग लिया

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वानिकी, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ विभाग मंत्री कोंडा सुरेखा ने आज कार्तिक माह में वारंगल के न्यूजयामपेट में डोनागुट्टा श्री त्रिवेदाद्रि संतोष लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी देवस्थानम में कल्याणम और कोटि दीपोत्सव कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर मंदिर प्रशासकों व पुजारियों ने मंत्री का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूर्णकुंभ से स्वागत किया। मंत्री सुरेखा ने कार्तिक माह के उपलक्ष्य में विशेष पूजा कार्यक्रमों में भाग लिया। बाद में उन्होंने स्वामी का कल्याण महोत्सव देखा। पुजारियों ने मंत्री को तीर्थ प्रसाद भेंट किये। मंदिर समिति के सदस्यों ने मंत्री को रेशमी वस्त्र देकर सम्मानित किया। बाद में मंत्री सुरेखा ने कार्तिक दीप महोत्सव में भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सुरेखा ने कहा कि कार्तिक महीने में दोनागुट्टा श्री त्रिवेदाद्रि संतोष लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी के कोटि दीपोत्सव में भाग लेना दिव्य था। उन्होंने कहा कि कार्तिक माह में घर-घर में कार्तिक दीपों से बहुत ही आध्यात्मिक माहौल रहता है। मंत्री ने कहा कि कार्तिक माह में दीप जलाने से हमारे पाप दूर होंगे और सब कुछ मंगलमय होगा। मंत्री सुरेखा ने साफ किया है कि वह इस मंदिर के विकास के लिए स्थानीय मंत्री और धर्मस्व मंत्री के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम की सामान्य निधि से एप्रोच रोड और गिरि प्राधिकरण रोड के निर्माण के लिए कुल 54 लाख 50 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जल्द ही काम शुरू करने के लिए कदम उठाये जायेंगे।

बीआरएसवी कार्यकर्ताओं ने आरजीयूकेटी-बासर में विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति विद्यार्थी (बीआरएसवी) के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को बासर स्थित राजीव गांधी ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीयूकेटी) में एक छात्रा की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के सामने धरना दिया और उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जिन्होंने छात्रा स्वाति प्रिया (17) को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया।

उन्होंने आत्महत्याओं की अनदेखी करने के लिए संस्थान के प्रबंधन के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने सरकार से आत्महत्याओं की जांच करने और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर बासर पुलिस थाने में ले जाया गया। शाम को उन्हें रिहा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रबंधन को छात्रों की मौत की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुलपति और निदेशक छात्रों की प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

मल्लू रवि ने 'लोकतंत्र विरोधी साजिशों' के लिए बीआरएस की आलोचना की

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने बीआरएस नेताओं पर राज्य सरकार को अस्थिर करने के उद्देश्य से साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने विशेष रूप से कोडंगल विधानसभा क्षेत्र में हुई एक घटना का जिक्र किया, जहां विकाराबाद कलेक्टर द्वारा भूमि अधिग्रहण के संबंध में स्थानीय ग्रामीणों से मिलने के प्रयास को बाधित किया गया था। मंगलवार को यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि जिला कलेक्टर पर हमला बीआरएस नेताओं द्वारा किया गया था, जिन्होंने अपने कार्यों के लिए किसानों का इस्तेमाल किया।

उन्होंने दावा किया, इसके सभी सबूत उपलब्ध हैं। अपनी चिंताओं को और व्यक्त करते हुए, मल्लू रवि ने कहा कि चूंकि कांग्रेस सरकार ने जनता का समर्थन नहीं खोया है, इसलिए बीआरएस कोडंगल हमले जैसी घटनाओं के माध्यम से लोगों को भड़काने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, यह मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर हमला नहीं है, बल्कि लोकतंत्र पर हमला है। नागरकर्नूल लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मल्लू रवि ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की भी आलोचना की, जिन्होंने अपने दशक भर के कार्यकाल में कथित तौर पर परिवार के हितों को जन कल्याण से ऊपर रखा। उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव की हाल की दिल्ली यात्रा का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने बीआरएस और भाजपा के बीच गुप्त गठबंधन का आरोप लगाया और केटीआर पर कांग्रेस नेताओं को बदनाम करने के लिए उनके खिलाफ निराधार आरोप लगाने का आरोप लगाया।

कांग्रेस सरकार मिल मालिकों और बिचौलियों को किसानों को लूटने दे रही है : जगदीश

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री जी जगदीश रेड्डी ने किसानों की अनदेखी करने और कपास और धान की खरीद में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनके मंत्रियों ने बिचौलियों और मिल मालिकों के साथ मिलीभगत की, जिससे उन्हें किसानों को लूटने का मौका मिला।

मंगलवार को तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए जगदीश रेड्डी ने कपास और धान की खरीद में देरी से बचने के लिए कोई कदम न उठाने के लिए मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने खरीद में देरी की और किसानों को बिचौलियों और मिल मालिकों के हाथों में छोड़ दिया। उन्होंने मांग की कि अगर खरीद पर सरकार के दावे सही हैं, तो कृषि और नागरिक आपूर्ति मंत्रियों को यह बताना चाहिए कि किसानों से कितना धान और कपास खरीदा गया है।

नलगोंडा में उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता खरीद केंद्रों पर लाई गई उपज को अस्वीकार करने के लिए अधिकारियों पर दबाव डाल रहे हैं, जबकि बिचौलियों को लाभ पहुंचा रहे हैं, ताकि वे इसे सस्ती कीमत पर खरीद सकें।

पूर्व मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर रेवंत रेड्डी के मौखिक हमलों को लोगों का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी की खोखली बयानबाजी उनकी सरकार की विफलताओं को नहीं छिपा सकती। वह बार-बार दिल्ली आते हैं, दिन में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल के सामने दंडवत करते हैं, साथ ही रात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेताओं के सामने दंडवत करते हैं।

जगदीश रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस के वफादारों में रेवंत रेड्डी के नेतृत्व और उनके शासन से निराशा बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री को अपने मूल कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र में कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है और लागाचेरला में अशांति को इस संबंध में एक मजबूत संकेत बताया। किसानों का सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ आक्रोश वास्तव में भूमि अधिग्रहण को लेकर मुख्यमंत्री पर लक्षित है। अगर वह वहां जाते तो स्थिति और भी खराब होती। उन्होंने कांग्रेस द्वारा बीआरएस की साजिश के दावों को खारिज करते हुए बुद्धिजीवियों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं से कोडंगल जाकर तथ्यों की जांच करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और सरकार की विफलताओं और भ्रष्टाचार के लिए उसे जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया।

खाड़ी क्षेत्र के श्रमिकों के कल्याण के लिए घरेलू सर्वेक्षण

टीपीसीसी एनआरआई सेल ने भाग लेने का आह्वान किया

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी एनआरआई सेल के अध्यक्ष डॉ. बीएम विनोद कुमार ने खाड़ी क्षेत्र के प्रवासी श्रमिकों के परिवारों से तेलंगाना में घरेलू सर्वेक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया है।

मंगलवार को गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए बीएम विनोद कुमार ने स्पष्ट किया कि लोगों को बीआरएस और भाजपा द्वारा फैलाए जा रहे झूठे प्रचार पर विश्वास नहीं करना चाहिए। सभी खाड़ी क्षेत्र के श्रमिक एक ही जाति और एक ही वर्ग के हैं। हाल ही में जारी सरकारी आदेश के अनुसार खाड़ी क्षेत्र के मृतकों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की गई है, खाड़ी क्षेत्र के श्रमिकों के बच्चों के लिए गुरुकुल स्कूलों में प्रवेश और समस्याओं के समाधान के लिए 'प्रवासी प्रजावाणी' नामक शिकायत निवारण काउंटर स्थापित किया गया है। विनोद कुमार ने कहा कि सर्वेक्षण में एकत्र की गई जानकारी भविष्य में और अधिक कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू करने के लिए महत्वपूर्ण होगी।

टीपीसीसी एनआरआई सेल के संयोजक मंधा भीम रेड्डी ने कहा कि अगर सर्वेक्षण में खाड़ी श्रमिकों की संख्या का पता चलता है, तो सरकार को उनके कल्याण और सुरक्षित प्रवास के लिए उचित योजना बनाने का अवसर मिलेगा।

भीम रेड्डी ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने 19 अगस्त, 2014 को टीआरएस सरकार द्वारा किए गए 'व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण' में एकत्र खाड़ी श्रमिकों की जानकारी का खुलासा नहीं किया।

सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत मांगने के बाद भी सरकार ने जानकारी नहीं दी। सीमा पर तैनात सैनिकों की तरह खाड़ी श्रमिक भी देश के आर्थिक जवान हैं। उनके द्वारा भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। खाड़ी श्रमिकों को खुद को 'खाड़ी श्रमिकों की जाति' कहने पर गर्व होना चाहिए।

दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

कोत्तागुडेम, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के डुम्मुगुडेम मंडल के तुरुबाका गांव में मंगलवार को सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक, मंडल के पाथा मारेडुबाका गांव के तेलम अर्जुन (56) की मौके पर ही मौत हो गई, जब वह जिस बाइक से जा रहा था, उसे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी।

हनमकोंडा सरकारी अस्पताल में चूहों का आतंक

नवजात शिशुओं और माताओं को कर रहे परेशान

हनमकोंडा, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हनमकोंडा के सरकारी प्रसूति अस्पताल में नवजात शिशुओं को लेकर आने वाली माताएं रातों की नींद हराम करके सोती हैं, क्योंकि उन्हें डर रहता है कि कहीं चूहे उनके बच्चों को न काट लें। उनका डर बेवजह नहीं है।

अस्पताल में चूहे पूरे वार्ड में इधर-उधर भागते रहते हैं, यहां तक कि दिन में भी। मंगलवार को सरकारी अस्पताल में चूहों का आतंक इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गया, जब अस्पताल के प्रसूति वार्ड में चूहों के घूमने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में चूहों को मरीजों की मौजूदगी में वार्ड में बचा हुआ खाना खाते हुए भी देखा जा सकता है। कई महिलाएं अपने नवजात शिशुओं के बारे में चिंतित थीं क्योंकि चूहे वार्ड में घूम रहे थे और मरीजों में डर पैदा कर रहे थे।

एक अटेंडेंट ने कहा कि मैंने वार्ड के अंदर चूहे देखे। हम शिशुओं के सामने आने वाले खतरे को लेकर चिंतित हैं। रात के समय, हम वार्ड के बाहर रहते हैं, और बड़े-बड़े चूहे देखते हैं। सूत्रों का कहना है कि इस मुद्दे को अस्पताल के अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया था, लेकिन चूहों से छुटकारा पाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। हालांकि, रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (आरएमओ) ने दावा किया कि प्रसूति वार्ड के अंदर कोई कृंतक नहीं थे, हालांकि अधिकारी ने स्वीकार किया कि वे वार्ड के बाहर मौजूद थे। आरएमओ ने आगे दावा किया कि अस्पताल कृन्तकों को अस्पताल से बाहर रखने के लिए उपाय कर रहा था और नियमित आधार पर कीट नियंत्रण किया जा रहा था।

दो साल पहले, शहर के एमजीएम अस्पताल में चूहों के काटने से एक मरीज पी श्रीनिवास की मौत हो गई थी।

मारेडपल्ली में वर्धमान बैंक की 11वीं शाखा उद्घाटित

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वर्धमान (महिला) सहकारी शहरी बैंक लिमिटेड ने 12 नवंबर को सिकंदराबाद के वेस्ट मारेडपल्ली पुलिस स्टेशन के पास 11वीं शाखा का उद्घाटन हैदराबाद के प्रसिद्ध परोपकारी सुरेंद्र बांटिया ने किया। बैंक के एटीएम का उद्घाटन उद्योगपति प्रदीप ओस्तवाल ने किया। इस अवसर पर बैंक के चेयरमैन एफसीए शान्तिलाल डागा एवं निदेशक मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

स्थानीय क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, सरकारी अधिकारी, बैंक के भावी और मौजूदा ग्राहक, शुभचिंतक उद्घाटन दिवस समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में कई सुविधाओं का उद्घाटन शामिल था, जैसे कि सुभाष गोलेछा और श्रीमती छाया गोलेछा द्वारा स्ट्रांग रूम, सुभाष लोहाडे और श्रीमती छाया लोहाडे द्वारा लॉकर, विजय कुमार बरमेचा और श्रीमती निर्मला बरमेचा द्वारा नकदी।

ग्राहकों की अधिकतम सुविधा के लिए डिज़ाइन की गई, मारेडपल्ली शाखा पूरी तरह से वातानुकूलित है और सभी आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं से सुसज्जित है। ग्राहक मोबाइल बैंकिंग, मुफ़्त आरटीजीएस, नेफ्ट और यूपीआई सहित डिजिटल लेनदेन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। शाखा सावधि जमा पर प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों के साथ-साथ गोल्ड लोन, बिज़नेस लोन, एमएसएमई लोन, शिक्षा लोन और आवास लोन जैसे ऋण उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला भी प्रदान करती है। अपनी असाधारण ग्राहक सेवा के लिए जाना जाने वाला, वर्धमान बैंक का लक्ष्य मारेडपल्ली में एक शानदार प्रतिष्ठा स्थापित करना है।

सभा को संबोधित करते हुए, चेयरमैन शांतिलाल डागा ने नियामक दिशानिर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए शीर्ष श्रेणी की ग्राहक सेवा और सुविधाजनक बैंकिंग प्रदान करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने बैंक के प्रभावशाली 34 साल के इतिहास पर प्रकाश डाला, इस बात पर जोर देते हुए कि वर्धमान बैंक ने अपनी स्थापना के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और लाभदायक बना हुआ है। श्री डागा ने डिजिटल चैनलों और मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से विकसित बैंकिंग परिदृश्य को अपनाने के लिए बैंक के समर्पण को दोहराया। उन्होंने छोटे ऋणों और एमएसएमई उधारकर्ताओं का समर्थन करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया। बैंक ने लगातार वित्तीय रूप से मजबूत और अच्छी तरह से प्रबंधित बैंक के रूप में योग्यता प्राप्त की है और कभी भी किसी भी विनियामक अनुपात पर चूक नहीं की है। श्री डागा ने स्थानीय निवासियों और व्यापारिक समुदाय से नई शाखा का समर्थन और संरक्षण करने की अपील की।

एसपी ने चावल मिलों में धान खरीद का किया निरीक्षण

नलगोंडा, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक पी. शरत चंद्र पवार ने मंगलवार को मिर्यालगुडा उप-मंडल में कई चावल मिलों में धान खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत की और खरीद प्रक्रिया में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली। एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि धान की खरीद सुचारू रूप से हो और किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने उनकी चिंताओं का समाधान किया और उन्हें आश्वासन दिया कि धान खरीद से संबंधित किसी भी धोखाधड़ी की गतिविधि के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने में सहायता करने का भी निर्देश दिया तथा इस बात पर बल दिया कि किसानों को समर्थन देना तथा सुचारू खरीद प्रक्रिया सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है।

टायर फटने से वैन पलटी, 25 मजदूर घायल

वानापर्थी, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कोथाकोटा मंडल के कनीमेट्टा गांव में मंगलवार को एक वाहन के पलट जाने से उसमें सवार कम से कम 25 मजदूर घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, मजदूर महबूबनगर जिले के वेंकटमपल्ली गांव में कपास चुनने के लिए भूतकुरु गांव से एक वैन में जा रहे थे। जैसे ही वाहन कनीमेट्टा गांव से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर पहुंचा, वाहन का टायर फट गया और वह पलट गया। दुर्घटना में चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

व्यापारी खुलेआम कपास किसानों का कर रहे शोषण

खम्मम, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव के अपने जिले में कपास किसानों को व्यापारियों द्वारा खुलेआम शोषण का सामना करना पड़ रहा है। किसानों की शिकायत है कि व्यापारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम पर कपास खरीद रहे हैं, जबकि उनकी फसल में नमी की मात्रा की आवश्यकता पूरी हो चुकी है। उनका आरोप है कि कृषि और विपणन अधिकारियों की लापरवाही उनके लिए महंगी साबित हो रही है।

किसानों ने मंगलवार को जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान से अपनी पीड़ा साझा की, जिन्होंने कपास यार्ड का औचक दौरा किया। उन्होंने शिकायत की कि व्यापारी 6400 से 6800 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कपास खरीद रहे हैं, जबकि सरकार द्वारा निर्धारित एमएसपी 7521 रुपये प्रति क्विंटल है। किसानों ने बताया कि व्यापारियों ने बिना नमी की जांच किए ही उनसे कपास खरीद लिया। उन्होंने कलेक्टर को बताया कि एक व्यापारी ने किसान से 6800 रुपये में कपास खरीदा, जबकि उसमें नमी की मात्रा 12 प्रतिशत थी। कलेक्टर ने उन कपास की बोरियों की नमी की जांच भी की और पाया कि नमी की मात्रा वास्तव में 12 प्रतिशत थी।

मुजम्मिल खान ने विपणन और कृषि अधिकारियों पर गुस्सा जाहिर करते हुए सवाल उठाया कि उन्होंने व्यापारियों को एमएसपी से कम कीमत पर उपज खरीदने की अनुमति क्यों दी। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है, व्यापारियों की नहीं। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि व्यापारियों को एमएसपी से कम कीमत पर कपास खरीदने का कोई अधिकार नहीं है और अगर व्यापारी नियमों का उल्लंघन करते हैं तो उन्हें अपने लाइसेंस रद्द करने होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि जिन किसानों से एमएसपी से कम कीमत पर कपास खरीदा गया है, वे शेष राशि का भुगतान करें। कलेक्टर ने किसानों से कहा कि वे अपनी उपज को सुखाकर लाएं और सुनिश्चित करें कि उसमें नमी की मात्रा 12 प्रतिशत से कम हो। 14 प्रतिशत नमी वाली कपास को कुछ शर्तों के आधार पर खरीदा जाएगा, लेकिन 20 से 25 प्रतिशत नमी वाली कपास को नहीं खरीदा जाएगा। इस दिन मंडी में 20,000 बोरी कपास की आवक हुई।

हिमायत सागर स्थित श्री संकट मोचन दक्षिणमुख हनुमान मंदिर में श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल द्वारा अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया गया। अवसर पर गोपाल बल्दवा, पुरुषोत्तम अग्रवाल, पंकज वर्मा, उमेश सोनी, पवन गुप्ता, रामरतन देवल, बनवारी अनिल अग्रवाल, पंडित लाल शुक्ला, पंडित वीर शुक्ला, स्वामी गोपालाचारी व अन्य उपस्थित थे।

सिकंदराबाद के सिखवाल समाज में महा अनकूट प्रसादी का आयोजन

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरु देव श्री प्रभु दास जी महाराज 1008 के दिव्य आशीर्वाद और मार्गदर्शन में संपन्न अनकूट प्रसादी में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान श्रीमन्नारायण के प्रसाद का आनंद लिया। यह आयोजन धार्मिक एकता, समर्पण और भक्ति का सजीव उदाहरण बन गया।

हैदराबाद विश्वविद्यालय ने माइक्रो इंश्योरेंस इनोवेशन हब के साथ किया समझौता

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय ने मंगलवार को सूक्ष्म बीमा के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न पहलों पर सहयोग करने के लिए माइक्रो इंश्योरेंस इनोवेशन हब (एमआईआईएच) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी कई प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसमें क्षमता विकास, शोध, डेटा-संचालित नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देना शामिल है। स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर देबाशीष आचार्य समन्वयक होंगे, जबकि एमआईआईएच की ईडी सुप्रिया गोली समन्वयक के रूप में एमआईआईएच का प्रतिनिधित्व करेंगी।

दोनों संस्थान, एमओयू के माध्यम से, माइक्रोइंश्योरेंस पैठ और बीमा समावेशन के बारे में गतिविधियों में शामिल होंगे। वे विशेषज्ञता का लाभ उठाने, हितधारकों को प्रशिक्षित करने और ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख खिलाड़ियों (टी-हब, बीमाकर्ता, एनजीओ) के साथ सहयोग करेंगे। ये संस्थान अनुसंधान करेंगे, नवीन सूक्ष्म बीमा उत्पादों को डिजाइन करने के लिए डेटा विश्लेषण का लाभ उठाएंगे तथा पायलट परियोजनाओं के माध्यम से उनका परीक्षण करेंगे। वे अनुसंधान भी करेंगे, सूचनात्मक संसाधन तैयार करेंगे, तथा अनुसंधान और हितधारक सहभागिता के माध्यम से सहायक सूक्ष्म बीमा विनियमों की वकालत करने के अलावा सूक्ष्म बीमा लाभों के बारे में जागरूकता भी बढ़ाएंगे।

4000 रुपये की रिश्वत लेने पर वाणिज्यिक कर अधिकारी को 11 साल की जेल

पोचैया को एसीबी अधिकारियों ने उस समय गिरफ्तार किया जब वह कथित तौर पर सुरेंद्र से रिश्वत ले रहा था।

मंचेरियल, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर में एसीबी मामलों की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को लक्सेटीपेट के एक उप वाणिज्यिक कर अधिकारी (डीसीटीओ) को 11 साल पहले एक आवेदक से 4,000 रुपये की रिश्वत लेने के लिए तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और 4,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

आदिलाबाद एसीबी के डीएसपी वीवी रमण मूर्ति ने कहा कि अदालत के न्यायाधीश कुमार

विवेक ने डीसीटीओ थोगरी पोचैया को 27 सितंबर 2013 को कासिपेट मंडल के मुथ्यमपल्ली के एक उर्वरक दुकान के मालिक अल्ली सुरेंदर से रिश्वत लेने का दोषी पाते हुए उनके खिलाफ सजा सुनाई।

पोचैया को एसीबी अधिकारियों ने उस समय गिरफ्तार किया जब वह कथित तौर पर सुरेंद्र से रिश्वत ले रहा था। उसने सुरेंद्र से उसकी करदाता पहचान संख्या (टीआईएन) रद्द न करने और दुकान चलाने में कोई सुविधा न देने के लिए रिश्वत मांगी थी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पर्थ से आई टीम इंडिया के लिए बड़ी चेतावनी!

ऑस्ट्रेलिया पहुंचते ही भारतीय बल्लेबाजों ने पकड़ लिया माथा

पर्थ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। तमाम क्रिकेट फैन्स का इंतजार बस खत्म होने को है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का रोमांच 22 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाना है और टीम इंडिया कंगारू सरजमीं पर कदम रख चुकी है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया पहुंचते ही पर्थ से रोहित एंड कंपनी के लिए बड़ी चेतावनी आई है। भारतीय बल्लेबाजों को इशारों-इशारों में वॉर्निंग मिल चुकी है कि पहले टेस्ट में कंगारू तेज गेंदबाजों के आगे अग्निपरीक्षा होगी।

पर्थ से आई चेतावनी

दरअसल, भारतीय टीम को पर्थ से चेतावनी भेजने वाला व्यक्ति कोई और नहीं, बल्कि पिच क्यूरेटर ही है। पर्थ की पिच की देखरेख करने वाले इसाक मैक्डोनल्ड का कहना है कि पहले टेस्ट के लिए तैयार की गई पिच

में जबरदस्त पेस और बाउंस देखने को मिलेगी। कहने का मतलब यह है कि पर्थ में तेज गेंदबाज आग उगलते हुए नजर आएंगे और टीम इंडिया के टॉप ऑर्डर बैटर्स को सावधान रहना होगा।

बता दें कि सीरीज के पहले मुकाबले के लिए ऑप्टस स्टेडियम में ड्रॉप-इन पिच को अक्टूबर में ही स्थापित कर दिया गया था। मैक्डोनल्ड ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के साथ बातचीत करते हुए कहा, "यह ऑस्ट्रेलिया है, यह पर्थ है। हम एक ऐसी पिच तैयार कर रहे हैं, जहां पर अच्छी पेस, अच्छा बाउंस और जबरदस्त कैरी देखने को मिलेगा।"

भारतीय बल्लेबाजों की होगी परीक्षा

पर्थ के मैदान पर पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया के बल्लेबाजों की अग्निपरीक्षा होगी। मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की रफ्तार भरी गेंदों के आगे पर्थ की पिच पर बल्लेबाजी करना भारतीय बैटर्स के लिए कतई आसान नहीं होगा। ग्राउंड पर अगर ओवरकास्ट कंडिशंस हुईं, तो ऑस्ट्रेलिया की यह तिकड़ी इंडियन बैटर्स का जीना बेहाल कर सकती है।

इंडियन बॉलर्स के लिए भी खुशखबरी

पर्थ की पिच को लेकर सामने आई रिपोर्ट इंडियन फास्ट बॉलर्स के लिए गुड न्यूज है। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप जैसे गेंदबाज भी पर्थ में अपनी घातक गेंदबाजी से रंग जमाने का पूरा प्रयास करेंगे। बुमराह ने पर्थ में एक टेस्ट मैच खेला है, जहां उन्होंने 5 विकेट अपने नाम किए थे। बूम-बूम पर्थ में एक ही पारी में पांच विकेट निकालने का कारनामा कर चुके हैं। वहीं, सिराज को भी उछाल भरी पिचों पर गेंदबाजी करना काफी रास आता है।

बीसीसीआई के टीम भेजने से इनकार के बाद

आईसीसी को अब पीसीबी के फैसले का इंतजार, हाईब्रिड मॉडल मानेगा या नहीं?

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने तो चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया है. भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इस बारे में आईसीसी से लेकर पीसीबी तक को अवगत करा दिया है. लेकिन, अब पाकिस्तान क्या फैसला लेता है, आईसीसी को उसका इंतजार है. क्या वो चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हाईब्रिड मॉडल अपनाने को तैयार होगा? आईसीसी को जानना है कि उसका रूख क्या रहने वाला है? इससे पहले बीते रविवार पीसीबी ने ये साफ किया कि उसे आईसीसी की तरफ से मेल आया है, जिसमें ये बताया गया कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं आ रही.

बीसीसीआई हाईब्रिड मॉडल के लिए तैयार

हाईब्रिड मॉडल के तहत टीम इंडिया के मुकाबले पाकिस्तान में नहीं होंगे.

भारत के सारे मैचों का आयोजन यूएई में होगा, जबकि टूर्नामेंट का फाइनल दुबई में खेला जाएगा. पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को ये बता दिया है कि वो हाईब्रिड मॉडल मानने को तैयार है, अगर उसका फाइनल मुकाबला दुबई में खेला जाता है.

पीसीबी की तरफ से नहीं आया कोई बयान

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की बात करें तो रविवार को भारतीय टीम के टूर्नामेंट खेलने पाकिस्तान नहीं जाने का संदेश मिलने के बाद उसके होश उड़े हैं. पाकिस्तान क्रिकेट से जुड़े तमाम लोगों की प्रतिक्रियाएं इस मामले में सामने आई. लेकिन, अब तक PCB की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है.

आईसीसी ने पीसीबी से मांगा जवाब

लेकिन, सूत्रों की मानें तो क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था यानी आईसीसी ने पीसीबी से अपनी राय रखने को कहा है. उसने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से सवाल किया है कि क्या वो हाईब्रिड मॉडल के लिए तैयार हैं? आईसीसी ने पीसीबी को ये आश्वासन भी दिया है कि उन्हें हाईब्रिड मॉडल के तहत पूरी मैच फीस दी जाएगी.

क्या साउथ अफ्रीका में होगा टूर्नामेंट?

सूत्रों ने ये भी कहा कि अगर बीसीसीआई के फैसले के बाद पाकिस्तान ने अपने हाथ पीछे खींचे यानी वो टूर्नामेंट की मेजबानी से इनकार करता है तो आईसीसी इसका आयोजन साउथ अफ्रीका में करा सकता है.

उधर, पीसीबी के विश्वसनीय सूत्रों ने पीटीआई को बताया कि अब तक चैंपियंस ट्रॉफी को हाईब्रिड मॉडल पर कराने को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है. सूत्रों ने कहा कि अब तक कोई ऐसी बात नहीं हुई, जिससे अगला कदम उठाया जा सके. हां, ये खबर जरूर है कि पीसीबी, पाकिस्तान सरकार के लगातार संपर्क में है.

13 करोड़ की सैलरी के बाद अब केकेआर के कप्तान बनेंगे रिंकू सिंह?

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। रिंकू सिंह की किस्मत का सितारा अब बुलंद होता दिख रहा है. हाल ही में केकेआर ने उन्हें 13 करोड़ की बड़ी कीमत पर रिटेन किया वहीं अब इस खिलाड़ी को एक और अच्छी खबर मिल रही है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रिंकू सिंह

केकेआर के नए कप्तान बन सकते हैं. केकेआर पिछले साल की आईपीएल चैंपियन टीम है और उसने अपने कप्तान अय्यर को रिटेन नहीं किया था. अब ऐसा बताया जा रहा है कि अय्यर की जगह रिंकू को लीडरशिप सौंपी जा सकती है.

कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने कप्तान श्रेयस अय्यर को ही रिटेन नहीं किया. टीम मैनेजमेंट के मुताबिक श्रेयस अय्यर ने खुद रिटेन नहीं होने का फैसला लिया. श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ही केकेआर चैंपियन बनी थी. अब चूंकि अय्यर चले गए हैं तो मैनेजमेंट के सामने बड़ा सवाल ये है कि अगला कप्तान कौन होगा और ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि इसमें रिंकू सिंह भी रेस में हैं. वैसे एक सवाल और है कि क्या रिंकू सिंह केकेआर की कप्तानी कर पाएंगे?

रिंकू सिंह लंबे समय से घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं और अब वो आईपीएल और टीम इंडिया दोनों ही जगह अपना नाम कमा चुके हैं. रिंकू एक मैच फिनिशर हैं जहां सबसे ज्यादा दबाव होता है और रिंकू ने ये बात तो साबित की है कि उनके अंदर प्रेशर झेलने की काबिलियत है. ऐसे में एक कप्तान के तौर पर रिंकू सिंह सफल हो सकते हैं. इसके अलावा रिंकू ने यूपी टी20 लीग में भी मेरठ मावेरिक्स की कप्तानी की जो चैंपियन भी बनी.

रिंकू को केकेआर में अनुभव

रिंकू सिंह लंबे समय से केकेआर में हैं और ऐसे में उन्हें टीम मैनेजमेंट की सोच और कल्चर के बारे में अच्छी तरह से पता है. वो टीम के हर खिलाड़ी को जानते हैं और सभी के साथ उनकी ट्यूनिंग अच्छी है. किसी भी खिलाड़ी को कप्तान बनाने से पहले टीम यही गुण देखती है और रिंकू इसमें नंबर 1 हैं. अब देखना ये है कि केकेआर क्या सच में रिंकू को कप्तान बनाती है?

22 साल के अफगान बल्लेबाज ने की शतकों की बारिश

एक साथ विराट और सचिन का रिकॉर्ड तोड़ा

खेल डेस्क, 12 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का करियर शानदार रिकॉर्ड्स से भरा पड़ा है. विराट ने अपने लंबे करियर में कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और अभी भी ऐसा कर रहे हैं. उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के भी कीर्तिमानों को ध्वस्त किया है. उनसे पहले यही काम सचिन कर रहे थे, जो पुराने रिकॉर्ड तोड़कर नए इतिहास रच रहे थे. अब अफगानिस्तान के एक युवा बल्लेबाज ने एक ही बार में इन दोनों दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है. ये बल्लेबाज हैं रहमानुल्लाह गुरबाज, जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शानदार शतक जमाया और टीम को मैच के साथ सीरीज भी जिता दी.

गुरबाज का 8वां शतक,

सचिन-कोहली पीछे छूटे

शारजाह में खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में बांग्लादेश की ओर से अफगानिस्तान को 245 रन का लक्ष्य मिला था. इसके जवाब में 22 साल के युवा ओपनर गुरबाज ने आते ही विस्फोटक बल्लेबाजी शुरू कर दी इस दौरान दूसरी ओर से खड़े बल्लेबाज कुछ खास योगदान नहीं दे सके और आउट होते रहे लेकिन गुरबाज जमे रहे. फिर 38वें ओवर में गुरबाज ने 1 रन लेकर अपने वनडे करियर का 8वां शतक भी पूरा कर दिया. गुरबाज ने 117 गेंदों में अपनी सेंचुरी पूरी की.गुरबाज का इस साल ये तीसरा वनडे शतक है.

इस शतक के साथ ही उन्होंने दो महान भारतीय बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया. गुरबाज सबसे कम उम्र में 8 वनडे शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए. गुरबाज ने सिर्फ 22 साल 349 दिन में 8 वनडे शतक पूरे कर लिए. इस तरह उन्होंने सचिन (22 साल 357 दिन) और विराट कोहली (23 साल 27 दिन) को पीछे छोड़ दिया. उनके अलावा बाबर आजम (23 साल 280 दिन) भी पीछे रह गए. इस मामले में गुरबाज से आगे सिर्फ पूर्व साउथ अफ्रीकी दिग्गज बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (22 साल 312 दिन) ही हैं. वहीं 22 साल की उम्र में गुरबाज ने सिर्फ 46 पारियों में ये कीर्तिमान हासिल किया जो नया वर्ल्ड रिकॉर्ड है.

अफगानिस्तान ने जीती सीरीज

इस पारी के दम पर अफगानिस्तान की जीत की नींव तैयार हुई और उसे जीत तक पहुंचाया ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजाई ने. ओमरजाई ने पहले ही मैच में अपना असर डाल दिया था और 4 विकेट लेकर बांग्लादेश को बड़े स्कोर तक नहीं पहुंचने दिया. इसके बाद उन्होंने बल्ले से अपना दम दिखाया और 77 गेंदों में 70 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को 49वें ओवर में 5 विकेट से जीत दिलाकर ही दम लिया. उनके अलावा मोहम्मद नबी ने भी नाबाद 34 रन की पारी खेली. इससे पहले बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही थी, जिसके बाद मेहदी हसन मिराज और अनुभवी बल्लेबाज मेहमुदुल्लाह ने टीम को 244 रन तक पहुंचाया. मेहमुदुल्लाह शतक से चूक गए और 98 रन पर आउट हुए.

मोहम्मद शमी की टीम में वापसी, आज खेलेंगे पहला मैच

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल के बाद से भारतीय फैंस मोहम्मद शमी की तेज गेंदबाजी का जादू नहीं देख पाए हैं. लेकिन अब बस ये इंतजार खत्म होने वाला है क्योंकि शमी मैदान पर वापसी करने वाले हैं. मोहम्मद शमी को बंगाल की रणजी टीम में जगह मिली है और वो मध्य प्रदेश के खिलाफ अगला मुकाबला खेलेंगे. बंगाल और मध्य प्रदेश का रणजी ट्रॉफी मुकाबला 13 नवंबर को होल्कर स्टेडियम में होगा, जहां शमी की रफ्तार और सीम-स्विंग का जलवा देखने को मिलेगा. मोहम्मद शमी वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल के बाद से चोटों से जूझ रहे थे जिसके बाद उनकी सर्जरी भी हुई. वो रिकवरी के दौरान भी चोटिल हुए लेकिन अब

ये खिलाड़ी पूरी तरह फिट है.

शमी खेलेंगे बॉर्डर-गावस्कर सीरीज?

शमी चोट की वजह से बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए टीम इंडिया में जगह नहीं बना पाए क्योंकि वो सेलेक्शन से पहले फिर अनफिट हो गए थे. लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरा बहुत लंबा है और मुमकिन है कि शमी को टीम इंडिया बुलाए. अगर शमी रणजी ट्रॉफी में कमाल प्रदर्शन कर देते हैं तो कौन जानता है कि शमी को ऑस्ट्रेलिया से बुलावा आ जाए. शमी का बाहर होना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है और इस खिलाड़ी की टीम को बहुत दरकार भी है. वो इसलिए क्योंकि रेड बॉल से शमी ने भारत को विदेश में कई टेस्ट सीरीज जिताई हैं. बुमराह के साथ उनकी जोड़ी विरोधी बल्लेबाजों पर कहर ढा सकती है.

शमी हैं ऑस्ट्रेलिया का 'काल'

मोहम्मद शमी का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कमाल का रिकॉर्ड है. ये खिलाड़ी इस टीम के खिलाफ 12 मैचों में 44 विकेट ले चुका है. ऑस्ट्रेलिया में तो शमी ने 8 टेस्ट में 31 विकेट चटकाए हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज है. मुमकिन है कि शमी अगर रणजी में मैच फिटनेस साबित कर दें तो उन्हें टीम इंडिया से बुलावा आ जाए.

कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी: छत्तीसगढ़ ने चार विकेट खोकर 325 रन पर घोषित की पारी, यूपी ने 212 रन बना ड्रा किया मैच

कानपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। ग्रीनपार्क स्टेडियम में कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी के मैच के चौथे व अंतिम दिन उत्तर प्रदेश व छत्तीसगढ़ के बीच मैच ड्रा हो गया। पहली पारी में तीन रन की बढ़त के आधार पर यूपी की टीम नौ अंक हासिल कर इलीट ग्रुप-बी में 48 अंक के साथ पहले स्थान पर है। वहीं, सात अंक लेने के बाद भी छत्तीसगढ़ की टीम को अंक तालिका में नुकसान होने के साथ ही ग्रुप में चौथा स्थान मिला। अंतिम दिन छत्तीसगढ़ की टीम ने यूपी को 323 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में यूपी की टीम ने 67 ओवर में सात विकेट पर 212 रन बनाकर मैच ड्रा करवाया। उत्तर प्रदेश का अगला मैच 15 से 18 नवंबर को गोवा के साथ होगा। चौथे दिन चार

विकेट पर 240 रनों से आगे खेलने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने 87 ओवरों में 325 रनों पर घोषित की। पहली पारी में शतक लगाने वाले हर्ष साहू ने दूसरी पारी में भी बेहतरीन शतकीय पारी खेली। हर्ष ने 232 गेंदों में 12 चौके व तीन छक्कों की मदद से नाबाद 141 रन बनाए। छत्तीसगढ़ के 323 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की टीम का पहला विकेट 47 रन पर गिरा। ओपनर आदर्श सिंह 25 रन बनाकर दीपक यादव का शिकार हुए। 93 रनों के स्कोर पर दीपक ने शोएब को 34 के स्कोर पर एलबीडब्ल्यू कर छत्तीसगढ़ को दूसरी सफलता दिलायी। वहीं, कप्तान आराध्य यादव आठ रन बनाकर वरुण सिंह की गेंद पर मयंक यादव को कैच दे बैठे। वरुण सिंह ने चिकारा को भी 37 रनों पर आउट कर मेजबान टीम को संकट में डाल दिया। मयंक यादव ने रितुराज शर्मा को 27 को और सन्नी पांडे ने काव्य तेवतिया को आठ रन और वरुण ने विजय यादव को चार रन पर आउट कर छत्तीसगढ़ के लिए जीत की उम्मीद जगाई। प्रशांतवीर ने शुभम मिश्रा के साथ आठवें विकेट के लिए 84 गेंदों पर नाबाद 46 रनों की साझेदारी कर मैच को ड्रा करवाया। छत्तीसगढ़ के वरुण सिंह ने तीन, दीपक यादव ने दो, मयंक यादव और सन्नी पांडे ने एक-एक विकेट लिए। पहली पारी में तीन रनों से पिछड़ने के चलते छत्तीसगढ़ को ड्रा मैच का एक, बल्लेबाजी के लिए दो, गेंदबाजी के लिए चार अंक दिए गए। जबकि, उत्तर प्रदेश को बढ़त के आधार पर तीन, बल्लेबाजी के लिए दो तथा गेंदबाजी के लिए चार अंक दिए गए।

कुमामोटो मास्टर्स: सिंधू की नजरें फॉर्म में वापसी पर टिकी होंगी, लंबे समय से कर रही हैं संघर्ष

हैदराबाद, , 12 नवंबर (एजेंसियां)। सिंधू करीब 24 महीनों से संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने 2022 में सिंगापुर ओपन का खिताब जीता था जिसके बाद से वह चैंपियन बनने के लिए चुनौती पेश कर रही हैं। रियो ओलंपिक 2016 में रजत और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू इस साल पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकी थीं और उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगआई करते हुए फॉर्म में लौटने का प्रयास करेंगे। इन दोनों खिलाड़ियों को पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। सिंधू डेनमार्क ओपन सुपर 750 में क्वार्टर

फाइनल में पहुंची थीं, लेकिन लक्ष्य सेन आर्कटिक ओपन सुपर 500 और डेनमार्क ओपन दोनों में जल्दी बाहर हो गए थे।

करीब 24 महीनों से संघर्ष कर रही हैं सिंधू

सिंधू करीब 24 महीनों से संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने 2022 में सिंगापुर ओपन का खिताब जीता था जिसके बाद से वह चैंपियन बनने के लिए चुनौती पेश कर रही हैं। रियो ओलंपिक 2016 में रजत और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू इस साल पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकी थीं और उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था। इन असफलताओं के बावजूद सिंधू को विश्वास है कि अपने नए कोच अनुप श्रीधर और कोरिया के दिग्गज ली स्युन इल के साथ मिलकर काम करने से वह बेहतर परिणाम हासिल करेंगी।

जापान ओपन के पहले दौर में सिंधू का मुकाबला थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त बुसानन ओंगबामरुंगफान से होगा। सिंधू ने कहा, मैं शारीरिक और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में हूं। हमने खेल के विभिन्न पहलुओं पर काम किया है। मुझे उम्मीद है कि नए कोचों के मार्गदर्शन में मैं जापान और चीन में अच्छा प्रदर्शन करने सफल रहूंगी। दूसरी ओर, लक्ष्य सेन अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के लियोंग जून हाओ के खिलाफ करेंगे। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका अगला मुकाबला इंडोनेशिया के आठवीं वरीयता प्राप्त एंथोनी गिंटिंग से हो सकता है।

आईपीएल मेगा ऑक्शन के लिए एलएसजी की रडार पर हैं ये 5 खिलाड़ी!

69 करोड़ लुटाने की यूं है तैयारी

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन का बाजार सजने लगा है। सभी टीमों की रिटेंशन लिस्ट पहले ही सामने आ चुकी है। इस बार के ऑक्शन में कई बड़े नाम शामिल होने जा रहे हैं। भारत की ओर से ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, तो विदेशी नामों में जोस बटलर, टिम डेविड जैसे खिलाड़ियों के लिए टीमों के बीच जोरदार जंग होने की पूरी उम्मीद है। तीन सीजन टीम की अगुवाई करने वाले केएल राहुल से लखनऊ सुपर जायंट्स का साथ छूट चुका है। एलसजी को ऑक्शन में इस बार नए कप्तान की तलाश में भी उतरेगी। इसके साथ ही कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो लखनऊ टीम की रडार पर होने वाले हैं। ऐसे ही पांच नामों के बारे में आइए आपको बताते हैं।

नवीन उल हक

अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन उल हक को लखनऊ सुपर

जायंट्स राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल करके हर हाल में टीम में शामिल करने का प्रयास करेगी। नवीन का प्रदर्शन लखनऊ की ओर से खेलते हुए कमाल का रहा है। दो सीजन में अफगानी फास्ट बॉलर ने 25 विकेट निकाले हैं। रफ्तार के साथ-साथ नवीन के पास विकेट निकालने की काबिलियत मौजूद है, जो उन्हें खास बनाती है।

फिल सॉल्ट

केएल राहुल को रिलीज करने के बाद लखनऊ एक विस्फोटक ओपनिंग बल्लेबाज की तलाश में होगी। यही वजह है कि मेगा ऑक्शन में लखनऊ की निगाहें फिल सॉल्ट पर रहने वाली हैं। सॉल्ट ने पिछले सीजन केकेआर को चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाया था। सॉल्ट ने आईपीएल 2024 में खेले 12 मैचों में 182 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 435 रन ठोके थे।

ट्रेंट बोल्ट

ट्रेंट बोल्ट की गिनती आईपीएल के सबसे सफल गेंदबाजों में की जाती है। पावरप्ले के अंदर विकेट निकालने का हुनर बोल्ट को सबसे खास बनाता है। यही वजह है कि बोल्ट मेगा ऑक्शन में लखनऊ की रडार पर होंगे। हालांकि, राजस्थान रॉयल्स द्वारा रिलीज करने के बाद बोल्ट के नाम पर बड़ी बोली लगने की उम्मीद की जा रही है।

युजवेंद्र चहल

युजवेंद्र चहल भी वो नाम हैं, जिन पर लखनऊ सुपर जायंट्स बड़ा दांव खेल सकता है। चहल का प्रदर्शन पिछले सीजन राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए कमाल का रहा था। चहल अंतिम ओवरों में भी बढ़िया गेंदबाजी कर सकते हैं। आईपीएल 2024 में चहल ने 18 विकेट चटकाए थे और लखनऊ की धीमी विकेट पर युजी एलसजी के ट्रंप कार्ड साबित हो सकते हैं।

वॉशिंगटन सुंदर

सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा रिलीज किए जाने के बाद वॉशिंगटन सुंदर पर भी लखनऊ की निगाहें रहने वाली हैं। सुंदर चार ओवर का स्पेल फेंकने के साथ-साथ बल्ले से भी अहम योगदान दे सकते हैं। सुंदर की ऑलराउंड काबिलियत को देखते हुए लखनऊ उनके लिए मोटा पैसा खर्च कर सकती है।

पीएम आज काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर भारतीय जनऔषधि केंद्र का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 नवंबर को रिमोट वीडियो लिंक के माध्यम से काचीगुडा रेलवे स्टेशन सहित देश भर में 18 स्थानों पर प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्रों का उद्घाटन करेंगे। साथ ही, जनऔषधि केंद्र के शुभारंभ के उपलक्ष्य में काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर एक समारोह आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर भारत सरकार के कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन, हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक जन कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि

केंद्र के नाम से जाने जाने वाले विशेष केंद्रों के माध्यम से आम जनता को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराना है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों, विशेषकर वंचितों के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना है। इस योजना का उद्देश्य शिक्षा और प्रचार के माध्यम से जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना भी है, ताकि इस धारणा का मुकाबला किया जा सके कि गुणवत्ता केवल उच्च कीमत का पर्याय है। दक्षिण मध्य रेलवे लाखों दैनिक आगंतुकों और यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं और सुख-सुविधाओं को लगातार उन्नत कर रहा है। तदनुसार, काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर जन औषधि केंद्र विशेष रूप से यात्रा करने वाले लोगों के सभी वर्गों के लिए सहायक होगा, जो प्राथमिक चिकित्सा आपूर्ति आदि सहित आवश्यक दवाओं तक त्वरित पहुंच बना सकते हैं। रेलवे स्टेशन पर पीएमबीजेके स्थापित करने के उद्देश्य निम्नानुसार हैं। सभी को सस्ती कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां और उपभोग्य वस्तुएं (जन औषधि उत्पाद) उपलब्ध कराने के भारत सरकार के मिशन को बढ़ावा देना। रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों/आगंतुकों को जन औषधि उत्पादों तक आसानी से पहुंच बनाने में सक्षम बनाना। सस्ती कीमतों पर दवाइयां उपलब्ध कराकर समाज के सभी वर्गों के बीच स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना। रोजगार के अवसर पैदा करना और पीएमबीजेके खोलने के लिए उद्यमियों के लिए रास्ते बनाना है।

तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानमंडल के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जापान के टोक्यो में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माला चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रतिनिधिमंडल में तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश मुदिराज और विधानमंडल सचिव डॉ.वी. नरसिम्हा चार्युलु शामिल थे। तेलंगाना के प्रतिनिधियों के अलावा, सिक्किम राज्य विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष श्रद्धांजलि समारोह में शामिल हुए। यह कार्यक्रम जापान में भारतीय दूतावास के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसका प्रतिनिधित्व दूतावास सचिव ने किया था। तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में आयोजित 67वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) सम्मेलन में भाग लेने के बाद जापान का दौरा किया।

केटीआर ने की अमृत 2.0 टेंडरों को लेकर कांग्रेस की आलोचना

पीएम मोदी को 8,888 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच की दी चुनौती

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता केटी रामाराव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस द्वारा तेलंगाना को एटीएम की तरह इस्तेमाल करने और तेलंगाना में आरआर (राहुल-रेवंत) टैक्स लगाए जाने के बारे में बोलते हैं, जिससे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। अगर उनके आरोप सच हैं, तो अमृत टेंडर घोटाले पर चुप्पी क्यों है? हमने केंद्र को कार्रवाई करने के लिए सभी आवश्यक सबूत दिए हैं। यह भाजपा की ईमानदारी का लिटमस टेस्ट है।

मंगलवार को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर घोर भ्रष्टाचार और घोर पूंजीवाद का आरोप लगाया। उन्होंने अमृत 2.0 के तहत टेंडर का उदाहरण देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के परिवार से जुड़ी कंपनियों को काम दिया गया।

उन्होंने पूछा कि अगर तेलंगाना में भ्रष्टाचार के बारे में भाजपा नेताओं द्वारा लगाए गए आरोप सही हैं तो कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि रेवंत रेड्डी के साले सुजान रेड्डी की कंपनी सोधा कंस्ट्रक्शन को 1,137 करोड़ रुपये का टेंडर दिया गया। उन्होंने कहा कि सोधा कंस्ट्रक्शन ने 2020-21 और 2021-22 में मात्र 3.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, लेकिन उसके पास इतनी बड़ी परियोजनाओं को संभालने की योग्यता नहीं थी, जिससे टेंडरिंग प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठते हैं।

रामाराव ने कहा कि यह भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम का घोर उल्लंघन है। उन्होंने केंद्र से मामले की गहन जांच करने का आग्रह किया। उन्होंने याद दिलाया कि सोनिया गांधी समेत कई नेताओं को अपने पद का दुरूपयोग करने के कारण अपने पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तथा राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी का भी यही हश्र होगा।

उन्होंने बताया कि बीआरएस ने केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से शिकायत की है, जिन्होंने इस मुद्दे पर गौर करने और 25 नवंबर से शुरू होने वाले संसद सत्र से पहले जवाब देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो बीआरएस इस मुद्दे को राज्यसभा में उठाएगी।

'जनता की सरकार' का एक साल पूरा होने पर मनेगा जश्न

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की 'जनता की सरकार' की पहली वर्षगांठ के सम्मान में, प्रजा विजयोत्सवम या 'जनता की शासन विजय महोत्सव' 14 नवंबर को हैदराबाद में शुरू होगा। मुख्य सचिव शांति कुमारी के अनुसार, बाल दिवस पर आयोजित होने वाले तथा पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले इस उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री शिक्षा दिवस समारोह का उद्घाटन करेंगे, जिसमें लगभग 14,000 स्कूली छात्र भाग लेंगे।

कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री छात्रों के लिए शैक्षिक सहायता बढ़ाने के लिए पिछले वर्ष में लागू की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डालेंगे। प्रमुख सुधारों में आहार भत्ते में वृद्धि, राज्य भर के स्कूलों में उन्नत बुनियादी ढांचा, घर-आधारित ग्रेडिंग की स्थापना और

सरकारी स्कूलों के लिए मुफ़्त बिजली का प्रावधान शामिल है। एलबी स्टेडियम में होने वाले इस कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को सचिवालय में राज्य के अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक का नेतृत्व मुख्य सचिव शांति कुमारी ने किया और इसमें विशेष मुख्य सचिव विकास राज, मुख्य सचिव श्रीधर और बुर्रा वेंकटेशम, सचिव सारथ और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मुख्य सचिव शांति कुमारी ने मुख्यमंत्री के उस निर्देश को याद किया जिसमें उन्होंने 14 नवंबर से 9 दिसंबर तक तेलंगाना में सरकार की वर्षगांठ मनाने के लिए बड़े पैमाने पर सार्वजनिक समारोह आयोजित करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि पहले दिन मुख्यमंत्री सरकारी और गुरुकुल स्कूलों के छात्रों से बातचीत करेंगे। इस कार्यक्रम में छात्रों द्वारा संचालित मॉडल असेंबली सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिक्षा क्षेत्र में हाल के विकास को प्रदर्शित करने वाली एक दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति और विभाग के लिए एक स्मारक स्मारिका का विमोचन शामिल होगा।

विकाराबाद में किसानों को हिरासत में लेना 'अमानवीय' : हरीश

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के विधायक टी हरीश राव ने मंगलवार को प्रस्तावित फार्मा सिटी के विरोध के बाद विकाराबाद जिले में किसानों को हिरासत में लेने को लेकर तेलंगाना सरकार की आलोचना की। विकाराबाद के कोडंगल में लोगों को हिरासत में लिए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए राव ने इसे 'अमानवीय' बताया। यह घटना लागाचर्ला गांव में हुई, जहां करीब 300 पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने कहा कि फार्मा सिटी परियोजना का विरोध करने और अपनी जमीन बचाने की कोशिश करने वाले लोगों के साथ दुर्व्यवहार होते देखना दुखद है। तेलंगाना के पूर्व वित्त मंत्री ने विकाराबाद में आधी रात को लोगों को गिरफ्तार करने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए सरकार और सुरक्षाकर्मियों की आलोचना की।

सिद्दीपेट विधायक ने आरोप लगाया कि फार्मा सिटी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के पीछे कोई गुप्त उद्देश्य है, इसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए। राव ने मांग की कि हिरासत में लिए गए लोगों को तुरंत रिहा किया जाए। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कोडंगल में भूमि अधिग्रहण तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के व्यक्तिगत लाभ के लिए हो रहा है और इसे तुरंत रोकने की मांग की।

स्पर्श आउटरीच कार्यक्रम का उद्घाटन

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्पर्श आउटरीच कार्यक्रम का उद्घाटन 12 नवंबर, 2024 को एमसीईएमई ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में पेंशन सचिव वी श्रीनिवास द्वारा किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम नियंत्रक रक्षा लेखा (सीडीए), सिकंदराबाद और मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है और 13 नवंबर की शाम तक इसका समापन होगा। कार्यक्रम का फोकस पूर्व सैनिकों (ईएसएम) की शिकायतों के समाधान और चेहरे के प्रमाणीकरण पर विशेष जोर देने के साथ राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 3.0 पर था। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यालय टीएएसए द्वारा रिकॉर्ड कार्यालय, भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (सीएचएस), सेना कल्याण प्लेसमेंट संगठन (एडब्ल्यूपीओ), वेटरन सेल, डीएलसी, यूआईडीएआई , पारिवारिक पेंशनभोगी काउंटर, विकलांग काउंटर और ईएसएम के लिए पंजीकरण काउंटर के विभिन्न काउंटर स्थापित किए गए थे। इस कार्यक्रम में ईएसएम और उनके आश्रितों ने अच्छी भागीदारी की। सचिव पेंशन, संयुक्त सचिव, सीजीडीए, उप महानिदेशक यूआईएआई, सीडीए सिकंदराबाद के साथ-साथ मेजर जनरल राकेश मनोचा एस, वीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग टीएएसए ने कार्यक्रम में भाग लिया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान ईएसएम से बातचीत भी की।

फिल्म नगर अपार्टमेंट में मृत पाई गई कश्मीरी महिला

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म नगर के गुलशानगर इलाके में एक 23 वर्षीय तकनीकी विशेषज्ञ अपने अपार्टमेंट में मृत पाई गई। महिला जम्मू-कश्मीर की मूल निवासी थी और शहर में एक बहुराष्ट्रीय बैंक की शाखा में काम करती थी। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, वह गुरुवार से काम पर लॉग इन नहीं हुई थी, जिसके कारण उसके सहकर्मियों को संदेह हुआ। कार्यालय ने जुबली हिल्स पुलिस से शिकायत की, क्योंकि वह फोन पर भी उपलब्ध नहीं थी।

शिकायत के आधार पर पुलिस अपार्टमेंट में पहुंची, दरवाजा तोड़ा और अंदर गई तो देखा कि उसका शव पड़ा है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म नगर पुलिस द्वारा संपर्क किए जाने पर युवती के माता-पिता ने बताया कि प्रेम प्रसंग के कारण हाल ही में हुई परेशानियों के बाद उसकी निजी स्थिति ठीक नहीं थी। पुलिस ने मौत का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

पत्नी की हत्या कर शव को किया आग के हवाले

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक ऑटो-रिक्शा चालक ने अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी और फिर उसके शव को आग लगा दी। घटना सोमवार रात की है। आरोपी कुरैशी ने 6 साल पहले पीड़िता कमर बेगम से शादी की थी। दंपति के दो बच्चे हैं और वे अक्सर छोटी-छोटी बातों पर झगड़ते रहते हैं। सोमवार रात को विवाद के बाद कुरैशी ने अपनी पत्नी का गला रेत दिया। इसके बाद उसने उसके शरीर पर ईंधन छिड़ककर आग लगा दी। घटना से पहले उसने अपने बच्चों को एक रिश्तेदार के घर भेज दिया था। स्थानीय निवासियों ने आग लगने की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। जांच करने पर पुलिस को शव पर चाकू के घाव और गला कटा हुआ शव मिला। दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग बुझाई और शव को शवगृह में ले जाया गया। बंदलागुडा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

बंजारा हिल्स में दंपत्ति पर 48 तोला सोना चोरी का मामला दर्ज

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स में एक डॉक्टर के घर से 48 तोला सोना चोरी करने के आरोप में एक दंपति पर मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। यह घटना एमएलए कॉलोनी स्थित उस घर में हुई जहां आरोपी दिलीप गुप्ता और उसकी पत्नी घरेलू सहायक के तौर पर काम करते थे। गुप्ता क्लीनिक में डॉक्टर की मदद भी करता था। कुछ दिन पहले क्लीनिक से कुछ सोने के गहने गायब हो गए थे। संदेह के आधार पर पुलिस ने गुप्ता को हिरासत में लिया, जिसने अपनी पत्नी की मदद से हैदराबाद में डॉक्टर के घर से 48 तोले सोने के गहने चोरी करने की बात स्वीकार की। जांच के बाद पुलिस ने डॉक्टर को सोने की चोरी की जानकारी दी। गहनों की जांच करने पर डॉक्टर ने पाया कि कई गहने चोरी हो गए हैं। पुलिस ने घरेलू सहायकों के खिलाफ नया मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

साइबर धोखाधड़ी में खोए 2.91 लाख रुपये मिले वापस

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस की साइबर अपराध इकाई ने साइबर धोखाधड़ी में राशि गंवाने वाले एक व्यक्ति को 2,91,726 रुपये वापस दिलाए। 2 नवंबर को नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर अपनी शिकायत में पीड़ित ने बताया कि उसे एचडीएफसी से क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के लिए कॉल आया, जिसमें उससे क्रेडिट कार्ड नंबर समेत निजी जानकारी मांगी गई। उसे व्हाट्सऐप पर भेजी गई एक एपीके फाइल इंस्टॉल करने को कहा गया। जैसे ही पीड़ित ने ऐप इंस्टॉल किया, उसका फोन हैक हो गया और उसके एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड से वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) बताए बिना ही 2.91 लाख रुपये की रकम डेबिट हो गई। शिकायत के बाद, साइबर क्राइम यूनिट ने मैलवेयर की पहचान की जिसने फोन की सुरक्षा से समझौता किया।

सीसीआई ने फिर से शुरू की कपास की खरीद

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों के विरोध प्रदर्शन और जिनिंग मिल मालिकों की हड़ताल समाप्त होने के बाद भारतीय कपास निगम (सीसीआई) ने मंगलवार को राज्य में खरीद कार्य फिर से शुरू कर दिया। यह कदम सीसीआई द्वारा अपने खरीद मानदंडों को आसान बनाने पर सहमति जताने के बाद उठाया गया, जिससे किसानों ने अपने स्टॉक को निजामाबाद, वारंगल और खम्मम जैसे प्रमुख कपास उत्पादक क्षेत्रों के मंडियों में ले जाना शुरू कर दिया।

किसानों ने चिंता जताई थी कि उन्हें प्रीमियम गुणवत्ता वाले कपास के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 7,521 रुपये से 1,000 से 1,500 रुपये प्रति क्विंटल कम भुगतान किया जा रहा है।

जिनिंग मिल मालिकों ने भुगतान विसंगतियों के लिए सीसीआई की कार्यप्रणाली को जिम्मेदार ठहराया तथा कहा कि निगम ने शुरू में प्रति कपास गांठ 1,345 रुपये का भुगतान करने का वादा किया था, लेकिन बाद में नमी की मात्रा 12 प्रतिशत की स्वीकार्य सीमा से अधिक होने के कारण प्रस्ताव को कम कर दिया गया।

सीसीआई के अधिकारियों ने किसानों, व्यापारियों और जिनिंग मिल मालिकों को आश्वासन दिया है कि वे बाजार में सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे, जिससे खरीद प्रक्रिया पुनः शुरू हो सकेगी। परिणामस्वरूप, किसानों ने अपना विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया है और अपने कपास स्टॉक को पुनः यार्डों में लाना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि राज्य की सभी 318 जिनिंग मिलें दोपहर तक अपना परिचालन पुनः शुरू कर देंगी, जिससे राज्य की कपास खरीद प्रक्रिया सामान्य हो जाएगी।

वर्ष 1978 में अनंतपुर पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज से उत्तीर्ण पुलिस उप-निरीक्षकों का पुनर्मिलन 10 नवंबर को हैदराबाद और वारंगल रेंज द्वारा पुलिस ऑफिसर्स मेस, हैदराबाद में आयोजित किया गया।

बीआरएस विधायक डॉ. संजय ने शुरू की 'रैतु पदयात्रा'

जगतियाल, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार से किसानों से किए गए वादों को पूरा करने की मांग को लेकर कोरुट्ला बीआरएस विधायक डॉ.के संजय कुमार की 'रैतु पदयात्रा' मंगलवार सुबह कोरुट्ला से शुरू हुई। संजय कुमार ने अपनी मां से आशीर्वाद लेकर पदयात्रा की शुरूआत की। पूर्व मंत्री और बालकोंडा विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी ने औपचारिक रूप से पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई।

पदयात्रा में बीआरएस जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक विद्यासागर राव, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष तुला उमा, किसान, बीआरएस कार्यकर्ता एवं अन्य लोग बड़े पैमाने पर भाग ले रहे हैं। वरिष्ठ बीआरएस नेता और सिद्दीपेट विधायक टी हरीश राव वेमुलावाड़ा में श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन के बाद जगतियाल के बाहरी इलाके चेलगल में पदयात्रा में शामिल होंगे। वे संजय कुमार और अन्य लोगों के साथ जगतियाल तक चलेंगे, जहां एक सार्वजनिक बैठक आयोजित की जाएगी।

खराब गुणवत्ता वाले भोजन को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगरकर्नूल जिले में पिछड़ा वर्ग (बीसी) कल्याण छात्रावास के छात्रों ने मंगलवार को भोजन की खराब गुणवत्ता को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और छात्रावास की विभिन्न समस्याओं को लेकर नारे लगाए। वेलदंडा मंडल में विरोध प्रदर्शन किया गया और छात्रों ने आरोप लगाया कि छात्रावास में न्यूनतम सुविधाएं हैं। छात्रों ने मुख्य सड़क को अवरूद्ध कर दिया और भोजन के बर्तनों के साथ जमीन पर बैठ गए।

जवाब में, बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन सहित बुनियादी आवश्यकताओं के लिए विरोध करने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। राव ने सरकारी स्कूलों और छात्रावासों की अनदेखी करने के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के शिक्षा मंत्री होने के बावजूद मुख्यमंत्री को सरकारी शिक्षण संस्थानों की कोई चिंता नहीं है। सिद्दीपेट विधायक ने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने 11 महीने के कार्यकाल में कल्याणकारी संस्थाओं की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। एक्स पर एक पोस्ट में राव ने दावा किया कि नागरकर्नूल में छात्रों का विरोध तेलंगाना सरकार की अक्षमता का सबूत है। तेलंगाना के पूर्व वित्त मंत्री ने सरकार से शैक्षणिक संस्थानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने का आग्रह किया।

आरटीसी बस में सीट को लेकर महिलाओं में झगड़ा

खो गया एक का मंगलसूत्र

मेदक, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार की सुबह टेकमल मंडल के बोडमतपल्ली गांव में टीजीआरटीसी बस में सीट को लेकर सह-महिला यात्रियों के साथ झगड़े के बाद एक महिला यात्री ने अपना मंगलसूत्र खो दिया। कामारेड्डी से बस मेदक की ओर जा रही थी, तभी चलती बस में सीट को लेकर दो महिला यात्रियों में बहस हो गई। हालांकि कंडक्टर ने उन्हें मामले को सुलझाने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन महिलाएं नहीं मानीं। तभी निथिसा (37) नामक महिला ने

शिकायत की कि उसका मंगलसूत्र खो गया है। उसे उस महिला पर शक था जिसने उससे झगड़ा किया था। कंडक्टर ने तुरंत 100 नंबर डायल करके पुलिस को बुलाया। स्थानीय एसआई मौके पर पहुंचे और बस में मौजूद हर यात्री के सामान की जांच की, लेकिन उन्हें चेन नहीं मिली। मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।

सुबह की सैर कर रही महिलाओं को कार ने कुचला, दो की मौत

पेद्दापल्ली, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली शहर के रंगमपल्ली में मंगलवार को एक तेज रफ्तार कार के अनियंत्रित होकर सुबह की सैर कर रहे लोगों को कुचलने से दो महिलाओं की मौत हो गई तथा एक अन्य महिला घायल हो गई। इस घटना में कुक्का अमृता और कुक्का बाध्या की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुक्का पद्मा घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने पद्मा को स्थानीय सरकारी अस्पताल पहुंचाया। तीनों उदयनगर के रहने वाले थे। पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अस्पताल पहुंचाया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

कोडंगल हमला : पुलिस ने 55 लोगों को किया गिरफ्तार

बिजली, इंटरनेट सेवाएं बंद

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र के लागीचेरला में उस समय तनाव व्याप्त हो गया जब पुलिस ने विकाराबाद कलेक्टर प्रतीक जैन और अन्य अधिकारियों पर सोमवार को हुए हमले के सिलसिले में 28 किसानों सहित 55 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। देर रात तक चले अभियान में लगभग 300 पुलिसकर्मी गांव में पहुंचे, बिजली काट दी और संदिग्धों को हिरासत में लेने के लिए घर-घर की तलाशी ली।

यह कार्रवाई दुदयाला, कोडंगल और बोनरास्पेट के नजदीकी मंडलों तक फैल गई, जहां इंटरनेट सेवाएं अचानक बंद कर दी गईं। रिपोर्टरों और फोटोग्राफरों को घटनाक्रम को कवर करने से रोका गया, उनके कैमरे छीन लिए गए और मौके पर ही तस्वीरें डिलीट करने के बाद ही उन्हें जाने दिया गया।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस ने देर रात की गई गिरफ़्तारियों की निंदा की और किसानों की तत्काल रिहाई की मांग की। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गिरफ़्तारियों की कड़ी निंदा की और असंतोष को दबाने के लिए धमकाने की रणनीति अपनाने के लिए कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल किया कि गिरफ़्तारी से लागिचेरला का संघर्ष नहीं रुकेगा। किसानों को धमकियों से चुप नहीं कराया जा सकता। यह लोकतंत्र है या अत्याचार?

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.